THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 252 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.4 2082 सोमवार, 8 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एलओसी पर पाकिस्तान के 68 आतंकी लॉन्चपैड सक्रिय

श्रीनगर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके में 68 लॉन्चपैड सक्रिय हैं। वहां 110 से 120 आतंकी जम्मू-कश्मीर में घुसने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में घुसपैठ की कोशिशें बढ़ सकती हैं। एलओसी के कई संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। सभी सेक्टरों में निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि आतंकी सीमा के करीब भी न पहुंच सकें। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी लगातार एलओसी की ओर भेजा जा रहे हैं, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह तैयार हैं। सभी फोर्सेज को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि हर घुसपैठ की कोशिश को सीमा पर ही रोक दिया जाए।

गोवा में सिलेंडर ब्लास्ट, 25 की मौत

क्लब का मैनेजर गिरफ्तार, 4 टूरिस्ट समेत 18 लोगों के शवों की पहचान

पणजी, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। गोवा के अरपोरा इलाके में शनिवार देर रात एक नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट होने से 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हैं। मरने वालों में 4 टूरिस्ट और 14 स्टाफ शामिल हैं, जबकि 7 लोगों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

गोवा पुलिस ने क्लब के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक क्लब में करीब 12 बजे सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। यह इतना जोरदार था कि कुछ ही मिनटों में आग पूरे क्लब में फैल गई। फायर ब्रिगेड ने काफी देर की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया। घटना की सूचना मिलते ही सीएम प्रमोद सावंत और स्थानीय विधायक माइकल लोबो मौके पर पहुंचे। सीएम ने बताया कि 3 लोगों की मौत जलने और बाकी की मौत दम घुटने से हुई है। हादसे की पूरी जांच होगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शुरूआती जांच में सामने आया है कि क्लब में फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं किया गया था। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और फोरेंसिक (एफएसएल) टीम आग की असली वजह की जांच कर रही है। वहीं, प्रधानमंत्री ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों को लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये देने का ऐलान किया है।

किचन से शुरू हुई आग, सीढ़ियों पर मिले शव

गोवा के डीजीपी आलोक कुमार ने बताया कि 25 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। मरने वालों में ज्यादातर क्लब में काम करने वाले कर्मचारी थे। डीजीपी ने कहा- आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर में बनी रसोई से क्लब के दूसरे हिस्सों में फैली। इसलिए सबसे ज्यादा शव किचन एरिया से मिले हैं। भागने की कोशिश में दो लोगों की मौत सीढ़ियों पर हुई।

चश्मदीद बोलीं- लोग ग्राउंड फ्लोर के किचन में फंसे

चश्मदीद फातिमा शेख के मुताबिक, आग लगते ही अंदर जोरदार भगदड़ मच गई। उस समय क्लब में वीकेंड पार्टी चल रही थी और करीब 100 लोग डांस फ्लोर पर थे। जैसे ही धुआं और लपटें दिखीं, कई लोग घबराकर नीचे की ओर भागे और गलती से ग्राउंड फ्लोर के किचन में पहुंच गए। वहां पहले से मौजूद स्टाफ भी फस गया। फातिमा ने बताया, बाहर निकलने का रास्ता बहुत संकरा था, जिससे लोग बाहर नहीं निकल पाए। कुछ ही मिनटों में पूरा क्लब आग की लपटों में घिर गया, वहां पाम लीव्स से सजावट की गई थी, जो तुरंत जल गई। कई लोग जैसे-तैसे बाहर निकले, लेकिन कुछ अंदर ही रह गए।

सीएम सावंत बोले- जिम्मेदारों पर एक्शन लेंगे :

सीएम सावंत ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आज का दिन गोवा के लिए बहुत दुखद है। अरपोरा में लगी भीषण आग में 23 लोगों की मौत हो गई। मैं बेहद दुखी हूं और इस कठिन समय में सभी पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने मौके पर जाकर हालात देखे और इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

उन्होंने बताया- जांच में यह पता लगाया जाएगा कि आग कैसे लगी और क्या वहां फायर सेफ्टी और बिल्डिंग के नियमों का सही तरह पालन किया गया था या नहीं। जो भी इस घटना के लिए जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी तरह की लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

घटना पर किसने क्या कहा-

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि नॉर्थ गोवा में आग लगने की दुखद घटना से बहुत दुख हुआ, जिसमें कई कीमती जानें गईं। दुखी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। इस मुश्किल समय में उन्हें हिम्मत मिले। मैं घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकल एडमिनिस्ट्रेशन बचाव और राहत का काम कर रहा है और प्रभावित लोगों को जरूरी देखभाल दे रहा है। जिन लोगों की जान गई, उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है और घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।

लोकसभा में नेत विपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर हादसे पर दुख जताया। उन्होंने लिखा- यह सिर्फ एक हादसा नहीं सुरक्षा और शासन की क्रिमिनल नाकामी है।

बेली डांसर के डांस के दौरान आग लगी

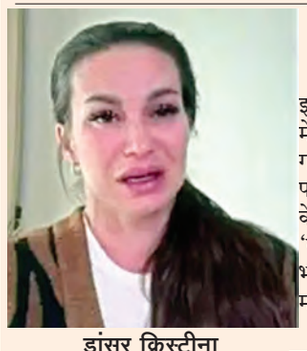

डांसर क्रिस्टीना

संकरे रास्ते ने फायर ब्रिगेड रोकी, सरपंच बोले- क्लब अवैध, तोड़ने का नोटिस दिया था

पणजी, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। गोवा के अरपोरा इलाके में स्थित नाइट क्लब 'रोमियो लेन द्वारा बिर्च' में शनिवार रात आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। शुरूआती जांच में पता चला है कि आग डांस फ्लोर से शुरू हुई। हादसे के समय क्लब में करीब 100 लोग मौजूद थे और 'बलीवुड बैंगर नाइट' चल रही थी। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसमें बेली डांसर महबूबा-ओ-महबूबा पर डांस करते दिख रही है।

इस दौरान क्लब की छत से कांच के बड़े टुकड़े टूटकर नीचे गिरने लगे। कुछ ही सेकंड बाद आग की तेज लपटें दिखाई देने लगीं। लपटें देख लोग घबरा गए और महिला डांसर ने भी तुरंत डांस रोक दिया। जांच में सामने आया है कि क्लब की एंट्री संकरी होने के चलते फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच सकी। वहीं, अरपोरा-नगुआ गांव के सरपंच का कहना है कि क्लब अवैध था, इसे तोड़ने का नोटिस भी दिया था।

इंडिगो ने 610 करोड़ रिफंड किए

देशभर में यात्रियों को 3 हजार बैगेज भी लौटाए, छठे दिन 650+ फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिगो ऑपरेशन संकट के बीच रविवार शाम तक एयरलाइन ने यात्रियों को 610 करोड़ का रिफंड कर दिया है। इसके साथ ही कंपनी ने देशभर में यात्रियों के 3 हजार से ज्यादा बैगेज भी लौटाए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार शाम इसकी जानकारी दी।

मंत्रालय ने बताया कि रिफंड या री-बुकिंग पर एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की मदद के लिए स्पेशल सपोर्ट सेल बनाए गए हैं। इसके साथ ही इंडिगो के फ्लाइट ऑपरेशन में भी तेजी आई है। डोमेस्टिक फ्लाइट फुल कैपेसिटी के साथ उड़ान भर रही हैं। इंडिगो के सीईओ ने पीटर एल्बर्स ने बताया कि आज हम 138 में से 137 डेस्टिनेशंस पर 1650 फ्लाइट ऑपरेट कर रहे हैं। ऑन टाइम परफॉर्मेंस 75 प्रतिशत रहने का अनुमान है। शनिवार को यह आंकड़ा 1500 था। आमतौर पर एयरलाइन रोजाना करीब 2300 उड़ानें ऑपरेट करती है। हमारी सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं।

आज भी इंडिगो की 650 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हुई हैं। इनमें दिल्ली, चेन्नई, जयपुर, हैदराबाद, भोपाल, मुंबई, त्रिची से जाने वाली फ्लाइट्स शामिल हैं।

हैदराबाद एयरपोर्ट से इंडिगो की 115 फ्लाइट कैंसिल की गईं राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अनुसार रविवार को एयरपोर्ट पर इंडिगो की 54 आने वाली और 61 जाने वाली उड़ानें कैंसिल कर दी गईं हैं। इससे पहले एयरलाइन ने शुक्रवार को लगभग 1600 फ्लाइट और शनिवार को लगभग 800 फ्लाइट कैंसिल की थीं।

सोनम वांगचुक की आज सुनवाई

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। जेल में बंद पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की याचिका पर यह सुनवाई होगी, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत वांगचुक की हिरासत को चुनौती दी गई है और इसे गैर-कानूनी और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया गया है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजारिया की पीठ इस मामले की सुनवाई कर सकती है।

किसी भी बिल या प्रस्ताव पर पार्टी लाइन से हट कर वोट

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने पेश किया प्रस्ताव

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के सीनियर लोकसभा मेंबर मनीष तिवारी ने मौजूदा विंटर सेशन के दौरान सदन में एक प्राइवेट मेंबर बिल का प्रस्ताव दिया है। तिवारी चाहते हैं कि बिल और मोशन पर वोटिंग करते समय पार्लियामेंट मेंबर पार्टी लाइन की मजबूरियों से आजाद हों। ऐसा होने पर कोई भी सांसद को किसी बिल या प्रस्ताव पर वोट करने को लेकर पार्टी लाइन से हटकर वोट कर सकेगा।

अभी, चुने हुए सदस्य कानून के हिसाब से अपनी पार्टी के बताए अनुसार एक फॉर्मल नोट के जरिए वोट करने के लिए मजबूर हैं। इसे सदन की भाषा में 'व्हिप' कहते हैं। तिवारी का प्रस्तावित कानून उस मजबूरी को खत्म करने के लिए एंटी-डिफेक्शन कानून में बदलाव करने के लिए है। चंडीगढ़ के सांसद ने कहा कि यह बिल सांसदों को 'व्हिप से चलने वाली तानाशाही' से आजाद करने और 'अच्छे कानून बनाने' को बढ़ावा देने की उनकी कोशिश है। इसके अलावा ट्रस्ट वोट, एडजर्नमेंट मोशन, मनी बिल और 'सरकार की स्थिरता पर असर डालने वाले' दूसरे मामले शामिल होंगे। मनीष तिवारी ने कहा कि बिल इस बात पर जोर देता है कि डेमोक्रेसी में किसकी अहमियत है- वो वोटर जो घंटों धूप में खड़ा रहता है, या वो पॉलिटिकल पार्टी जिसका व्हिप रिप्रेजेंटेटिव उसका हीरो बन जाता है? आमतौर पर प्राइवेट मेंबर बिल कम ही पारित होते हैं। तिवारी ने 2010 और 2021 के बाद तीसरी बार इसे पेश किया है। लेकिन उनकी अलग लाइन ऐसे समय में आई है जब उनकी पार्टी, जो पार्लियामेंट में मुख्य विपक्षी दल है, चुनावी हार और अंदरूनी झगड़ों से घिरी हुई है।

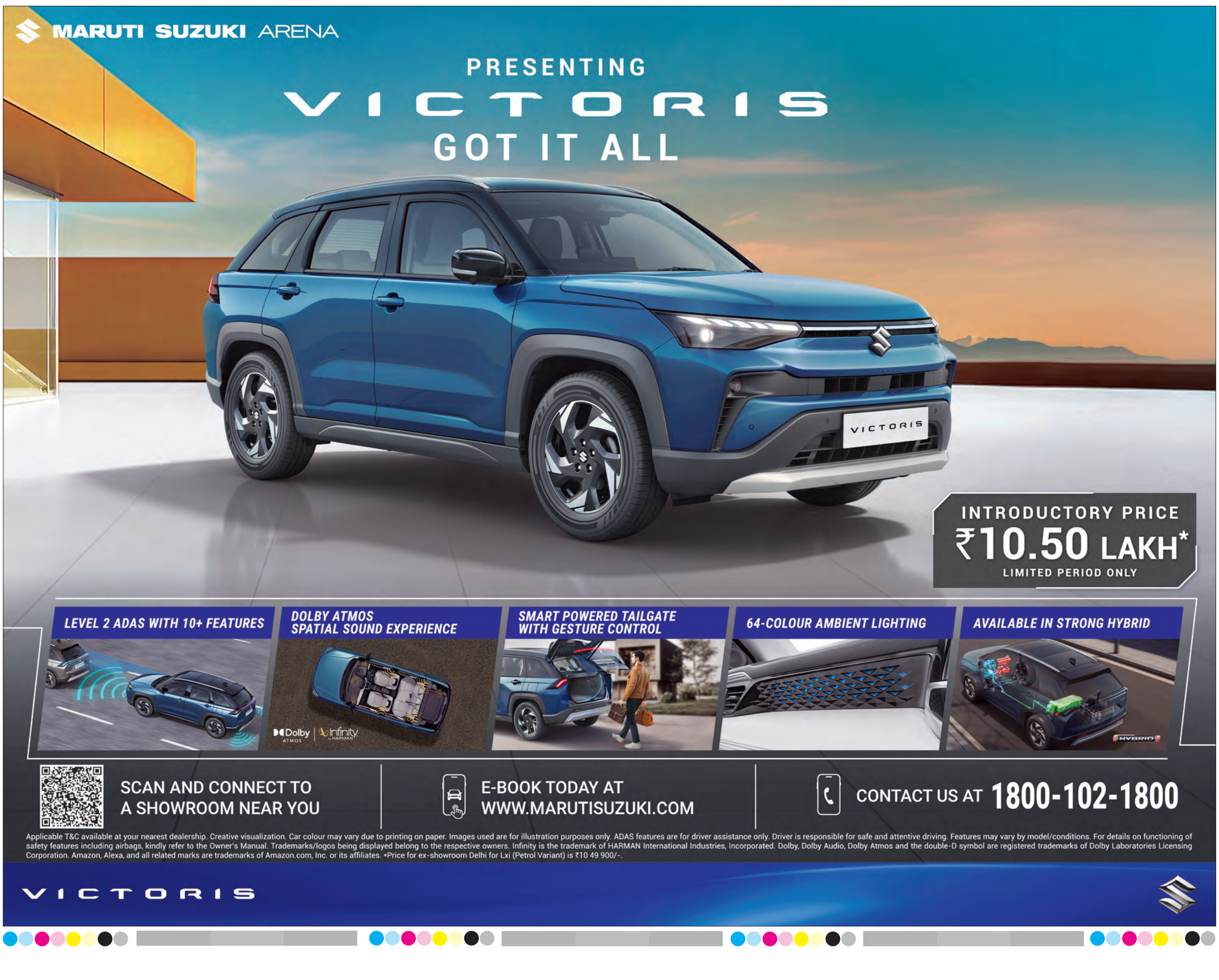

युवा वैज्ञानिक के माथे से आठ साल बाद मिटा देशद्रोह का कलंक, मां और पत्नी ने काटी अघोषित जेल

रुड़की, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। 27 साल का रुड़की का युवा वैज्ञानिक निशांत अग्रवाल जिस समय अपने साथियों के साथ ब्रह्मोस एयरस्पेस नागपुर में मिसाइल बना रहा था और कुछ दिन पहले ही जिसे डीआरडीओ ने यंग साइंटिस्ट का अवार्ड दिया था, एकाएक यूपी और महाराष्ट्र की एटीएस ने उसे पाकिस्तान को ब्रह्मोस मिसाइल की तकनीक लीक करने आरोप में गिरफ्त में ले लिया। महज साढ़े पांच माह पूर्व ही विवाह के बंधन में बंधी पत्नी के लिए आठ अक्तूबर, 2018 की वह सुबह काली रात जैसी थी, देशद्रोह का कलंक लिए पति आठ साल जेल के पीछे तो पत्नी और मां ने घर में अघोषित जेल काटी। एक दिसंबर 2025 को बांबे हाईकोर्ट के बरी करने के फैसले से घर में खुशियां फिर लौट आईं।

6 लोग मालगाड़ी की चपेट में, महिला की मौत:2 बच्चों समेत 5 लोग गंभीर

जबलपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल से जबलपुर आ रही जनशताब्दी एक्सप्रेस से मदन महल स्टेशन पर उतरने के बाद पटरी पार कर रहे तीन महिला, एक पुरुष और दो बच्चों सहित छह लोग विपरीत दिशा से आ रही मालगाड़ी की चपेट में आ गए। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा शनिवार रात करीब 11.30 से 12 बजे के बीच मदनमहल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर हुआ। सभी घायलों को तुरंत 108 एम्बुलेंस की मदद से जबलपुर के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, सभी लोग नरसिंहपुर से जनशताब्दी एक्सप्रेस में सवार हुए थे। मदनमहल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर उतरने के बाद वे पटरी की तरफ विपरीत दिशा में जा रहे थे, तभी दूसरे प्लेटफॉर्म से गुजर रही मालगाड़ी की चपेट में आ गए।

गोवा हादसे पर कांग्रेस ने जताया दुख

सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गोवा के नाइटक्लब में हुए हादसे पर दुख जताया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने लिखा, गोवा के अरपोरा में लगी दुखद आग में जान गंवाने वाले 20 से अधिक लोगों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। यह टाला जा सकने वाला दुखद हादसा एक ऐसा नुकसान है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती, और मैं घायल हुए सभी लोगों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।

उन्होंने जांच का आदेश देते हुए आगे लिखा, ऐसी त्रासदियों के लिए एक पूरी जांच, कड़ी जवाबदेही और तुरंत कदम उठाने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आग से सुरक्षा के सभी नियमों को लागू किया जाए, ताकि ऐसी विनाशकारी घटनाएं दोबारा न हों। मैं इस क्षेत्र के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी अपील करता हूं कि वे प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद और सहायता दें और दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़े रहें। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर लिखा, गोवा के अरपोरा में लगी दुखद आग से बहुत दुख हुआ, जिसमें 20 से ज़्यादा लोगों की जान चली गई। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। उन्होंने हादसे पर राज्य सरकार की जवाबदेही तय करने की बात करते हुए लिखा, यह सिर्फ एक हादसा नहीं है, यह सुरक्षा और शासन की आपराधिक विफलता है। एक पूरी और पारदर्शी जांच होनी चाहिए ताकि जवाबदेही तय हो और यह सुनिश्चित हो कि ऐसी रोकी जा सकने वाली दुखद घटनाएं दोबारा न हों। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने लिखा, पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। यह एक बहुत बड़ा नुकसान है। मैं सभी घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।

इस दुखद घटना की पूरी जांच होनी चाहिए। दोषियों को पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और ऐसे कदम उठाए जाने चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और सभी सुरक्षा नियमों का पालन किया जाए।

रामनगर में गरजा प्रशासन का बुलडोजर कड़ी सुरक्षा के बीच हटाए गए अवैध निर्माण

नैनीताल, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने और क्षेत्र में संभावित 'डेमोग्राफी चेंज' की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पुलिस और प्रशासन लगातार सख्त कदम उठा रहे हैं। इसी क्रम में तड़के 07 दिसंबर 2025 को रामनगर के पुछड़ी क्षेत्र में बड़ा अभियान चलाया गया। इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी स्वयं एसएसपी नैनीताल डॉ। मंजुनाथ टीसी कर रहे थे। यह कार्रवाई राज्य सरकार के उस विजन के अनुसार की गई, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सरकारी भूमि को किसी भी कीमत पर अवैध कब्जे में नहीं रहने दिया जाएगा और संदेहास्पद गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी,

वन विभाग की रिजर्व फॉरेस्ट भूमि पर बने अवैध कब्जों को हटाने के लिए पहले ही नोटिस जारी किए गए थे। तय समय सीमा पूरी होने के बाद 7 दिसंबर सुबह पुलिस, प्रशासन और वन विभाग की संयुक्त टीम भारी मशीनरी लेकर मौके पर पहुंची। संवेदनशीलता को देखते हुए इस अभियान की तैयारी कई दिनों से गुप्त रूप से की जा रही थी। जेसीबी मशीनों ने पुलिस सुरक्षा घेरे में अवैध निर्माणों को हटाना शुरू किया और कुछ घंटों में पूरा क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त कर दिया गया।

अधिकारियों के अनुसार अभियान शांतिपूर्ण रहा और किसी प्रकार की बड़ी बाधा सामने नहीं आई। कार्रवाई के दौरान किसी भी विवाद या अव्यवस्था की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। कार्रवाई के बाद भी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, ताकि दोबारा अतिक्रमण या तनाव की स्थिति न बने। नैनीताल पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति भड़काऊ पोस्ट, भ्रामक टिप्पणियाँ या विरोध-प्रदर्शन के लिए उकसाने वाली अपील करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चारधाम यात्रा 2026: ग्रीनकार्ड शुल्क का भुगतान यूपीआई से भी होगा

ऑनलाइन सिस्टम बंद होने पर ऑफलाइन भी तैयार होंगे

देहरादून, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। अगले साल होने वाली चारधाम यात्रा की तैयारियों के मद्देनजर परिवहन विभाग ने बैठक में निर्णय लिया कि ग्रीन कार्ड का शुल्क भुगतान यूपीआई के माध्यम से भी हो सकेगा। आरटीओ प्रशासन व चारधाम यात्रा के नोडल अधिकारी संदीप सैनी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में तय हुआ कि इस साल की भांति अगले साल भी एआरटीओ कार्यालय रुड़की का ग्रीन कार्ड सेंटर नारसन चेकपोस्ट पर ही होगा।

ग्रीन कार्ड, ट्रिप कार्ड साइट पर तकनीकी खराबी आने पर वाहनों का मैन्युअल ग्रीन कार्ड बनेगा। अभी ग्रीन कार्ड का शुल्क नेट बैंकिंग के माध्यम से जमा होता है। वाहन चालकों व तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए यूपीआई के माध्यम से भी शुल्क जमा कराने की सुविधा मिलेगी। बैठक में तय हुआ कि ऑनलाइन ग्रीन कार्डजारी करने के बाद वाहन चालक को ग्रीन कार्ड का प्रिंट निकालने के लिए लिंक वॉट्सएप, मैसेज के माध्यम से भेजा जाएगा। इससे उसे असुविधा नहीं होगी। आगामी चारधाम यात्रा के लिए अस्थायी चेकपोस्टों व कार्यालयों में सफाई के लिए संबंधित नगर निगम से समन्वय स्थापित करते हुए व्यवस्था की जाएगी। अस्थायी चेकपोस्ट तपोवन के विपरीत दिशा में होने के कारण जाम की स्थिति पैदा न हो। जनसुरक्षा के दृष्टिगत उस चेकपोस्ट को नजदीक में ही कहीं अन्यत्र शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए एआरटीओ टिहरी, एआरटीओ ऋषिकेश, पुलिस, प्रशासन की टीम का संयुक्त निरीक्षण किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट नोडल अधिकारी, चारधाम यात्रा कार्यालय को भेजनी होगी।

श्रीनगर में अस्पताल के शौचालय में मिला नवजात का शव, जांच में जुटी पुलिस

श्रीनगर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। सौरा क्षेत्र में स्थित एक अस्पताल के शौचालय से नवजात शिशु का शव बरामद होने के बाद अस्पताल परिसर में सनसनी फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि शव को वॉशरूम के कमोड के अंदर देखा गया। एक व्यक्ति ने तुरंत अस्पताल प्रशासन को इस संदिग्ध घटना की जानकारी दी। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। प्राथमिक मेडिकल जांच के अनुसार शिशु लगभग छह से सात महीने के गर्भकाल का प्रतीत होता है। अधिकारियों के अनुसार आगे की जांच के बाद ही घटना की वास्तविक परिस्थितियों का पता चल सकेगा।

सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कानूनी कार्यवाही शुरू की। शव को कानूनी औपचारिकताओं के लिए कब्जे में लिया गया है ताकि मौत का कारण और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की पुष्टि की जा सके। सूत्रों के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जाएगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि नवजात का शव शौचालय में कैसे पहुंचा। मामले की जांच होगी।

गोवा अग्निकांड पर प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार को घेरा

कहा- सुरक्षा लापरवाही ने लीं 25 जान

मुंबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। गोवा के लोकप्रिय नाइट क्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' में शनिवार (6 दिसंबर) देर रात लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस हादसे पर शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने गहरी संवेदना जताते हुए सरकारों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। यह आग उत्तरी गोवा के अर्पोरा गांव स्थित इस पार्टी स्पॉट में सिलेंडर फटने के बाद लगी। मरने वालों में 4 टूरिस्ट, 14 स्टाफ मेंबर शामिल हैं, जबकि 7 शवों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज जारी है। आग लगने की वजहों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

नियमों की अनदेखी ने ली 25 लोगों की जान- प्रियंका

हादसे पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, "सबसे पहले, मैं इस घटना में किसी अपने को खो देने वाले सभी परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करना चाहूंगी। मैं लगातार आग्रह करती रही हूँ कि स्थानीय और राज्य सरकारों को नियमित रूप से सुरक्षा ऑडिट करवाने चाहिए। उन्होंने कहा, कई लाइसेंसों का दुरुपयोग होता है और उचित सुरक्षा उपायों व नियमों के बिना ऐसे प्रतिष्ठान चलते रहते हैं। यह त्रासदी उसी का परिणाम है। सरकार को चाहिए कि वह अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए पीड़ित परिवारों को पूरा समर्थन दे, ताकि उनकी तकलीफ को यथासंभव कम किया जा सके।

सुरक्षा तैयारियों पर उठे सवाल

घटना ऐसे समय में हुई है जब गोवा में टूरिस्ट सीजन चरम पर है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा इंतजाम कितने पुख्ता हैं यह बड़ा सवाल अब खड़ा हो गया है। 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब पिछले साल ही खुला था और बेहद लोकप्रिय हो चुका था। लेकिन शुरुआती जांच से यह साफ है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल की कमी ने इस हादसे को और भयावह बना दिया। प्रियंका चतुर्वेदी ने राज्य सरकार से तुरंत राहत राशि, इलाज और मानसिक-सामाजिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए नियमों की सख्ती से अमल और सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए।

'जजों से बदसलूकी बर्दाश्त नहीं' दिल्ली हाई कोर्ट ने वकीलों को दी चेतावनी

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। ट्रायल कोर्ट के जज के सामने ऊंची आवाज में दलीलें पेश करने के एक अधिवक्ता के बर्ताव की आलोचना करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट या हाई कोर्ट के जज के साथ बुरा बर्ताव नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने साथ ही मेरिट पर केस न आने पर न्यायाधीशों को धमकाने की कोशिश करने वाले कुछ वकीलों की ऐसी आदतों पर कड़ी टिप्पणी की। पीठ ने कहा कि हाल के दिनों में यह देखा जा रहा है कि जब मेरिट पर कोई केस नहीं होता है तो कुछ अधिवक्ता विशेष तौर पर जिला कोर्ट के जज को किसी तरह से डराने की कोशिश करते हैं। पीठ ने उक्त टिप्पणी ट्रायल कोर्ट के आदेश में वकील के बर्ताव का ब्यौरा नोट करते हुए की। 2016 से लंबित एक सिविल केस को आगे बढ़ाने के अधिवक्ता के अनुरोध को अदालत द्वारा ठुकराने पर अधिवक्ता ने ऊंची आवाज में बात की थी। मिली जानकारी के अनुसार उक्त अधिवक्ता ने ट्रायल कोर्ट के जज से ऊंची आवाज में कहा था कि वह सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करता है। हालांकि, जिरह का आखिरी मौका मिलने पर भी उसने ट्रायल जज से कहा कि वह बहस नहीं करेगा। यह भी गलत बयान दिया था कि उसके मुवक्किल ने मामले में कोई समझौता किया है।

हाई कोर्ट ने उक्त घटनाओं को गलत मानते हुए कहा कि यह निंदनीय है कि ट्रायल कोर्ट द्वारा शांत रहने के लिए कहने के बावजूद वकील ट्रायल जज से ऊंची आवाज में बात करता रहा। पीठ ने अधिवक्ता को चेतावनी दी कि ट्रायल कोर्ट के जजों के साथ इस तरह का बर्ताव नहीं किया जा सकता।

हिमाचल को चिट्टा कर रहा बर्बाद! माफिया युवतियों को लगवा रहा लत, फिर शारीरिक शोषण के साथ करवा रहा तस्करी

शिमला, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। शिमला जिले की एक 18 साल की युवती को दो साल पहले उसके ही दोस्त ने रोमांच (आनंद) के नाम पर चिट्टे का नशा करने के लिए मजबूर किया। एक बार नशा लेने के बाद युवती इसकी लत में पड़ गई। इसके बाद दोस्त ने पैसे की मांग की और फिर नशे के लिए शारीरिक शोषण शुरू कर दिया। धीरे-धीरे युवती नशे के जाल में फंसती गई और फिर सच्चाई का पता लगने पर माता-पिता ने भी उसका साथ छोड़ दिया। पढ़ने में होनहार युवती अब नशे के दलदल में फंसकर तलब पूरी करने के लिए शारीरिक शोषण करवाने को मजबूर हो गई। प्रदेश में यह मामला पहला नहीं है। तीन साल में पुलिस ने विभिन्न नशा तस्करी में 100 युवतियों और महिलाओं को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर कांग्रेस का हमला, कहा- मेट्रो को जिम्मेदार ठहराना सरकार की नाकामी

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की बिगड़ती हवा, बढ़ते मरीज और सड़कों पर पसरी धूल को लेकर राजधानी की सियासत गर्मा गई है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मेट्रो के नाम पर अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश की जा रही है, जबकि असली जिम्मेदार विभागों को अब तक ठोस निर्देश ही नहीं मिले हैं।

मेट्रो निर्माण को लेकर सरकार पर लापरवाही का आरोप

कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दावा किया कि राजधानी के खतरनाक स्तर तक पहुंचते प्रदूषण में मेट्रो निर्माण की हिस्सेदारी पहले से अधिक है और यह सरकारों की लापरवाही का नतीजा है। उनका कहना है कि कांग्रेस शासन के दौरान मेट्रो निर्माण से निकलने वाली मिट्टी और मलबे की सफाई रातों रात

कराई जाती थी। धूल को काबू में रखने के लिए सड़क धुलाई और तुरंत मलबा हटाना आम प्रक्रिया थी। उन्होंने कहा कि अब जब निर्माण कार्य कम हो चुका है और ज्यादातर भूमिगत भी है, तब भी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा मेट्रो को सफाई के लिए सख्त निर्देश जारी करना हास्यास्पद है।

प्रदूषण पर मेट्रो नहीं, सरकार सवालों के घेरे में

देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि जब हवा अगले 10 दिनों तक बेहद खराब रहने की चेतावनी पहले से मौजूद है, तब दिल्ली सरकार मेट्रो पर नाकामी का ठीकरा फोड़ रही है। उनका कहना है कि प्रदूषण नियंत्रित करने की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, डीडीए जैसे विभागों की है, जिन्हें अब तक कोई स्पष्ट निर्देश जारी नहीं किए गए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि दिल्ली सरकार भी मेट्रो की तर्ज पर आधुनिक तकनीक अपनाकर धूल, कूड़ा और मलबे का निस्तारण करे, तो प्रदूषण को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सरकारी विद्यालय में हिंसक झड़प, 12वीं के छात्र की बेरहमी से पिटाई, मौत

चेन्नई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु स्थित सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्रों के बीच हुई हिंसक झड़प ने 12वीं के एक छात्र की जान ले ली। सीनियर्स और जूनियर्स आपस में किसी बात पर इतना उलझे कि नौबत मार-पीट तक पहुंच गई। इस दौरान एक छात्र के सिर पर गंभीर चोट आई और तीन दिन तक अस्पताल उससे जूझता रहा और आखिरकार उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार सरकारी अरिग्नार अन्ना मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 11वीं कक्षा के कुछ छात्रों ने छात्र पर हमला किया था।

यह चौंकाने वाली घटना 4 दिसंबर को स्कूल कैंपस में दो कक्षाओं के बीच झड़प के बाद हुई। जांचकर्ताओं के मुताबिक, 11वीं में पढ़ने वाले चौदह छात्रों के एक ग्रुप ने कथित तौर पर झगड़े के दौरान अपने सीनियर पर हमला कर दिया। कहा जाता है कि आरोपियों ने लड़के के सिर पर डंडे से वार किया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। स्कूल अधिकारियों ने तुरंत लड़के के परिवार को बताया। उसके माता-पिता कैंपस पहुंचे और उसे इमरजेंसी इलाज के लिए कुंभकोणम के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

तेज रफ्तार वाहन ने चीते को कुचला मादा शावक केजी-3 की मौत

ग्वालियर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे पर घाटीगांव सिमरिया मोड़ पर कूनो से भागे दो चीतों में से एक चीते की मौत हो गई। जंगल से निकलकर जब सड़क पर चीता आया तो तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। दूसरे चीते की तलाश की जा रही है। सूचना मिलते ही घाटीगांव थाना पुलिस और वन विभाग के अफसरों ने घटनास्थल को निगरानी में ले लिया है। कूनो के अफसर भी स्पॉट पर पहुंच गए हैं। चीते के शव को कूनो पहुंचाया जा रहा है, जहां एक्सपर्ट्स का पैनल पोस्टमॉर्टम करेगा। सैटेलाइट कॉलर आईडी से लगातार चीतों पर नजर रखी जा रही थी। जैसे ही सड़क हादसा हुआ अफसरों को सूचना मिल गई है। घटनास्थल पर काफी भीड़ थी, लेकिन वन विभाग के अफसरों ने पुलिस तक को पास नहीं आने दिया। पूरी कार्रवाई वन विभाग के अफसर कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार मृत चीते का नाम केजी-3 मादा है। इसका जन्म कूनो नेशनल पार्क में ही हुआ था।

यह गामिनी का शावक बताया जा रहा है। बता दें कि कूनो के जंगल से निकलकर दो चीता घाटीगांव के जंगल में पहुंच गए थे। यहां रविवार तड़के 5 बजे के लगभग वह घाटीगांव के जंगल से निकलकर आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे पर सड़क क्रॉस कर दूसरी तरफ जा रहे थे कि तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक चीता को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि चीता हाईवे किनारे गिरा और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद जब चीता पड़ा लोगों ने देखा तो पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। बता दें कि कूनो से दो युवा चीते भागे थे। दोनों की लोकेशन घाटीगांव के सिमरिया मोड के आसपास आ रही थी। कूनो से वन विभाग की टीम लगातार उनका पीछा कर रही थी। शनिवार शाम को सिमरिया इलाके में एक गाय पर दोनों चीतों ने हमला किया था। जिसमें गाय की मौत हो गई थी। तभी से वन विभाग के अफसरों ने यहां अपना डेरा जमा लिया था।

तमिलनाडु में तेंदुए का आतंक 5 साल के बच्चे को बनाया शिकार; 8 महीने में तीसरी मौत

अन्नामलाई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पहाड़ी क्षेत्र में एक बार फिर जंगली जानवरों और इंसानों के बीच टकराव देखने को मिला है। तेंदुए ने फिर एक बच्चे को अपना शिकार बनाया। तेंदुआ बच्चे को लेकर भागा और कई घंटों की छानबीन के बाद बच्चे का शव बरामद हुआ। यह मामला तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले का है। पिछले 8 महीनों में यह तेंदुए का तीसरा शिकार है। इससे पहले भी तेंदुआ 2 बच्चों को मौत के घाट उतार चुका है। तेंदुए के आतंक से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है।

तमिलनाडु पुलिस के अनुसार, मृतक बच्चे का नाम सैफुल था, जिसकी उम्र महज 5 साल थी। कोयंबटूर के वालपराई में उसका घर है। सैफुल घर के बाहर खेल रहा था, तभी चाय की बागान से तेंदुआ निकला और सैफुल को धर दबोचा। पलक झपकते ही तेंदुआ झाड़ियों के रास्ते भाग निकला। परिजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया और काफी देर की खोजबीन के बाद सैफुल का शव बागान के अंदर मिला। तेंदुए के हमले में सैफुल की मौत हो गई थी और उसके शरीर पर तेंदुए के पंजों के निशाना साफ देखे जा सकते थे।

नवजोत सिद्धू राजनीति में कब होंगे एक्टिव? पत्नी नवजोत कौर ने किया खुलासा

चंडीगढ़, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2027 में पंजाब विधानभा चुनाव होने हैं, जिसमें कांग्रेस नेता नवजोत सिद्ध की भूमिका को लेकर अभी से चर्चा होने लगी है। बिगड़ती कानून व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से चर्चा करने के बाद लोकभवन से बाहर निकलीं नवजोत कौर सिद्धू को मीडिया ने घेर लिया और नवजोत सिद्धू को लेकर सवाल पूछे। पत्रकारों ने पूछा कि नवजोत सिद्धू राजनीति में कब एक्टिव होंगे?

अंदरूनी कलह पर उठाए सवाल

पत्रकारों के सवाल के जवाब में नवजोत कौर ने दोटूक शब्दों में कहा कि जब कांग्रेस नवजोत सिद्धू को मुख्यमंत्री फेस घोषित कर देगी, वे राजनीति में एक्टिव हो जाएंगे, लेकिन पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी कलह पार्टी के साथ उनके मजबूत संबंधों के बावजूद ऐसा नहीं होने देगी। पहले से ही पंजाब कांग्रेस में 5 नेता मुख्यमंत्री पद के इच्छुक हैं, जो अगले चुनाव में दावेदारी भी ठोकेंगे और राहुल-प्रियंका के करीबी नवजोत सिद्धू को आगे नहीं आने देंगे।

नवजोत कौर ने क्या-क्या कहा?

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए नवजोत कौर ने कहा कि नवजोत सिद्धू में पंजाब की सूरत बदलने की क्षमता है, वे पंजाब के गोल्डन स्टेट बना सकते हैं, अगर उन्हें ऐसा करने की पावर मिल जाए तो वे उसका रिजल्ट देने की कैपेसिटी भी रखते हैं। वे पंजाब और पंजाबियत की बात करते हैं,

लेकिन पंजाब कांग्रेस की वर्तमान स्थिति में उनका आगे बढ़ना संभव नहीं है, लेकिन अगर मौका मिलेगा तो नवजोत सिद्धू अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगे। मीडिया ने पूछा कि नवजोत सिद्धू को अगर बीजेपी मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दे तो क्या वे बीजेपी जॉइन कर लेंगे? इसके जवाब में नवजोत कौर बोलीं कि उनकी तरफ से इस बारे वे कुछ नहीं कर सकतीं। बता दें कि पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिद्धू पिछले कई महीनों से राजनीति में एक्टिव नहीं हैं और उन्होंने पार्टी के किसी भी कार्यक्रम, मीटिंग और गतिविधि में हिस्सा नहीं लिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने प्रचार नहीं किया। वहीं नवजोत सिद्धू ने साल 2024 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कमेंट्री करके क्रिकेट वर्ल्ड में वापसी की।

अप्रैल 2025 में अपने अनुभव, क्रिकेट, कमेंट्री, लाइफ रुटीन के बारे में बात करने के लिए उन्होंने अपना नया यूट्यूब चैनल 'नवजोत सिद्धू ऑफिशियल' लॉन्च किया था। उस समय जब सिद्धू से सक्रिय राजनीति में लौटने के बारे में पूछा गया था तो उन्होंने कहा था कि वे राजनीति में आएंगे या नहीं,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जिंदगी आसान नहीं होती, इसे आसान बनानी पड़ती है, कुछ अंदाज से, कुछ नजर अंदाज से!

तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के लिए सभी तैयारियां पूरी, राज्यपाल आज करेंगे उद्घाटन

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में निवेश आकर्षित करने और युवाओं के लिए रोजगार अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भारत फ्यूचर सिटी में राज्य सरकार ने भव्य व्यवस्थाएं की हैं। 44 देशों से आए 154 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि तथा विश्व की प्रमुख कंपनियों के प्रबंधन दल इस समिट में भाग ले रहे हैं। अकेले अमेरिका से 46 कंपनी प्रतिनिधि पहुंचे हैं। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा आज दोपहर 1:30 बजे इस ग्लोबल समिट का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन सत्र में लगभग दो हजार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अतिथि शामिल होंगे। समिट में नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी, ट्रंप मीडिया-टेक्नोलॉजी ग्रुप के सीईओ एरिक स्वाइडर, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के सीईओ जेरेमी जर्गेन्स, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, बायोकॉन लिमिटेड की एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ सहित कई विशिष्ट हस्तियां विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त करेंगी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी आज दोपहर 2:30 बजे संबोधित करेंगे। वे तेलंगाना की सुशासन नीति, निवेश अवसर, सरकारी सहयोग, विजन 2047 और इंडियाज़ फ्यूचर सिटी के लक्ष्यों पर प्रकाश डालेंगे। दो दिनों में कुल 27 सत्र आयोजित होंगे, जिनके लिए विशेष सेमिनार हॉल तैयार किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू प्रतिनिधियों को तेलंगाना तथा हैदराबाद की विशेषताओं से परिचित कराने के लिए एयरपोर्ट से लेकर फ्यूचर सिटी तक विभिन्न स्थानों पर अत्याधुनिक तकनीक से तैयार प्रचार सामग्री लाइटिंग प्रोजेक्शन, 3 डी मैपिंग और एलईडी स्क्रीन प्रदर्शित की जाएगी। दिनभर की चर्चाओं के बाद प्रसिद्ध संगीत निर्देशक एम.एम. कीरवाणी का कॉन्सर्ट अतिथियों का मनोरंजन करेगा। साथ ही कोम्मू कोया, बंजारा, कोलाटम, गुशादी, ओग्गु डोलू, पेरिनी नृत्य और बोनालु जैसे तेलंगाना के लोकनृत्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुति भी होगी। उधर, राज्य पर्यटन विभाग ने विदेशी राजनयिकों के लिए नागार्जुन सागर के पास स्थित विश्व का सबसे बड़ा बौद्ध थीम पार्क बुद्धवनम की विशेष यात्रा का प्रबंध किया है। अतिथियों के लिए दो दिन तक हैदराबादी बिरयानी समेत तेलंगाना के खास व्यंजनों की व्यवस्था की गई है। साथ ही समिट प्रतिनिधियों को विशेष स्मृति उपहार भी प्रदान किया जाएगा, जिसमें तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट का लोगो, पोचमपल्ली इक्कत शॉल, चेरियल कला, हैदराबादी अत्तर, मोती के आभूषण और तेलंगाना के पारंपरिक व्यंजन-इप्पा पुव्वु लड्डू, सकिनालु, चेक्कालु, बादाम की जली, तिल के लड्डू और मक्के का पेला-का विशेष बास्केट शामिल होगा।

महेश बैंक डायरेक्टर्स के चुनाव में 36.16 प्रतिशत मतदान

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंचार्ज कलेक्टर मनु चौधरी ने बताया कि एपी महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक डायरेक्टर्स के चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में हुए।

रविवार को, कलेक्टर ने रेवेन्यू ऑफिसर ई. वेंकटचारी के साथ नामपल्ली एग्ज़िबिशन ग्राउंड में कमला नेहरू पॉलिटेक्निक और सरोजिनी नायुडू वनिता महाविद्यालय में हो रहे पोलिंग स्टेशनों का दौरा किया और पोलिंग के सुचारू रूप से होने का जायजा लिया। इस मौके पर, कलेक्टर ने पोलिंग बूथ पर ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों से पोलिंग प्रोसेस के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने चुनाव अधिकारियों को चुनाव नियमों के अनुसार सावधानी से काम करने और किसी भी गलती से बचने की सलाह दी।

कलेक्टर ने बताया कि हैदराबाद, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और दूसरे राज्यों में कुल 78 पोलिंग स्टेशनों पर वोटिंग हुई और करीब 36.16 परसेंट वोटिंग हुई।

कलेक्टर ने यह भी बताया कि कुल 78 सेंटर्स पर 37,142 वोटर्स में से 5,087 महिला वोटर्स और 8,342 पुरुष वोटर्स थे, यानी कुल 13,429 वोट पड़े। चुनावों के बैकग्राउंड में, एडिशनल डीसीपी आनंद, डीसीपी शिल्पवल्ली, एसीपी संजय कुमार और प्रवीण पुलिस अधिकारियों के साथ चुनाव पर पैनी नजर जमाए हुए थे ताकि किसी भी तरह की कोई गडबडी न हो सके। इस प्रोग्राम में हैदराबाद आरडीओ रामकृष्ण, लॉ ऑफिसर श्रीधर, डीसीओ प्रसन्ना, स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ज्योति, नामपल्ली तहसीलदार नईमुद्दीन, रेवेन्यू, पुलिस, डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर्स और अलग-अलग डिपार्टमेंट्स के स्टाफ ने हिस्सा लिया।

वोटिंग के दौरान फाउंडर पैनल की भगवती बल्दवा, कैलाश नारायण भांगडिया, आनंद सोनी, अरुण भांगडिया, भगवान पंसारी, श्याम सुंदर बियाणी, दिनेश कुमार करवा, गोपाल लाल बंग, कैलाश डालिया, नरसिंगदास तोष्णीवाल, राजेश कुमार मालपानी, वेणुगोपाल तोतला, विकास सोमानी, महिला वर्ग की रजनी राठी, तारा मालू ने वोटिंग में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

डीजीपी ने पीटीओ कैंपस में आधुनिक पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया

अम्बरपेट में नए भवन का शिलान्यास

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी, आईपीएस ने आज पुलिस ट्रांसपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (पीटीओ) कैंपस, हैदराबाद में आधुनिक खुदरा ईंधन केंद्र (फ्यूल आउटलेट) का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने एसएआर सीपीएल एम्बरपेट परिसर में नए पीटीओ भवन का शिलान्यास भी किया।

पुलिस कल्याण और गतिशीलता आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में ये दोनों पहल महत्वपूर्ण मील के पत्थर मानी जा रही हैं। एनएच-44 से सटे 2025 वर्ग मीटर क्षेत्र में स्थापित यह फ्यूल आउटलेट, आईजी पीटीओ डॉ. एम. रमेश, आईपीएस के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से निर्मित इस परियोजना का उद्देश्य सरकारी भूमि का सर्वोत्तम उपयोग करते हुए पुलिस कल्याण संसाधनों को बढ़ाना और आम यात्रियों को सुविधा प्रदान करना है। सभी स्वीकृतियां 30 दिनों में प्राप्त करने के बाद निर्माण कार्य मात्र चार माह में पूरा हुआ। 'टीजी पुलिस वेलफेयर सोसाइटी-पीटीओ फ्यूल आउटलेट' से बेहतर आमदनी और ज्यादा फुटफॉल की उम्मीद जताई जा रही है। इसी क्रम में, एम्बरपेट में डीजीपी ने 21 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले आधुनिक पीटीओ परिसर के निर्माण कार्य की औपचारिक शुरूआत की।

राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए 59 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। नया परिसर उन्नत वर्कशॉप, डायग्नोस्टिक सिस्टम, मेंटेनेंस ब्लॉक, परिचालन क्षेत्र और प्रशिक्षण अवसंरचना जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इससे पीटीओ की वर्तमान क्षमता लगभग चार गुना बढ़ जाएगी, अधिकतर मरम्मत कार्य इन-हाउस होने से सरकारी खर्च में कमी आएगी और पुलिस बेड़े की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित होगी। दोनों कार्यक्रमों में आईजी पीटीओ एवं एमडी, टीजीपीआईसीएस डॉ.एम. रमेश, हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, आईपीएस, एसपी पीटीओ राजेश तथा आईओसीएल के वरिष्ठ अधिकारी पीयूष मित्तल आदि उपस्थित रहे। इन पहलों से पुलिस कल्याण उपायों को नई गति मिलेगी, सेवा अवसंरचना मजबूत होगी और तेलंगाना पुलिस की गतिशीलता क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

जयपुर और चेन्नूर मंडलों में चावल मिलों की जांच

आदिलाबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति विभाग की सतर्कता शाखा के अधिकारियों ने शुक्रवार और शनिवार को आदिलाबाद जिले के जयपुर और चेन्नूर मंडलों में कई चावल मिलों के रिकॉर्ड का निरीक्षण किया। डीएसपी स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में टीम ने जयपुर मंडल के टेकुमतला, इंदरम, कुंदरम, मद्दुलापल्ली तथा चेन्नूर मडल के कई स्थानों पर कस्टम राइस मिलिंग और किसानों से धान खरीदने की अनुमति प्राप्त मिलों की जांच की।

अधिकारियों ने खरीदे गए धान, मिलिंग किए गए चावल और बारीक व मोटे चावल के स्टॉक का रिकॉर्ड मिलान किया। जयपुर मंडल के एक खरीद केंद्र में हाल ही में अनियमितताएं उजागर होने के बाद ये निरीक्षण अहम माने जा रहे हैं। नवंबर में नरसिंहपुर और मद्दुलापल्ली के खरीद केंद्रों में रिकॉर्ड में हेराफेरी कर नागरिक आपूर्ति विभाग से करीब 1.39 करोड़ रुपये की हेराफेरी का मामला सामने आया था।

कांग्रेसी सांसद ने केंद्रीय बयानों की कड़ी आलोचना की

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भोनगिरी सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने आज केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए उनके बयानों को विरोधाभासी और तेलंगाना के प्रति गैर-जिम्मेदाराना करार दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार राज्य की ताकतों और संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने के लिए ग्लोबल समिट आयोजित कर रही है, जिसमें भारत और विदेशों से 3,000 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। यह समिट तेलंगाना को निवेश के आकर्षक गंतव्य के रूप में पेश कर रही है।

सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बड़े पैमाने पर निवेश लाने, युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका के अवसर सृजित करने के स्पष्ट उद्देश्य से इस समिट की शुरुआत की है। पिछले बीआरएस शासन की दस वर्षों की अव्यवस्था के बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सिस्टम को वापस पटरी पर लाया है। बीआरएस शासनकाल में कई गलतियां हुईं, लेकिन तब किशन रेड्डी खामोश रहे। अब वे भ्रामक रूप से दावा कर रहे हैं कि केंद्र ने तेलंगाना को 13 लाख करोड़ रुपये दिए। यदि केंद्र ने वास्तव में 13 लाख करोड़ रुपये दिए होते, तो राज्य पर 8 लाख करोड़ रुपये का कर्ज क्यों होता? सांसद ने सवाल किया। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्ववर्ती सरकार के कर्ज पर हर महीने लगभग 8,000 करोड़ रुपये ब्याज के रूप में चुकाने पड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि जब राज्य में भ्रष्टाचार और पारिवारिक शासन चरम पर था, तब किशन रेड्डी ने तेलंगाना के हितों की रक्षा क्यों नहीं की। यदि राज्य आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा था, तो किशन रेड्डी ने केंद्र की शक्तियों का उपयोग करके तेलंगाना की सुरक्षा क्यों नहीं की?

सांसद ने याद दिलाया कि किशन रेड्डी को तेलंगाना की जनता के वोटों से ही सांसद और केंद्रीय मंत्री बनने का अवसर मिला, लेकिन अब वे गलत आंकड़े पेश कर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सड़कों के चौराहों पर माइक पर बनाई हुई संख्याएँ चिल्लाने के बजाय उन्हें यह बताना चाहिए कि किस विभाग को 13 लाख करोड़ रुपये दिए गए और कब दिए गए।

सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी बीते दो वर्षों से मेट्रो फेज-2, मूसी नदी पुनर्जीवन, आरआरआर और नए हवाई अड्डों के लिए मंजूरी हासिल करने हेतु प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों से लगातार मिलते रहे हैं। उन्होंने सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट को अचानक तेलंगाना से आंध्र प्रदेश स्थानांतरित किए जाने की कड़ी निंदा की। तेलंगाना को इसका स्पष्टीकरण चाहिए। क्या केंद्र ने यह परियोजना 18वीं लोकसभा में चंद्रबाबू नायुडू को खुश करने के लिए वहां भेजी? रेड्डी ने कहा कि वित्तीय चुनौतियों के बावजूद तेलंगाना सरकार छहों गारंटियों को ईमानदारी से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पूछा कि क्या किसी भाजपा-शासित राज्य में मुफ्त फाइन राइस, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा या 2 लाख रुपये तक की ऋण माफी दी जाती है? किशन रेड्डी को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वे जहां तेलंगाना की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं भाजपा नेता नकारात्मकता फैलाने में लगे हैं। हम जहां 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश आकर्षित करने के लिए तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट का आयोजन कर रहे हैं, वहीं किशन रेड्डी जैसे भाजपा नेता भ्रामक अभियान चला रहे हैं। उनके प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव भी विकास का समर्थन करने के बजाय इंदिरा पार्क में धरना दे रहे हैं। सांसद ने कहा कि जब तेलंगाना के लिए अच्छा हो रहा है तो भाजपा नेता जलन से जल रहे हैं, लेकिन जनता सब कुछ देख रही है। उन्होंने किशन रेड्डी से अपील की कि वे प्रगति में बाधा डालने के बजाय तेलंगाना के विकास के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करें। उन्होंने पूछा कि यदि केंद्र ने वास्तव में तेलंगाना को 13 लाख करोड़ रुपये दिए होते, तो जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की जमानत क्यों जब्त हुई और पार्टी तीसरे स्थान पर क्यों रही? यदि भाजपा तेलंगाना के लिए अच्छा कर रही है, तो जनता ने आपको क्यों नकारा? कैंटोनमेंट उपचुनाव में भी भाजपा क्यों हारी? अंत में उन्होंने किशन रेड्डी और केंद्रीय मंत्री बंडी संजय से ग्लोबल समिट में शामिल होकर प्रतिनिधियों में विश्वास जगाने की अपील की।

उप-महापौर ने बोडुप्पल-मेडिपल्ली क्षेत्र की समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी में नगरपालिकाओं के विलय की प्रक्रिया के बीच, बोडुप्पल-मेडिपल्ली क्षेत्र के बालाजी नगर वेलफेयर एसोसिएशन फेज-2 के प्रतिनिधियों ने ग्रेटर हैदराबाद की उप-महापौर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी और टीटीयूसी राज्य अध्यक्ष मोथे शोभन रेड्डी को एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कॉलोनी में लंबे समय से लंबित कई नागरिक समस्याओं को रेखांकित किया, जिनमें ड्रेनेज जाम, बॉक्स ड्रेन निर्माण में देरी और आंतरिक सड़कों की दयनीय स्थिति शामिल है। यह बैठक उप महापौर के तार्नाका स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित हुई। उप-महापौर ने कहा कि बालाजी नगर फेज-2 के लोगों की आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को हल करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग अधिकारियों को तुरंत निर्देश जारी किए जाएंगे कि वे ड्रेनेज की सफाई शुरू करें, बॉक्स ड्रेन कार्यों को पूरा करें और आंतरिक सड़कों की मरम्मत जल्द से जल्द शुरू करें। उन्होंने आगे कहा कि जीएचएमसी विलय के बाद प्रशासनिक बदलावों के लागू होने के साथ कॉलोनियों में सभी लंबित कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनका कार्यालय जनता की शिकायतों के समाधान के लिए पारदर्शी और समयबद्ध कार्यवाही के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में बालाजी नगर वेलफेयर एसोसिएशन फेज-2 के अध्यक्ष मुरली चौधरी, महेश, स्वरूप गौड़, राकेश रेड्डी, शेखर गौड़, राजू और श्रीधर रेड्डी सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

केंद्र ने एससीसीएल की ऊर्जा और खनिज परियोजनाओं के लिए नामों को मंजूरी दी

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरिज़ कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के व्यवसाय विस्तार और हरित ऊर्जा एवं महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों में प्रवेश के हिस्से के रूप में कंपनी ने दो नई सहायक कंपनियों की स्थापना के लिए नाम आरक्षित कर लिए हैं। भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तावित सौर ऊर्जा एवं अन्य नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों के संचालन के लिए एक सहायक कंपनी का नाम सिंगरेणी ग्रीन एनर्जी कंपनी लिमिटेड आरक्षित किया गया है। इसी प्रकार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिजों, रेयर अर्थ एलिमेंट्स और अन्य खनिजों के खनन कार्यों के लिए दूसरी सहायक कंपनी का नाम सिंगरेणी ग्लोबल लिमिटेड आरक्षित किया गया है। इन दोनों कंपनियों के नामों के लिए पिछले महीने कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के अधीन रजिस्ट्रार ऑफ़ कंपनीज़ को आवेदन प्रस्तुत किया गया था। हाल ही में विभागीय अधिकारियों ने पत्र के माध्यम से बताया कि इन नामों के आरक्षण को मंजूरी दे दी गई है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के निर्देशन में तथा कंपनी के चेयरमैन एन. बलाराम की विशेष पहल से इन सहायक कंपनियों के नाम आरक्षण की प्रक्रिया पूरी हुई है। इस बीच, केंद्र सरकार के कोयला मंत्रालय ने भी इन दो नई सिंगरेणी सहायक कंपनियों की स्थापना पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कोयला मंत्रालय के अवर सचिव प्रदीप राज नयन ने सिंगरेणी कंपनी को भेजे पत्र में कहा कि मंत्रालय इन कंपनियों की स्थापना को स्वीकार करता है और सुझाव दिया कि ये कंपनियां लाभकारी रूप से व्यवसाय संचालित करें। कुल मिलाकर यह माना जा रहा है कि 13 दशकों से सिंगरेणी कोलियरिज़ कंपनी लिमिटेड के नाम से संचालित हो रही कंपनी अब दो नई सहायक कंपनियों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार कर रही है, जो तेलंगाना राज्य के लिए गौरव की बात है।

नौकरी परीक्षा असफलता के बाद महिला ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार में आयोजित नौकरी चयन परीक्षा में असफल होने के बाद अब्दुल्लापुरमेट में 28 वर्षीय मेनका कुमारी ने शनिवार शाम आत्महत्या कर ली। मेनका कुमारी, जो पश्चिमी चंपारण जिले की मूल निवासी हैं, हाल ही में एसडीएम की परीक्षा में बैठी थीं। पुलिस ने बताया कि परीक्षा पास न होने के बाद वह अवसाद में थीं। उन्होंने घर में छत से रस्सी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मीरपेट में सड़क हादसे में पैदल यात्री की मौत

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को मीरपेट के मंडमल्लम्मा चौराहे पर सड़क पार करते समय एक पैदल यात्री की मौत हो गई। पीड़ित पी. लखुपति (65), बालापुर निवासी और नलगोंडा जिले के मूल निवासी, सड़क पार कर रहे थे, तभी एक तेज़ रफ़्तार तेल टैंकर ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया और तेल टैंकर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंचेरियल के जंगलों में बाघों की आवाजाही बढ़ी, वन अधिकारी सतर्क

मंचेरियल, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के जंगलों में बाघों की अभूतपूर्व आवाजाही ने वन अधिकारियों को खुश कर दिया है, लेकिन कर्मचारियों की सुरक्षा के मद्देनज़र जंगल में प्रवेश के समय में बदलाव किया गया है। जिले के जंगलों में हाल के वर्षों में महाराष्ट्र से चार बाघों का प्रवास हुआ है, जबकि दो बाघिनें पहले से ही इस क्षेत्र में निवास कर रही हैं। वन अधिकारियों ने बताया कि अब कर्मचारियों को सुबह 8 बजे के बाद ही जंगल में प्रवेश करने की सलाह दी गई है, जबकि पहले सुबह 6 बजे तक वे बाघों की गतिविधियों पर नज़र रखने और राष्ट्रीय पशु के लिए सुगम मार्ग सुनिश्चित करने के लिए जंगल में जाते थे। शाम 6 बजे के बाद भी अधिकारी जंगल छोड़ देते हैं, ताकि मुठभेड़ों और संभावित हमलों से बचा जा सके। स्थानीय बाघ शिकार की तलाश में लगभग हर दिन जंगलों में सक्रिय रहते हैं। लक्सेटीपेट रेंज में रहने वाली मादा बाघ एल1 शांत स्वभाव की है, जबकि मुथ्यमपेट और तिरयानी रेंज में रहने वाली बाघिन टी1 आक्रामक है और नियमित अंतराल पर मवेशियों को मार रही है। वन अधिकारियों के अनुसार, मादा बाघें सर्दी प्रजनन मौसम के कारण नर बाघों को आकर्षित करने के लिए लगातार दहाड़ रही हैं। हालांकि प्रवासी नर बाघ, मार्ग में राजमार्ग और रेल पटरियों जैसी बाधाओं के कारण स्थानीय बाघों के क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर रहे हैं।

शादी समारोह में पिस्टल लोड करते समय अचानक चली गोली, हर्ष फायरिंग में बाल-बाल बचे गेस्ट

नोएडा, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में हर साल हर्ष फायरिंग की वजह से तमाम लोग अपनी जान गंवा देते हैं। इसके बावजूद भी समारोहों में होने वाली हर्ष फायरिंग पर पूरी तरह बंदिश नहीं लगाई जा सकी है। ताजा मामला नोएडा का है। यहां एक शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग की जा रही थी, इसी दौरान एक बड़ी घटना होते-होते बची। मामला नोएडा सेक्टर 93 बारात घर का बताया जा रहा है। दरअसल नोएडा में हर्ष फायरिंग के मामले नहीं रुक रहे हैं। यहां शादी समारोह में पिस्टल को लोड करते समय अचानक गोली चल गई।

इस दौरान बड़ा हादसा होने से बच गया। शादी में दबंग का खुलेआम गोली चलाते हुए वीडियो भी वायरल हुआ है। अचानक गोली चलने से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस वायरल वीडियो की जांच में जुटी है। वायरल वीडियो फेस 2 थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है।

जनप्रतिनिधियों की ली बैठक

अलीगढ़-मुजफ्फरनगर में 'फर्जी वोट' को लेकर सीएम योगी ने जताई चिंता

अलीगढ़, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ पहुंच चुके हैं। वह आगरा से एएमयू स्थित हेलीपैड पर उतरे। यहां से वह कार द्वारा कलेक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्ट्रेट के सभागार में पहुंचते ही जय श्रीराम के नारे लगे। जनप्रतिनिधियों ने पहले पुष्प गुच्छ देकर सीएम योगी का स्वागत किया। यहां अलीगढ़ मंडल के चारों जिलों अलीगढ़, हाथरस, एटा और कासगंज के जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक ली। बैठक में सरकारी योजनाओं की समीक्षा, एसआईआर की प्रगति, जिला पंचायत चुनाव के संबंध में चर्चा के साथ अधिकारियों की कार्यशैली पर जनप्रतिनिधियों से फीडबैक ली। बैठक में किसी भी सरकारी अधिकारी को शामिल होने की इजाजत नहीं थी। जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करने के बाद सीएम योगी पुनः एएमयू हेलीपैड पहुंचे। वहां हेलीकॉप्टर से छेरत स्थित प्रिंस पैलेस में बरौली विधायक ठाकुर जयवीर सिंह के कार्यक्रम में पहुंच गए। वहां जयवीर सिंह के पुत्र का तिलक समारोह है।

यूपी योगी आदित्यनाथ ने 7 दिसंबर को अलीगढ़ में हुई मंडलीय समीक्षा बैठक में मतदाता सूची की सटीकता और तैयारी पर गंभीर चिंता व्यक्त की और जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक फर्जी वोट अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर जिलों में हैं। उन्होंने इन दोनों जिलों में मतदाता सूची तैयार करने के दौरान विशेष सावधानी बरतने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

विपक्षी दलों की तैयारी पर सतर्कता का निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची के निरीक्षण में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने विपक्षी पार्टियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि वे लोग 100 फीसदी क्षमता के साथ बेहद खामोशी से मतदाता सूची तैयार करने के काम में लगे हुए हैं। इसको देखते हुए आप लोगों को बेहद गंभीरता से काम करने की ज़रूरत है। शादी हो तब भी काम में लगे रहें।

'बच्चे का मुंह दबाया फिर खेत की और भागा'

बहराइच में भेड़िए का बढ़ता आतंक, घर से उठा ले गया 4 महीने का मासूम

बहराइच, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के कैसरगंज इलाके में भेड़िए का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार सुबह गोड़हिया नंबर-3 स्थित मल्लाहन पुरवा में एक बार फिर दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। गांव के संतोष नामक व्यक्ति के घर में घुसकर भेड़िया उनके चार महीने के बेटे सुभाष को उठा ले गया। घटना तब हुई जब मासूम घर में ही सो रहा था।

पिता संतोष के अनुसार भेड़िया अचानक अंदर दाखिल हुआ और बच्चे को मुंह में दबाकर खेतों की ओर भाग गया। परिवार के लोगों ने शोर मचाया, लेकिन तब तक भेड़िया दूर निकल चुका था। मासूम की तलाश पूरी रात जारी रही, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। इससे पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल है और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

छठी बार मां बनने वाली है सीमा हैदर खुद बताया कि कितने महीने की प्रेग्नेंट

नोएडा, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर एक बार सुर्खियों में है। पिछले साल मार्च में सीमा हैदर और सचिन मीणा के पहले बच्चे का जन्म हुआ था, जिसका नाम उन्होंने मीरा रखा था। अब सीमा एक बार फिर प्रेग्नेंट है और सीमा-सचिन के घर पर फिर से किलकारी गूंजने वाली है। इसी साल फरवरी में सीमा सचिन के दूसरे बच्चे की मां बनने वाली है। सीमा ने खुद वीडियो जारी कर अपनी प्रेगनेंसी कंफर्म की है। सीमा ने ये भी बताया कि वह 7 महीने की प्रेग्नेंट है। सीमा पाकिस्तान से अपने चार बच्चों के साथ भारत आई थी और उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा के रहने वाले सचिन मीणा से शादी रचाई थी। अब वह छठी बार मां बनने वाली है। सीमा ने बताया कि वह फरवरी में बच्चे को जन्म देगी। सीमा हैदर की प्रेगनेंसी को लेकर काफी समय से चर्चा हो रही थी। ऐसे में उसने वीडियो जारी करते हुए सभी को बता दिया कि वह 7 महीने की प्रेग्नेंट है।

वीडियो में दी प्रेगनेंसी की जानकारी

सीमा हैदर ने अपने यूट्यूब चैनल सीमा-सचिन पर शनिवार को एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें दोनों ने सीमा की प्रेगनेंसी की जानकारी दी। वीडियो में सीमा ने कहा कि मुझे 7वां महीना चल रहा है। मैंने अभी तक यूट्यूब पर नहीं बताया था, लेकिन जिस तरह से चीजें चल रही हैं, सभी को पता है। भगवान ने हमें दोबारा खुशी दी तो हमने स्वीकार कर ली।

ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग व टास्किंग फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश... दो गिरफ्तार , लाखों की नकदी बरामद

बाराबंकी, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। साइबर क्राइम थाना, साइबर सेल और थाना देवा की संयुक्त टीम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का उपयोग कर ब्लैकमेलिंग व ऑनलाइन टास्किंग फ्रॉड करने वाले शातिर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 3 लाख 60 हजार रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राजन सिंह निवासी मोहल्ला कचेहरान कटरा, थाना देवा और अनूप कुमार निवासी अड़ौरा, थाना देवा के रूप में हुई है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने रविवार दोपहर पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह खुलासा किया।

बताया कि गिरफ्तार आरोपी एक संगठित गिरोह का हिस्सा हैं, जो टेलीग्राम और व्हाट्सएप के जरिए अश्लील वीडियो भेजकर लोगों को ब्लैकमेल करते थे। साथ ही वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन टास्क और निवेश पर कई गुना रिटर्न का झांसा देकर आमजन से ठगी करते थे। आरोपी पीड़ितों को स्कैनर, या फर्जी अकाउंट भेजकर रुपए ट्रांसफर कराते थे। राजन सिंह ने अपने पिता का नाम बदलकर एयरटेल पेमेंट बैंक का फर्जी खाता भी खोला था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने गुजरात और उड़ीसा के दो लोगों से साइबर ठगी की है।

गुजरात के पीड़ित ने हेल्पलाइन नंबर 1930 के जरिए शिकायत भी दर्ज कराई है। पुलिस इनके फरार साथियों यशराज सिंह व सिद्धार्थ तिवारी की तलाश में दबिश दे रही है और गिरोह के बैंक खातों व अन्य सदस्यों की गतिविधियों की जांच कर रही है। बाराबंकी पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अज्ञात नंबरों से आने वाले संदेशों, अश्लील वीडियो कॉल या घर बैठे नौकरी और पैसे दोगुना करने वाले किसी भी प्रलोभन से सावधान रहें।

कलयुगी मां ने नवजात को बेचा

मुजफ्फरपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक कलयुगी मां ने अस्पताल की एक आशा कार्यकर्ता के साथ मिलकर अपने नवजात बेटे का 1.60 लाख रुपये में सौदा कर दिया। मामला पारू थाना क्षेत्र का है। नवजात की बरामदगी के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, पारू प्रखंड के एक गांव की महिला ने प्रसव के कुछ ही घंटों बाद अपने मासूम बेटे को बेच दिया। इस सौदे में अस्पताल की आशा कार्यकर्ता ने बिचौलिया की भूमिका निभाई और शहर में रहने वाले एक परिवार से 1.60 लाख रुपये में सौदा तय कराया। इसमें से 1 लाख रुपये मां को दिए गए, जबकि 60 हजार रुपये आशा कार्यकर्ता ने अपने पास रख लिए। मामला तब खुला जब महिला बिना बच्चे के घर लौटी। उसके ससुर को शक हुआ और उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ पारू थाने पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी दी।

अब भोजपुरी सिंगर ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

बेल रिजेक्ट होने के बाद लिया फैसला

प्रयागराज, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद भोजपुरी गायिका और यूट्यूबर नेहा सिंह राठौर की कानूनी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

याचिका खारिज होने के बाद राठौर ने राहत के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख करने का फैसला किया है। गायिका ने कहा, 'अदालत का फैसला मेरे लिए सर्वोपरि है।

मैं इसका सम्मान करती हूं। जाहिर है कि हम राहत के लिए सर्वोच्च न्यायालय जाएंगे। मैं अपने अधिकारों के लिए सर्वोच्च न्यायालय जाऊंगी।' राठौर ने कहा कि वह पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'पुलिस ने अभी तक मुझे कोई नोटिस नहीं दिया है।

वे हर जगह छापेमारी करने की बात कर रहे हैं। लेकिन वे मुझे फोन कर सकते हैं, और मैं उन्हें अपनी लोकेशन बता दूंगी। या जरूरत पड़ने पर मैं सीधे उनके पास जा सकती हूं।' राठौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणियों और पहलगाम घटना से संबंधित टिप्पणियों से जुड़ी कई शिकायतें हैं।

हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। राठौर द्वारा अप्रैल में की गई टिप्पणियों को लेकर इस साल की शुरुआत में लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इसी तरह के आरोपों के लिए उन पर उत्तर प्रदेश भर में कई एफआईआर दर्ज की गई हैं। मौजूदा मामला अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बारे में राठौर की टिप्पणियों से जुड़ा है। 23 अप्रैल को एक एक्स पोस्ट में, उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार जाति और धर्म के आधार पर राजनीति कर रही है।

पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ा है मामला

एएनआई को दिए एक पूर्व साक्षात्कार में उन्होंने अपनी टिप्पणियों का बचाव किया और कहा कि उनके शब्दों का गलत अर्थ निकाला गया। उन्होंने कहा कि उनका इरादा हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था के बारे में प्रधानमंत्री से सवाल करना था। गायिका ने यह भी कहा कि ये टिप्पणियां किसी गीत का हिस्सा नहीं थीं, बल्कि पर्यटकों की सुरक्षा चिंताओं के बारे में एक सीधा आह्वान थीं। पहलगाम आतंकी हमला 22 अप्रैल को हुआ था और इसमें एक नेपाली नागरिक सहित 26 लोग मारे गए थे। राठौर के खिलाफ शिकायत में कहा गया था कि उनकी पोस्ट जाति-आधारित नफरत और राष्ट्र-विरोधी विचार फैला सकती हैं। यह मामला कवि अभय प्रताप सिंह, उर्फ अभय सिंह, ने हजरतगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज कराया था।

सैन्यकर्मी को हनीट्रैप में फंसाया, बंधक बनाकर पीटा

पुलिस को शक- खुफिया जानकारी के लिए बिछाया गया जाल

लखनऊ, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के आगरा के सैन्यकर्मी केशव देव को हनीट्रैप में फंसाकर 8.69 लाख ऐंठने के मामले में लखनऊ की पीजीआई पुलिस विभिन्न पहलुओं पर तफ्तीश कर रही है। पुलिस इस दिशा में भी काम कर रही है कि कहीं ठगों ने सेना से जुड़ी खुफिया जानकारी हासिल करने के लिए तो नहीं जाल बिछाया था। वहीं, क्राइम ब्रांच भी मामले की जांच कर रही है।

आगरा के शमशाबाद रोड निवासी केशव देव 509 आर्मी बेस वर्कशॉप में तैनात हैं। तीन माह पहले टेलीग्राम के जरिये उनका संपर्क नैंसी शर्मा से हुआ था। 26 नवंबर को वह नैंसी के बुलाने पर उससे मिलने पीजीआई के तेलीबाग गए थे। वहां उसने तीन साथियों के साथ मिलकर उन्हें बंधक बनाकर पीटा था। 8.69 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए थे। उनसे कीमती सामान भी ले लिया था। आरोपियों ने उनका निर्वस्त्र वीडियो भी बना लिया था। इसके जरिये आरोपी उन्हें ब्लैकमेल कर 40 लाख रुपये की मांग कर रहे थे।

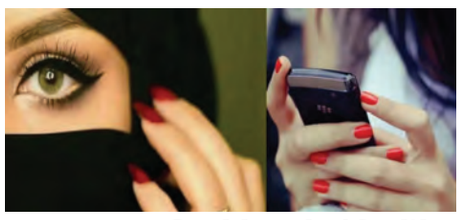

विभागीय आईडी की तस्वीर लेने पर घूम रही शक की सुई

पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपियों ने केशव के आधार कार्ड के साथ ही उनके विभागीय आईकार्ड की भी तस्वीर खींच ली थी। ऐसे में पुलिस की शक की सुई खुफिया जानकारी हासिल करने के पहलू की ओर घूम गई है। पुलिस इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों ने आखिर आईडी कार्ड की फोटो क्यों खिंची।

पुलिस ने केशव से मांगी ठगों के खातों की जानकारी

इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित अभी तक आरोपियों के खातों की जानकारी पुलिस को नहीं दे सके हैं। वहीं जिन, नंबरों से आरोपियों ने पीड़ित से संपर्क किया था वे भी स्विच ऑफ हैं। केशव तेलीबाग में जहां आरोपियों से मिले थे वहां और उसके आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जा रही हैं। क्राइम ब्रांच को भी आरोपियों के बारे कुछ अहम जानकारियां मिली हैं।

यूपी में भीषण हादसा

बस-कार की सीधी भिड़ंत मां-बेटे सहित तीन की मौत, तीन की हालत नाजुक

शादी से जा रहे थे घर

गोंडा, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के गोंडा में वजीरगंज के अनभुला गांव के पास गोंडा-अयोध्या हाईवे पर बस और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि, कार सवार तीन लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजा। आगे की कार्रवाई की जा रही है। शहर के आवास विकास कॉलोनी निवासी नितिन गोयल की चार दिसंबर को शादी थी। इसमें शामिल होने रिश्तेदार बेंगलुरु से आए थे। रविवार की सुबह नितिन कार से रिश्तेदारों को अयोध्या एयरपोर्ट छोड़ने जा रहे थे। अनभुला गांव के पास अयोध्या से गोंडा की तरफ आ रही उत्तराखंड परिवहन निगम की बस से कार की आमने-सामने टक्कर हो गई।

'मुद्दे नहीं बचे, इसलिए मदरसे-मस्जिदों में कैमरे की मांग', इसहाक गोरा का अरुण गोविल पर हमला

मेरठ, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद अरुण गोविल द्वारा मस्जिदों और मदरसों में सीसीटीवी लगाने की मांग पर देवबंदी क्लेरिक कारी इसहाक गोरा ने कड़ा सवाल उठाया है। यह बयान मेरठ में आया जहां गोविल ने सुरक्षा के आधार पर कैमरे लगाने की बात कही थी। मामला इसलिए अहम है क्योंकि इसे धार्मिक स्थलों पर भेदभाव वाले नजरिये से भी देखा जा रहा है। वहीं कारी इसहाक गोरा ने इस मांग को पूरी तरह भटकाने वाला करार दे दिया है। उन्होंने कहा कि अरुण गोविल किसी भी तरह की मांग कर सकते हैं, लेकिन इसका जवाब पहले यह दिया जाए कि कैमरे सिर्फ मस्जिदों और मदरसों में ही क्यों लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि अगर सुरक्षा ही मुद्दा है तो फिर मंदिरों में भी कैमरे लगाए जाने चाहिए। गोरा ने तंज करते हुए कहा कि गोविल के मन में मुस्लिम समाज को लेकर कुछ खल रहा है तो वह साफ तौर पर अपनी मंशा बताएं।

मुद्दे खत्म हो गए हैं, इसलिए कैमरे का मुद्दा उठाया- इसहाक गोरा

देवबंदी क्लेरिक ने आरोप लगाया कि अरुण गोविल के पास अब कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह बिना वजह ऐसे बयान दे रहे हैं। पीटीआई को दिए बयान में उन्होंने कहा कि अगर सांसद को मुद्दों की कमी है तो हम उन्हें विकास से जुड़े मुद्दे याद दिला सकते हैं। उन्होंने रोजगार संकट, सड़कों की खराब हालत और शिक्षा व्यवस्था जैसे गंभीर मामलों को असली मुद्दा बताया।

सिर्फ सुरक्षा का सवाल- अरुण गोविल

गौरतलब है कि मेरठ के सांसद और अभिनेता से नेता बने अरुण गोविल ने हाल ही में कहा था कि जब मक्का और मदीना में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा सकते हैं तो भारत की मस्जिदों और मदरसों में क्यों नहीं लगाए जा सकते। उन्होंने दावा किया कि यह केवल सुरक्षा से जुड़ा सवाल है और इसमें किसी तरह का भेदभाव शामिल नहीं है। हालांकि, क्लेरिक के सवालों और आरोपों के बाद मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया है।

निजी संपत्ति मामलों में अदालत का हस्तक्षेप से इनकार

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज की जनहित याचिका

प्रयागराज, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज जिले की बारा तहसील के शंकरगढ़ में राम जानकी मंदिर परिसर में कथित अवैध निर्माण रोकने के अनुरोध वाली एक जनहित याचिका में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने इस जनहित याचिका में हस्तक्षेप करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि अदालत निजी और गैर सरकारी संपत्ति के मामले में दखल नहीं दे सकती। इस जनहित याचिका में याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का भी अनुरोध किया था। दरअसल, शंकरगढ़ के सदर बाजार में स्थित राम जानकी मंदिर करीब 200 साल पुराना है और नगर पंचायत के राजस्व रिकॉर्ड के मुताबिक, यह मंदिर राजा महेन्द्र प्रताप सिंह की निजी संपत्ति पर स्थित है।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने खारिज की याचिका

घनश्याम प्रसाद केसरवानी नाम के व्यक्ति द्वारा दायर जनहित याचिका खारिज करते हुए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने कहा, "एक निजी संपत्ति/गैर सरकारी संपत्ति के मामले में राज्य सरकार को निर्देश देने के अनुरोध के उद्देश्य से दाखिल जनहित याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता। इसलिए यह याचिका खारिज की जाती है।"

याचिकाकर्ता कहीं से भी यह साबित नहीं कर सका कि उक्त संपत्ति एक सरकारी संपत्ति है। हालांकि, अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता कानून के मुताबिक उचित कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र है। इस जनहित याचिका में प्रदेश के प्रमुख सचिव (धर्मार्थ कार्य विभाग), प्रयागराज मंडल के आयुक्त, जिला मजिस्ट्रेट, बारा तहसील के एसडीएम, शंकरगढ़ नगर पंचायत के कार्यकारी अधिकारी और राजा महेन्द्र प्रताप सिंह को प्रतिवादी बनाया गया था।

तेज प्रताप यादव ने लाखों का बकाया बिजली बिल चुका दिया, पर विभाग की 'उदारता' पर खड़ा हो रहा सवाल

पटना, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। तेज प्रताप यादव ने आखिरी बार 20 जुलाई 2022 में बिजली बिल भरा था; उसके बाद तीन वर्ष तक बिल का भुगतान नहीं हुआ था, बावजूद इसके उनका कनेक्शन चालू रहा। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मासिक खपत औसतन 500 यूनिट रही होगी, लेकिन जमा न होने वाले बिलों, बढ़ते ब्याज और अन्य शुल्कों के बावजूद कनेक्शन न काटे जाने के कारण कुल बकाया राशि 3.5 लाख से ऊपर पहुंच गई थी। सामान्य नियमों के अनुसार अगर किसी उपभोक्ता का बकाया 25,000 रुपये से अधिक हो जाता है तो कनेक्शन काट देना चाहिए, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में अब बिल चुका दिये जाने के बाद भी इस पूरे मामले ने राज्य बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बिल जमा, लेकिन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

बकाया जमा कर देने के बाद बिजली विभाग ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने किसी के लिए छूट नहीं दी है; सिर्फ कंज्यूमर-आईडी देखते हैं।फिर भी इस लापरवाही मैं सवाल ये उठ रहे हैं कि क्या वीआईपी या राजनीतिक हस्तियों के लिए नियमों में नरमी बरती जाती है? कई घरों में स्मार्ट मीटर लगे हैं - जहां रिचार्ज नहीं होने पर बिजली स्वतः कट जाती है, लेकिन तेज प्रताप के घर पर अभी भी पोस्टपेड कनेक्शन था। अधिकारियों ने अब सभी शाखाओं को निर्देश दिया है कि पुराने बकाएदारों की वसूली को तात्कालिक रूप से पूरा किया जाए।इस बीच विभाग ने कहा है कि अब सभी इंजीनियरों, कार्यपालक अभियंताओं व कनीय अभियंताओं को नोटिस भेजा गया है कि वे हर पुराने बकाएदार की रिकवरी सुनिश्चित करें। इसके लिए भर्ती-आधारित कर्मचारी जुटाए जा रहे हैं।

आम आदमी को होती है दिक्कत- पर नेता बकाया भूल जाते हैं!

इस मामले ने आम उपभोक्ताओं और विभागीय नियमों के पालन के बीच असमानता की तस्वीर उजागर कर दी है। जहां साधारण घरों को एक-दो महीने बिल न चुकाने पर कनेक्शन कट जाना आम है, वहीं एक बड़े नेता का तीन साल का बकाया हो जाने के बाद भी कनेक्शन चलता रहा। मुख्यमंत्री चुनाव के समय बिजली-रियायत या मुफ्त बिजली योजनाओं की चर्चा होती रहती है, लेकिन ऐसे बिल मामलों से यह भी सवाल पैदा हो जाता है कि नियम सबके लिए समान हैं या नहीं।

'हिंदू और सनातन संस्कृति का नेहरू परिवार ने किया अपमान', बीजेपी नेता दिलीप जायसवाल का आरोप

पटना, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार बीजेपी अध्यक्ष और मंत्री दिलीप जायसवाल ने कई मुद्दों पर विपक्ष और निलंबित टीएमसी नेता हुमायूं कबीर पर तीखा प्रहार किया। बाबरी मस्जिद के शिलान्यास से लेकर इंडिगो फ्लाइट विवाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयान पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि देश के माहौल को बिगाड़ने का अधिकार किसी को नहीं है। जायसवाल ने एएनआई से बातचीत में कहा कि भारत एक आस्था का देश है, जहां मंदिर हो या मस्जिद दोनों का निर्माण किसी भी समुदाय का अधिकार है।

लेकिन कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक दल धार्मिक मुद्दों का इस्तेमाल कर देश का माहौल खराब करें, यह कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने हुमायूं कबीर के हालिया बयान को सोची-समझी उकसावे की राजनीति बताया और कहा कि ऐसे लोग भारत की गंगा-जमुनी तहजीब को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। बिहार बीजेपी अध्यक्ष और मंत्री दिलीप जायसवाल ने आगे कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस और नेहरू परिवार ने शासन किया है, लेकिन इस दौरान हिंदू और सनातन संस्कृति का कई बार अपमान हुआ है। जायसवाल ने कहा कि देश अब यह सब सहन नहीं करेगा। लोगों की सोच बदल चुकी है और आज भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करता है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी के आरोपों को भी उन्होंने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग सिर्फ मतदाता सूची का 'शुद्धीकरण' कर रहा है, जो उसकी जिम्मेदारी है। जायसवाल ने कहा कि जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जिनके नाम दो जगह दर्ज हैं, उन्हें हटाना स्वाभाविक है।

लेकिन विपक्ष अपने राजनीतिक अस्तित्व के डर से इसे मुद्दा बना रहा है। असल में उन्हें फोबिया हो गया है कि सही मतदाता सूची बनने पर उनकी स्थिति कमजोर हो जाएगी। इंडिगो फ्लाइट में पायलटों की कमी के कारण उड़ान संचालन में आई बाधा पर भी उन्होंने कंपनी को नसीहत दी। जायसवाल ने कहा कि इंडिगो को अपने पायलटों की ड्यूटी और आराम का पूरा ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर पायलट ही थके रहेंगे तो हादसे का खतरा बढ़ जाएगा।

आने वाले चुनाव में हिमाचल में भाजपा की सरकार बनाने की तैयारी शुरू कर दें : शांता कुमार

पालमपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने कल विधान सभा के बाहिर एक अत्यन्त प्रभावशाली प्रदर्शन करके पूरे प्रदेश को एक बड़ा सन्देश दिया है। हिमाचल की वर्तमान कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर बुरी तरह विफल रही है। बरसात के कारण उजड़े हुए लोगों को फिर से बसाने की कोई सार्थक योजना दिखाई नही दे रही है।

उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का और भी अधिक दुख होता है कि पूरे भारत में भारतीय जनता पार्टी सबसे आगे है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक विकास हो रहा हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी का कोई विकल्प नही है और न ही मोदी का कोई विकल्प है। विष्व के 193 देशों के प्रधानमनत्रियों में सबसे अधिक लोक प्रिय प्रधानमंत्री हमारे देश के नरेन्द्र मोदी है। शांता कुमार ने धर्मशाला में विद्यार्थी परिषद के प्रदर्शन पर लाठी चार्ज की कड़ी निंदा की। शांता कुमार ने कहा कि ऐसी स्थिति में छोटे से हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की असफल और कमजोर सरकार होना एक बहुत बड़ा दुर्भाग्य है। 4 तारीख के धर्मशाला के विशाल भाजपा प्रदर्शन के लिए मैं प्रदेश भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता व नेताओं को बधाई देता हूं और आग्रह करता हूं कि आने वाले चुनाव में हिमाचल में भाजपा की सरकार बनाने की तैयारी शुरू कर दें।

हवाई में हुआ दुनिया का सबसे भयानक कीलाउआ ज्वालामुखी विस्फोट

400 मीटर ऊंचे उठे लावा-राख

होनोलूलू, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। (हवाई): अमेरिका के हवाई द्वीप समूह में स्थित विश्व के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में शुमार कीलाउआ फिर से जाग उठा है। इससे आग और लावा-राख की लपटें 400 मीटर यानी 1300 फीट की ऊंचाई तक उठती देखी जा रही हैं। ज्वालामुखी विस्फोट का ऐसा वीडियो देखकर रूह कांप उठेगी। वैज्ञानिकों के अनुसार यह पिछले कई दशकों में दुनिया में हुआ सबसे भयंकर ज्वालामुखीय विस्फोट है।

आज तड़के शुरू हुआ भयानक विस्फोट

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने रविवार तड़के घोषणा की कि कीलाउआ के हलमाउमाउ क्रेटर में भयानक विस्फोट शुरू हो गया है और इस बार का दृश्य बेहद दुर्लभ है। क्रेटर के अंदर एकसमान लगभग 3 लावा फव्वारे उछल रहे हैं, जिनमें से हरेक की ऊंचाई लगभग 400 मीटर (1,300 फीट) तक पहुंच रही है। यूएसजीएस के वैज्ञानिकों के अनुसार, इतनी ऊंचाई तक तीन समानांतर लावा फव्वारे एक साथ फूटना कीलाउआ के इतिहास में भी बहुत कम देखा गया है।

पूरा आसमान हुआ लाल

बताया जा रहा है कि विस्फोट रात करीब 11:45 बजे (स्थानीय समय) शुरू हुआ। कुछ ही मिनटों में लावा फव्वारे आसमान को लाल कर देते हैं और रात के अंधेरे में यह नजारा दूर से भी साफ दिखाई दे रहा है। अभी तक लावा केवल क्रेटर के अंदर ही सीमित है और हवाई वोल्केनोज नेशनल पार्क के बाहर किसी इलाके को खतरा नहीं है। पार्क का वह हिस्सा पहले ही बंद कर दिया गया है।

हवाई में असाधारण घटना

यूएसजीएस हवाई वोल्केनो ऑब्जर्वेटरी के प्रमुख वैज्ञानिक केन होन ने कहा, "यह एक असाधारण घटना है। तीन फव्वारे एकदम समान ऊंचाई और तालमेल में फूट रहे हैं – ऐसा दृश्य पिछले कई दशकों में नहीं देखा गया। यह कीलाउआ की शक्ति और सुंदरता दोनों का प्रमाण है।" अभी तक किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। आसपास के इलाकों में हल्की राख गिरने की संभावना जताई गई है, इसलिए स्थानीय लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। कीलाउआ पिछले कुछ सालों से लगातार सक्रिय रहा है।

कांग्रेस नेता की कार से 105 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त तीन आरोपी गिरफ्तार

डिण्डौरी, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के डिण्डौरी में पुलिस ने कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला महामंत्री अश्विनी मानिकपुरी की नेम प्लेट लगी कार से 105 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद जिले का राजनीतिक माहौल अचानक गर्म हो गया है। कोतवाली पुलिस को बुधवार देर रात संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एक वाहन को रोका, जिसमें "अश्विनी मानिकपुरी, जिला महामंत्री—पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ कांग्रेस" की नेम प्लेट लगी हुई थी। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस को विभिन्न ब्रांड की 105 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब मिली। पुलिस ने मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें से एक की पहचान कांग्रेस नेता अश्विनी मानिकपुरी के रूप में हुई है।

पीटीआई ने की सेना की टिप्पणियों की निंदा, कहा- इमरान खान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा नहीं

इस्लामाबाद, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने सेना के प्रवक्ता की पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ टिप्पणियों की आलोचना की और कहा कि इमरान खान 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं।' पार्टी ने हाल ही में संविधान संशोधनों के बाद कमजोर होती लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर भी चेतावनी दी। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक अहमद शरीफ चौधरी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि इमरान खान 'सेना-विरोधी' रुख अपना रहे हैं और उनकी बयानबाजी राजनीति से आगे बढ़कर 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा' बन गई है।

पीटीआई के महासचिव सलमान अकरम राजा ने इस आरोप पर कहा, पाकिस्तान के लोगों को दूर मत भगाइए, वे इमरान खान और पीटीआई के साथ हैं। इमरान खान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं। उन्होंने लोगों को एकजुट रखा। राजा ने कहा कि

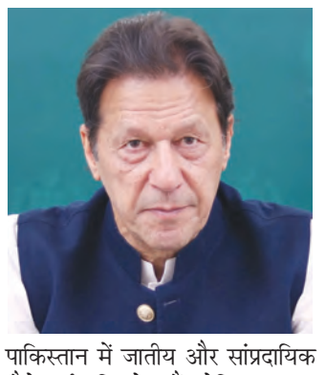

पाकिस्तान में जातीय और सांप्रदायिक जैसे कई दृष्टिकोण हैं, लेकिन इमरान ने सभी को ठुकराकर पाकिस्तान की विचारधारा के साथ खड़े रहने का विकल्प चुना। उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा में चुनी हुई सरकार को कमजोर करने की कोशिशों के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने आईएसपीआर की प्रेस कॉन्फ्रेंस को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया और कहा कि पीटीआई अपने संस्थापक के खिलाफ लगाए गए आरोपों का जवाब नहीं देगी। उन्होंने कहा, 'आज हमें बताया जा रहा है कि देश के सबसे लोकप्रिय नेता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं, जो कि हास्यास्पद है।' राजा ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने के प्रयासों का इतिहास पाकिस्तान में कई बार देखा गया है। उन्होंने कहा कि सैन्य शासन कभी भी समृद्धि नहीं ला सका और लोकतंत्र, कानून और संविधान के खिलाफ कथित तर्क हमेशा गलत साबित हुए। पीटीआई के अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली ने भी आईएसपीआर की टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि यह लोकतंत्र के लिए 'दुर्भाग्यपूर्ण' है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा माहौल बदलना चाहिए, वरना नुकसान केवल इमरान खान का नहीं बल्कि सभी का होगा। गोहर ने कहा कि पीटीआई हमेशा लोकतंत्र, शांति और कानून के शासन के पक्ष में रही है और इमरान हमेशा कहते रहे हैं कि पाकिस्तान और उसकी सेना जनता की हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मौजूदा हालात जारी रहे तो लोकतंत्र को सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा।

बंगाल में 'बाबरी मस्जिद': हुमायूं पर कांग्रेस सांसद का बयान, कहा- 'नफरत फैलाने की कोशीश सरकार कार्रवाई करे'

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बेलडांगा में निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर को लेकर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का बयान सामने आया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पूरे देश में नफरत का माहौल बनाने का तरीका है। पश्चिम बंगाल सरकार को इस पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि हुमायूं कबीर 2019 में भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ चुका है। मैं चाहूंगा कि पश्चिम बंगाल सरकार इस पर कड़ी कार्रवाई करे। मस्जिद बनाई जा सकती है, लेकिन मस्जिदों के नाम पर राजनीतिक खेल खेलना गलत है। बाबर हमारे पूर्वज नहीं थे।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ने हाल ही में कहा था कि हम उखाड़ कर फेंक देंगे, ऐसे बयान माहौल खराब करते हैं। बाबर हमारा कोई बुजुर्ग नहीं था, वह एक बादशाह था और चला गया। मैं हमेशा जोड़ने की बात करता हूं, तोड़ने की नहीं। मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने की कोशिश की जा रही है, ऐसा काम नहीं होना चाहिए।

दमोह में तीन स्कूली छात्राएं रहस्यमय ढंग से लापता, टीचर का फोन आया तो अभिभावकों के उड़े होश, मचा हड़कंप

जबलपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह शहर में सरदार पटेल हाई स्कूल की तीन नाबालिग छात्राएं रहस्यमय ढंग से लापता हो गईं। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। शनिवार को तीनों छात्राएं घर से स्कूल जाने की बात कहकर निकली थीं, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचीं और शाम तक घर भी नहीं लौटीं। देर रात परिजनों ने कोतवाली पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

सूत्रों के मुताबिक, जब छात्राएं स्कूल नहीं पहुंचीं तो शिक्षकों ने एक छात्रा के घर फोन कर इसकी जानकारी दी। यह सुनकर अभिभावकों के होश उड़ गए, क्योंकि छात्रा का भाई स्वयं उसे स्कूल छोड़कर गया था। जब परिवार स्कूल पहुंचा, तो पता चला कि उसकी बहन के साथ दो अन्य छात्राएं भी स्कूल नहीं आई थीं। परिजनों ने सोचा कि शायद छुट्टी के बाद वे लौट आएंगी, लेकिन देर शाम तक छात्राएं घर नहीं पहुंचीं तो परिजन चिंतित हो उठे और उनकी खोजबीन शुरू की। एक छात्रा समन्ना गांव की रहने वाली है, जबकि दो छात्राएं दमोह शहर के आसपास रहती हैं।

गुमशुदगी की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस सक्रिय हुई। सीएसपी एचआर पांडे और टीआई मनीष कुमार ने शहर के कई हिस्सों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। रेलवे स्टेशन पर भी फुटेज खंगाले गए और प्लेटफार्म की जांच की गई, लेकिन छात्राओं का कोई सुराग नहीं मिला।

स्कूल की प्राचार्य सुलक्षणा हजारी के अनुसार, तीनों छात्राएं पिछले दो दिनों से स्कूल नहीं आ रही थीं। भी जब वे नहीं पहुंचीं तो परिजनों को सूचित किया गया। लेकिन इसकी जानकारी घर पर पहले से नहीं दी गई थी कि छात्राएं लगातार स्कूल गायब कर रही थीं। पुलिस ने तीनों छात्राओं की गुमशुदगी दर्ज कर ली है और लगातार परिजनों के संपर्क में रहते हुए उनकी तलाश में जुटी है।

आशा-उषा संगठन की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं एमपी की नर्मदा ठाकरे,16 दिसंबर को जंतर-मंतर पर होगा प्रदर्शन

भोपाल, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में हुई राष्ट्रीय स्तर की बैठक में मध्यप्रदेश की आशा-उषा महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष नर्मदा ठाकरे को संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। सभी राज्यों की प्रतिनिधि आशा-उषा पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से उनके नाम पर मुहर लगाई। नर्मदा ठाकरे जिला पांढुरना (मध्यप्रदेश) से हैं और वह अब देशभर की करीब 10 लाख आशा-उषा सहयोगिनी बहनों का राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करेंगी।

देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित बैठक में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान सहित कई राज्यों की आशा-उषा संगठन की प्रदेश अध्यक्ष और पदाधिकारी मौजूद रहीं। बैठक के दौरान आशा-उषा कर्मियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसके बाद सर्वसम्मति से नर्मदा ठाकरे को राष्ट्रीय

अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि शीतकालीन संसद सत्र के दौरान आशा-उषा बहनों की लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर 16 दिसंबर 2025 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। मुख्य मांगों में सम्मानजनक मानदेय तय करना, नियमितीकरण और अन्य सुविधाएं शामिल हैं।

इस प्रदर्शन में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों से बड़ी संख्या में आशा-उषा बहनों के शामिल होने की संभावना है। राष्ट्रीय बैठक में संगठन के अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई। पदाधिकारियों ने भरोसा जताया कि नर्मदा ठाकरे के नेतृत्व में आशा-उषा महिलाओं की आवाज और मजबूती से केंद्र सरकार तक पहुंचेगी। नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नर्मदा ठाकरे ने कहा कि आशा-उषा कार्यकर्ता स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन आज भी उन्हें सम्मानजनक मानदेय और सुरक्षित भविष्य नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि 16 दिसंबर का प्रदर्शन बहनों के अधिकारों की दिशा में निर्णायक कदम साबित होगा।

दिन भर मोबाइल चलाती थी बहू, ससुर-जेठ ने छीना तो हो गई नाराज, कर लिया सुसाइड

शहडोल, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। और सोशल मीडिया की लत अब लोगों की जान पर बन आई है। इसके चलते लोग अपनी जान को खतरे में डाल रहे हैं। कई तो मोबाइल न होने या फिर उसे चलाने से रोकने पर अपनी जान तक दे दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मध्य प्रदेश के शहडोल जिले से सामने आया है, जहां परिवार के द्वारा मोबाइल जाने पर बहू ने अपनी जान दे दी। उसका शव एक कुएं में उतराता हुआ मिला। इस बात से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। शहडोल जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के करुआ गांव में एक विवाहिता(28) ने मोबाइल छिनने से आहत आत्महत्या कर ली। दरअसल, मृतक बेबी का पति चेतन साहू पूना में गार्ड का नौकरी करता है। बीते दिनों बेबी ने अपने पति को फोन करके बताया था कि ससुर और जेठ उससे विवाद करते हैं। इस पर चेतन ने कहा था कि ठीक हैं, मैं आकर उन्हें समझाता हूं। 16 नवबंर को चेतन पूना से अपने घर लौटा आया। उसने देखा कि घर में उसकी पत्नी कही नहीं है। उसने काफी देर तक बेबी को खोजने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद उसने पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई। दो दिन बाद महिला का शव एक कुएं में उतराता हुआ मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और फिर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। जांच के दौरान मृतका के मायके वालों ने बताया कि बेबी के चरित्र पर शक कर उसके ससुर और जेठ लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे।

सीएम ने किया पटना डेयरी प्रोजेक्ट का निरीक्षण, दुग्ध समितियों और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के दिए निर्देश

पटना, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना डेयरी प्रोजेक्ट, सुधा फुलवारीशरीफ का निरीक्षण किया। इस बीच अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रोडक्शन हॉल, आइसक्रीम प्लांट, दही कोल्ड रूम सहित विभिन्न यूनिटों का जायजा लिया व उत्पादों की गुणवत्ता एवं क्षमता से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त की। बाद में कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित समीक्षा बैठक में कॉम्फेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक ने कॉम्फेड की वर्तमान कार्यप्रणाली, आगामी पांच वर्षों की योजना, दुग्ध समितियों, प्रोक्यूरमेंट सिस्टम, इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार और नए उत्पादों के लॉन्च से जुड़े बिंदुओं की प्रस्तुति दी। सीएम ने बताया कि राज्य में 21 हजार से अधिक ग्राम स्तरीय दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं, जिनसे 7.5 लाख पशुपालक जुड़े हैं, जिनमें लगभग 25% महिलाएं शामिल हैं। ये समितियां प्रतिदिन औसतन 22 लाख किलोग्राम और अधिकतम 30 लाख किलोग्राम दूध का संकलन करती हैं। कॉम्फेड की वर्तमान प्रसंस्करण क्षमता 54 लाख लीटर प्रतिदिन है और इसे और बढ़ाने की योजना है।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2008 से लागू कृषि रोड मैप ने कृषि व इससे जुड़ी गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार किया है। इसकी बदौलत राज्य में दूध उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि डेयरी की उत्पादन इकाइयों, प्रोक्यूरमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर और दुग्ध समितियों का विस्तार तेज किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग जुड़ें, उनकी आमदनी बढ़े और रोजगार के नए अवसर तैयार हों। सीएम ने कहा कि कर्मचारियों के लिए आवास व्यवस्था विकसित करने की भी आवश्यकता बताई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों और पशुपालकों की समृद्धि के लिए सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। सुधा ब्रांड के नए उत्पाद बाजार में उपलब्ध कराए जा रहे हैं और यह ब्रांड पूरे देश में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

वर्ष 1983 में ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम के तहत गठित कॉम्फेड वर्तमान में राज्य के 31 जिलों में 8 दुग्ध संघों के माध्यम से कार्यरत है। 37 हजार से अधिक खुदरा विक्रय केंद्रों और 914 होल-डे-मिल्क बूथ के माध्यम से सुधा दूध और दुग्ध उत्पाद राज्य के लगभग हर प्रखंड व नगर निकाय तक उपलब्ध हैं।

राजनीतिक दबाव में हुई आजम खान पर कार्रवाई? रिटायर्ड अधिकारी ने बताया पूरा सच

रामपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। रामपुर की जेल में सजा काट रहे पूर्व मंत्री और सपा नेता आजम खान पर दर्ज हुए मुकदमों के बारे में रिटायर्ड हो चुके रामपुर के तत्कालीन एडीएम सिटी जगदम्बा प्रसाद गुप्ता ने बताया, आजम खान पर 2019 से पहले भी लगभग 44 मुकदमे दर्ज थे लेकिन जब 2019 में जौहर यूनिवर्सिटी की तरफ जाने वाले स्टेट हाइवे पर मानकों के विपरीत कम ऊंचाई में बने उर्दू गेट को प्रशासन ने तोड़ा तो आजम खान नाराज हो गये।

रिटायर्ड अधिकारी के मुताबिक, इसके बाद आजम खान ने अधिकारियों पर जुबानी हमले शुरू कर दिए थे जिसके बाद प्रशासन के पास शिकायते आती रही और आजम खान और उनके परिवार पर मुकदमे दर्ज होते रहे। जे पी गुप्ता का कहना है कि आजम खान पर कार्रवाई शुरू होने पर उनकी और उनके घर परिवार की रेकी शुरू हो गयी थी, जिस वजह से उन्हें पुलिस की अतिरिक्त सुरक्षा मुहैय्या कराई गयी थी। जे पी गुप्ता ने बताया कि उन्हें शासन से साफ निर्देश

थे की जो भी शिकायतें जनसुनवाई में आयें उनका गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण किया जाये। उन्होंने बताया कि आजम खान पर कार्रवाई करने को लेकर उन पर किसी तरह का कोई राजनीतिक या गैर राजनितिक दबाव नहीं था। उस समय खतरे को देखते हुए हमारी सुरक्षा बढ़ा दी गयी थी।

'तथ्यों के आधार पर की गई कार्रवाई'

रिटायर्ड हो चुके जगदंबा प्रसाद गुप्ता ने बताया कि आजम खान पर कार्रवाई करने में उन्होंने अपने कर्तव्य का पालन किया है चाहे शत्रु संपत्ति का मामला हो, या आलिया मदरसे की किताबो का मामला हो या फिर यतीम खाने और किसानो की जमीनों का मामला हो, सभी मामलो में जांच की गई और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की गई है।

'सिर्फ आजम खान पर नहीं, गलत काम करने वालों पर हुई कार्रवाई'

उन्होंने बताया कि सपा सरकार में जिन अधिकारियों ने कानून की अनदेखी की थी और गलत कार्य किए थे, उन पर भी कार्रवाई हुई है, ऐसा नहीं है की सिर्फ कार्रवाई आजम खान पर हुई है। जौहर यूनिवर्सिटी में भूमि के कुछ मामले मेरे न्यायालय में भी चले और हमने सरकारी भूमि को सरकार के कब्जे में लेने के आदेश दिए लेकिन बाद में आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से स्टे मिल गया जिस वजह से वह भूमि आज भी आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी के कब्जे में चल रही है। सेवानिवृत्त अधिकारी ने कहा, सरकार या शासन की मंशा आजम खान की यूनिवर्सिटी को बंद कराना नहीं था। इसलिए आज भी आजम खान की यूनिवर्सिटी संचालित है।आजम खान के रामपुर पब्लिक स्कूल के बंद होने पर उन्होंने कहा कि रामपुर में पहले भी कई स्कूल बंद हुए थे तो क्या माना जाये उन्हें खुलवाने की कोशिश क्यूं नहीं की गई। जब शिकायत मिली तो हमने कब्जे को मुक्त कराया।

उन्होंने कहा कि आजम खान पर कार्रवाई के पीछे शिक्षा को लेकर कोई बात नहीं थी चाहे जौहर यूनिवर्सिटी की बात हो या फिर रामपुर पब्लिक स्कूल की बात हो, जौहर यूनिवर्सिटी में 8 हजार 800 लाख रुपये शासकीय धन लगा हुआ है। कहा जाता है कि यूनिवर्सिटी में रिक्शा वालों ने चंदा दिया है तो आज तक उसका हिसाब क्यों नहीं दिया गया की किस रिक्शे वाले ने कितना चंदा दिया है। रिटायर्ड अधिकारी के मुताबिक, यूनिवर्सिटी में 13 हेक्टेयर शत्रु संपत्ति है, 05 हेक्टेयर नदी की भूमि है, इसके अलावा अनुसुचित जाति के लोगो से खरीदी हुई जमीन है, जबकि 157 की परमिशन होनी चाहिए थी, 5 से 7 एकड़ रेत की जमीन है जिस पर लगभग 2200 खैर के पेड़ जिन्हें न काटे जाने की शर्त थी लेकिन इन्होने उन्हें नीलाम कर काट दिया और पर्यावरण को छति पहुंचाई।

'सबूतों के आधार पर की थी कार्रवाई'

उन्होंने आगे कहा कि हम लोगों ने साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की थी। उस समय जो जो अधिकारी तैनात थे और उनकी जो जिम्मेदारी थी उस पर भी हमने अपनी रिपोर्ट दी और नगर पालिका के अधिकारियों पर कार्रवाई भी हुई और उस समय के एक एसडीएम थे वह भी निलंबित हुए थे। तो कार्रवाई न सिर्फ आजम खान बल्कि अधिकारियो पर भी हुई है। रिटायर्ड अधिकारी के मुताबिक, हमने कोई गलत कार्य नहीं किया इसलिए कभी कोई तनाव नहीं हुआ। जब एक बार हमें सुरक्षा को लेकर खतरा महसूस हुआ तो हमने जिला अधिकारी को पत्र लिखा था और हमारी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। हम ने शिकायतों के आधार पर जांच की और रिपोर्ट जिला अधिकारी के माध्यम से शासन को भेजी जिसके बाद शासन स्तर से निर्णय लिए जाते थे और कार्रवाई होती थी।

'हम पर नहीं था किसी का दबाव'

उन्होंने यह भी कहा कि कई मामलो में आजम खान को सजा हो चुकी है और कई मामलो में वह बरी भी हुए हैं लेकिन यह सब न्यायलय का अपना फैसला है, इसलिए हमारे संतुष्ट या अन्संतुष्ट होने की कोई बात नहीं है, दोनों पक्ष अपना अपना पक्ष न्यायलय में रख भी रहे हैं। हमने अपनी ड्यूटी की और कर्तव्य निभाया है। हमारा उद्देश्य किसी के विरुद्ध जबरदस्ती कार्रवाई करने का नहीं था, न हम पर कहीं से कोई दबाव था।

भोपाल होटल कांडः जीएसटी डिप्टी कमिश्नर पंकज कुमार 6 साल बाद बर्खास्त, न्याय मिलने पर क्या बोली पीड़िता?

भोपाल, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने भोपाल के पॉश जहानुमा पैलेस होटल में हुई घटना के छह साल बाद सख्त कार्रवाई की है। नोएडा में तैनात रहीं एक महिला जीएसटी अधिकारी के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपी डिप्टी कमिश्नर (राज्य कर) पंकज कुमार को प्रदेश सरकार ने बुधवार को सेवा से बर्खास्त कर दिया। यह कार्रवाई विभागीय जांच समिति की 37 पेज की विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद की गई है।

रिपोर्ट में पंकज कुमार को सभी आरोपों में दोषी पाया गया है। दरअसल, अगस्त 2018 में नोएडा जीएसटी में तैनात महिला अधिकारी को डिप्टी कमिश्नर पंकज कुमार ने काम के बहाने भोपाल बुलाया। आरोप है कि 5 अगस्त 2018 की रात जहानुमा पैलेस होटल के कमरे में पंकज कुमार ने महिला अधिकारी के साथ गाली-गलौज की, मारपीट की और यौन उत्पीड़न करने की कोशिश की। पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए तुरंत भोपाल के कमलानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 8 दिसंबर - 2025

मुस्लिम महिला को मिला न्याय

पश्चिम बंगाल की तलाकशुदा रौशनआरा बेगम को आखिरकार वह न्याय मिला गया जिसकी वह हकदार थीं। इसके लिए उन्हें लगातार दो दशकों तक कानूनी लड़ाई लडनी पडी। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपनी शादी के समय मायके वालों द्वारा दिए गए उपहार, नकद राशि और सोना वापस पाने की हकदार है। यह फैसला न केवल रौशनआरा के व्यक्तिगत संघर्ष की जीत है, बल्कि सभी मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक निर्णय भी माना जा रहा है। लगभग 45 वर्ष की रौशनआरा की यह लड़ाई उनकी शादी के तुरंत बाद ही शुरू हो गई थी। साल 2005 में उनकी शादी हुई, लेकिन कुछ ही महीनों में कडवाहट भरा रिश्ता टूटने लगा। 2005 के अंत तक दहेज उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना और ससुराल से निकाले जाने जैसी घटनाएं आए दिन सामने आने लगीं। नौबत यहां तक आ पहुंची कि उन्हें वर्ष 2008 में मजबूरी में मायके लौट आना पडा। बात बिगडते-बिगडते यहां तक पहुंची कि 2011 में उनका तलाक हो गया। रौशनाआरा के पिता ने शादी में 7 लाख रुपये नकद और सोने के जेवर दिए थे, लेकिन तलाक के बाद भी उन्हें वह सब वापस नहीं लौटाया गया। रौशनाआरा भावुक होकर कहती हैं कि सात लाख रुपये हमारे जैसे परिवार के लिए बहुत बड़ी रकम थी। निचली अदालतों ने कई बार उनके पक्ष में फैसला दिया, लेकिन जनवरी 2024 में कलकत्ता हाईकोर्ट ने निर्णय को पलटते हुए कहा कि उन्हें उपहार में दिया गया नकद और सोना वापस पाने का कोई अधिकार नहीं है। इसके बाद रौशनाआरा ने सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर दस्तक दी। इन सालों में उन्होंने अपने जीवन को भी नए सिरे से संभालने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। वे आज एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में अध्यापिका हैं, दो बेटों की मां हैं और दोबारा शादी भी कर चुकी हैं। रौशनाआरा के वकील सैयद मेहंदी इमाम ने बताया कि यह केस व्यक्तिगत रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा था। अब तक इस बारे में कोई स्पष्ट फैसला नहीं था कि शादी में दुल्हन को दिए गए उपहार जो ससुराल वालों के पास रहते हैं, तलाक के बाद वापस किए जाने चाहिए या नहीं। इसे लेकर समाज के लोग भी अक्सर दुविधा में ही पाए जाते हैं। यह एक ग्रे एरिया था। इसलिए उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि इस पर एक फैसला दिया जाए, जो देश व महिलाओं के लिए नजीर बन सके। कुछ लोगों को आशंका थी कि यह मामला धार्मिक विवाद का रूप ले सकता है, क्योंकि मुस्लिम व्यक्तिगत कानून से जुड़ा हुआ मुद्दा था। लेकिन 2 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने समानता और महिलाओं की गरिमा को केंद्र में रखते हुए फैसला दिया। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाओं के वास्तविक अनुभवों और सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर कानून की व्याख्या की जानी चाहिए। इस निर्णय के बाद मुस्लिम समाज की महिलाओं में जागरूकता आना तय माना जा रहा है। अब जरूरत है इसके प्रचार और प्रसार की ताकि यह समाज के हर वर्ग तक आसानी से पहुंच सके।

जहाँ हैं, वहीं रहिए -एक आध्यात्मिक संदेश

डा. प्रदीप उपाध्याय

देश की एक प्रमुख एयरलाइन पर इन दिनों मनमानी के आरोप लग रहे हैं। यात्री शिकायत कर रहे हैं कि टिकट लेकर भी उड़ानें रद्द, समय पर पहुँचकर भी उड़ान गायब, और कभी-कभी तो यात्रियों से पहले उनका लगेज कहीं और टहलता हुआ मिलता है। लोग इसे अव्यवस्था, कुप्रबंधन, अत्याचार और भी न जाने क्या-क्या आरोप लगा रहे हैं। लेकिन भैया,सच पूछो तो यह सब मनमानी नहीं, एक गहन राष्ट्रव्यापी चरित्र–निर्माण अभियान है, जिसे एयरपोर्ट के भीतर और बाहर बैठे लोग समझ नहीं पा रहे हैं। वास्तव में,एयरलाइन हमें मितव्ययिता, त्याग और आत्म संयम का पाठ पढ़ाना चाहती है।

हम लोग वर्षों से अनावश्यक यात्रा, बेवजह घूमना-फिरना और अवांछित टिकट बुक कराना अपनी आदत बना चुके हैं। एयरलाइन यह सोचकर चिंतित हो उठी कि "अगर जनता इसी तरह बिना वजह घूमती-फिरती रही तो देश में स्थिरता कैसे आएगी? बस, उसी दिन से एयरलाइन ने तय कर लिया कि जो भी ज्यादा उछल-कूद करेगा, उसे वहीं रुकने का सबक सिखाया जाएगा। इसलिए, उड़ानें रद्द हुई हैं। देरी से चलेगी या नहीं चलेगी। वैसे भी वह देरी से चलती है तो कभी ग़लत जगह उतर भी जाती हैं, कभी यात्रियों को आधी यात्रा में त्रिशंकु बनाकर छोड़ जाती हैं!यह सब कोई तकनीकी समस्या नहीं,यह एक आध्यात्मिक परीक्षण है!एयरलाइन चाहती है कि हम समझें कि जीवन में हर योजना पूरी नहीं होती। उसी तरह हर यात्रा भी पूरी नहीं होती,कभी-कभी प्रतीक्षा ही परीक्षा होती है। अधूरी यात्रा के सबक जीवन का मधुर संदेश बनते हैं। बहरहाल,अब बात करते हैं वर्षांत और नए वर्ष के पावन अवसर पर उच्छृंखल हो जाने की। यह वह समय होता है जब अपने बड़े-बूढ़े को छोड़कर देश में अनावश्यक यात्रा और अनावश्यक धनव्यय का जो बुनियादी विस्फोट होता है, वह किसी भी आकाशीय पटाखे को मात दे देता है। कोई समुद्र में अठखेलियाँ करने निकल पड़ता है, कोई पहाड़ पर तो कोई बर्फ़, कोई होटल का बुफे, और कोई महज़ एयरपोर्ट की इंस्टाग्राम-योग्य सेल्फ़ी लेने के लिए शहर से बाहर निकल पड़ता है। संभवतः एयरलाइन ने इस बार गंभीरता से विचार किया और सोचा होगा कि न्यू ईयर मनाने के नाम पर होने वाला यह फिज़ूलखर्चा कौन रोकेगा?

सरकार नहीं रोक सकती, परिवार नहीं रोक सकता...तो चलो, हम ही राष्ट्र के आर्थिक हितों की रक्षा कर लें।इस बहाने... बस उड़ानें ही तो रद्द की हैं! किसी की होटल बुकिंग अपने-आप बच गई। किसी का नया साल समुद्र तट पर नहीं, घर की छत पर घर के बुज़ुर्गों के साथ मन जाएगा। टैक्सियां और रेस्टोरेंट जो रकम ऐंठते , वह भी बच जाएगी।और जहाँ सालभर लोग दूसरों का दिल "जलाने" लगे रहते , इस बार वे खुद घर में शीताग्नि के साथ बैठकर शांत मन से "सुलग" रहे होंगे!यह आत्मनिरीक्षण का सर्वोच्च रूप है। लगता है कि एयरलाइन का उद्देश्य स्पष्ट है जो यह बताना चाह रहा है "नया साल बाहर जाकर नहीं, अंदर ठहरकर मनाने की चीज़ है।"और अंदर ठहरने की जिम्मेदारी अब उसने ले ली है।यह भी कहा जा रहा है कि उड़ानें रद्द होने से यात्रियों की योजनाएँ खराब हो रहीं। लेकिन जनाब योजना खराब नहीं हुई, अनावश्यक व्यय बच गया।और यह भी कि जो पैसे आप नए वर्ष के स्वागत में फूँकने वाले थे, वह अब आपके जेब में सुरक्षित है और इस बचत का श्रेय स्वयं एयरलाइन और देश के शासन -प्रशासन को जाता है! अंत में हमें यह मान लेना चाहिए कि यह मनमानी नहीं है।यह आध्यात्मिक उन्नति का सुमार्ग है। यह हमारी वित्तीय, मानसिक और आध्यात्मिक उन्नति का एक संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम है। एयरलाइन कोई परिवहन सेवा नहीं, बल्कि संयम विकास केंद्र बन गया है,जिसका मुख्य उद्देश्य आपको उड़ाना नहीं, आपको रोककर मनन कराना हो गया है।और अब आने वाले नववर्ष की पूर्व संध्याओं पर ऐसा सफल अभियान चलाने के लिए हम सभी को एयरलाइन का आभार व्यक्त करना चाहिए।

बोधगया से विश्व चेतना तक बुद्ध का संदेश

योगेश कुमार गोयल

हर वर्ष 8 दिसंबर का दिन मानव सभ्यता के इतिहास में एक अनोखी आस्था, चिंतन और दिव्य अनुभूति का स्मरण कराता है। मानव मन की अनंत संभावनाओं, चेतना के जागरण और आत्मज्ञान की पराकाष्ठा का प्रतीक 'बोधि दिवस' वह दिन है, जब राजकुमार सिद्धार्थ गौतम ने करीब ढ़ाई हजार वर्ष पूर्व बोधगया में एक पवित्र वृक्ष के नीचे समाधिस्थ होकर उस सत्य की खोज की, जिसने न केवल उनके जीवन का अर्थ बदल दिया बल्कि संपूर्ण मानवता को एक ऐसा मार्ग दिया, जो आज भी शांति, करुणा, नैतिकता और आत्म-जागृति की दिशा में हमारा मार्गदर्शन कर रहा है। बोधि दिवस न केवल ज्ञान प्राप्ति का उत्सव है बल्कि मनुष्य को अपने भीतर छिपी अज्ञानता की परतों को हटाने और सत्य, धैर्य और चिंतन के माध्यम से अपने अस्तित्व को पहचानने का उद्घोष है।

गौतम बुद्ध का जीवन इस बात का जीवंत उदाहरण है कि वास्तविक परिवर्तन बाहरी संसार में नहीं, हमारे भीतर जन्म लेता है। सिद्धार्थ गौतम का जन्म लुंबिनी में राजघराने में हुआ था। वे राजकुमार थे, सुविधाओं से घिरे हुए थे लेकिन उनके भीतर प्रश्नों का एक अथाह समुद्र उठता रहता था। जीवन क्या है? दुख क्या है? मृत्यु क्यों होती है? मनुष्य दुख से मुक्ति कैसे पा सकता है? यही जिज्ञासा उन्हें सत्य की खोज में प्रेरित करती रही। एक दिन उन्होंने अपने राजमहल की दीवारों से परे संसार को देखा, दर्द, बीमारियां, वृद्धावस्था और मृत्यु का सत्य। यह दृश्य उनके अंतर्मन को हिला गया। उन्हें समझ आया कि वैभव और ऐश्वर्य जीवन के मूल प्रश्नों का उत्तर नहीं दे सकते। तब उन्होंने वह निर्णय लिया, जिसने इतिहास की दिशा बदल दी। उन्होंने सुख, ऐश्वर्य और राजसी जीवन का त्याग कर दिया।

29 वर्ष की आयु में गौतम बुद्ध के त्याग की शुरुआत हुई। यह त्याग बाहरी वस्तुओं का नहीं, अहंकार, भ्रम, इच्छा और मोह का त्याग था। वर्षों की तपस्या, ध्यान, एकांत और निरंतर आत्मनिरीक्षण के बाद वे बिहार के बोधगया पहुंचे। यहीं उन्होंने उस वृक्ष के नीचे ध्यानमग्न होकर संकल्प लिया कि जब तक जीवन का परम सत्य ज्ञात न हो जाए, वे उठेंगे नहीं। यह साधना केवल किसी रहस्यवाद की यात्रा नहीं थी बल्कि आत्मा, मन, कर्म, विचार और चेतना को समझने की वैज्ञानिक प्रक्रिया थी। लंबी साधना के बाद जिस क्षण सिद्धार्थ गौतम को सत्य का बोध हुआ, उसी क्षण वे 'बुद्ध' बन गए अर्थात जागृत पुरुष, वह व्यक्ति जिसने जीवन के मूल तत्व को समझ लिया। बौद्ध परंपरा में यह दिन इसी ज्ञान, इसी जागृति और इसी आत्मबोध का उत्सव है, जो याद दिलाता है कि मनुष्य के भीतर जन्म से ही संभावनाओं का एक संपूर्ण ब्रह्माण्ड विद्यमान है, जिसे सही अभ्यास, चिंतन और सद्कर्मों द्वारा जागृत किया जा सकता है। यही बोधि दिवस का संदेश है कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा हो, ज्ञान की एक किरण सम्पूर्ण जीवन को आलोकित कर सकती है।

बुद्ध का मार्ग किसी बाहरी ईश्वर की शरण में जाने का मार्ग नहीं, अपने भीतर के देवत्व को पहचानने का मार्ग है। उनके अनुसार मनुष्य की वास्तविक शक्ति उसके विचारों में है। 'अपने विचारों के साथ हम दुनिया बनाते हैं' बुद्ध का यह कथन इस बात को स्पष्ट करता है कि हमारी वास्तविक लड़ाई बाहरी संसार से नहीं बल्कि अपने ही मन से है। यदि मन अनुशासित, शांत और स्पष्ट है तो संसार की कोई भी शक्ति हमें विचलित नहीं कर सकती। बुद्ध ने बार-बार कहा था कि यदि सत्य की अनुभूति को जीवन में नहीं उतारा गया तो वह ज्ञान केवल शब्दों का संग्रह भर है। उन्होंने स्पष्ट कहा, 'आप चाहे कितने भी पवित्र शब्द पढ़ें, चाहे कितने भी बोलें, यदि आप उन पर अमल नहीं करेंगे तो उनसे आपको क्या लाभ होगा?'

बुद्ध का अष्टांगिक मार्ग यही बताता है कि साधना केवल ध्यान तक सीमित नहीं, जीवन के प्रत्येक कर्म में है। सही दृष्टिकोण, सही इरादा, सत्य भाषण, सही आचरण, सही आजीविका, सही प्रयास, सही सचेतनता और सम्यक समाधि, ये आठ बातें मनुष्य को उसकी सीमाओं से परे ले जाती हैं। इन सिद्धांतों में कहीं भी किसी चमत्कार की अपेक्षा नहीं, यह मनोविज्ञान, तर्क, व्यवहार और विवेक का समन्वय है। बुद्ध ने कहा था, 'किसी भी बात पर विश्वास मत करो, चाहे आपने इसे कहां पढ़ा हो या किसने कहा हो या फिर मैंने कहा हो या नहीं, जब तक कि यह आपकी अपनी बुद्धि और आपके अपने सामान्य ज्ञान से मेल न खाता हो।' यह कथन दुनिया को अंधविश्वास के बजाय तर्क और आत्मानुभूति की दिशा में आगे बढ़ाता है। बोधि दिवस यह संदेश देता है कि जीवन का असली स्वरूप परिवर्तनशील है, कुछ भी स्थायी नहीं। जो इसे समझ लेता है, वही दुख से मुक्त हो जाता है। बुद्ध कहते हैं, 'दुख की जड़ आसक्ति है।' मनुष्य जब वस्तुओं, व्यक्तियों या विचारों से चिपक जाता है, तब दुख जन्म लेता है। मुक्ति बाहरी संसार में नहीं बल्कि इस चिपकाव से मुक्ति में है। इसी के कारण बुद्ध ने मध्यम मार्ग का सिद्धांत दिया, न अति ऐश्वर्य, न अति तपस्या बल्कि संतुलन, स्पष्टता और संयम का मार्ग।

आज संसार युद्धों, तनावों, प्रदूषण, अतिशय उपभोग और मानसिक अशांति से जूझ रहा है। मनुष्य विकास की दौड़ में आगे बढ़ता जा रहा है लेकिन मन का संतुलन खोता जा रहा है। ऐसे समय में बुद्ध की शिक्षाएं केवल आध्यात्मिक सिद्धांत नहीं, मानव अस्तित्व की सुरक्षा का मार्गदर्शक प्रकाश हैं। बुद्ध का यह कथन 'शांति भीतर से आती है, इसे बाहर मत ढूंढो' आज भी उतना ही सत्य है, जितना ढ़ाई हजार वर्ष पूर्व था। बोधि दिवस का महत्व इस बात में है कि यह व्यक्तिगत विकास को सामूहिक कल्याण से जोड़ता है।

जो व्यक्ति स्वयं जागृत होता है, वह दूसरों के लिए भी प्रेरणा का दीपक बनता है। 'यदि आप किसी के लिए दीपक जलाते हैं तो यह आपका मार्ग भी रोशन करेगा।' बुद्ध की यह शिक्षा बताती है कि करुणा, सहानुभूति और सेवा केवल दूसरों के लिए नहीं बल्कि स्वयं के आंतरिक उत्कर्ष के लिए आवश्यक हैं।

बुद्ध कहते हैं 'स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है और वफादारी सबसे अच्छा रिश्ता है।' इस कथन में आज की पूरी मानव सभ्यता के लिए मार्गदर्शन छिपा है, जो अधिक पाने के मोह में अक्सर स्वयं को खो बैठती है। बोधि दिवस समूची मानव जाति को यही संदेश देता है कि मनुष्य जन्म से बुद्ध नहीं होता लेकिन प्रयत्न से बुद्धत्व प्राप्त कर सकता है। बुद्ध ने कभी स्वयं को भगवान नहीं कहा, वे केवल यह कहते रहे, 'मैं जाग गया हूं, तुम भी जाग सकते हो।' उनका जीवन यह प्रमाण है कि यदि प्रश्न जीवित हैं, जिज्ञासा प्रबल है और सत्य की खोज ईमानदार है तो ज्ञान अवश्य मिलता है।

संसद में वंदे मातरम पर चर्चा के मायने

डॉ. चक्रपाल सिंह

राष्ट्रगीत का दर्जा/सम्मान प्राप्त होने से पूर्व एवं उसके बाद वंदे मातरम् गीत को सार्वजनिक सभाओं में गाए जाने को लेकर कभी विवाद नहीं रहा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के 78 वर्ष बाद भी यह सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसके बावजूद कभी किसी बहाने, तो कभी किसी बहाने यह विवाद सिर उठाता रहता है। बस! विवाद की आवाजें बदलती रहती है। कभी इसके समर्थन में, तो कभी इसके विरोध में, लेकिन होता रहता है। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित स्मरणोत्सव (07 नवम्बर 2025 से 07 नवम्बर 2026 यानी एक साल तक) की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि " आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम की भावना ने पूरे राष्ट्र को आलोकित किया था। लेकिन, दुर्भाग्य से 1937 में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण पदों को, उसकी आत्मा के एक हिस्से को अलग कर दिया गया था। वंदे मातरम को तोड़ दिया गया था। उसके टुकड़े किए गए थे। वंदे मातरम के इस विभाजन ने देश के विभाजन के बीज भी बो दिए थे.......। वही विभाजनकारी सोच देश के लिए आज भी चुनौती बनी हुई है." वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 'अमर गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार ने 7 नवंबर 2025 से एक वर्ष तक देशव्यापी कार्यक्रम का निर्णय लिया है। इन समारोहों में वंदे मातरम का पूर्ण संस्करण देश में गूंजेगा और युवाओं को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति प्रेरित करेगा.' यहाँ याद दिला दें कि मूल गीत में कुल पांच पद हैं, जिनमें से पहले दो पदों को ही वर्तमान राष्ट्र गीत में शामिल किया गया है। राष्ट्र गीत के तीसरे और चौथे पदों में क्रमशः काली एवं दुर्गा को सर्व शक्ति स्रोत के रूप में वर्णित कर स्तुति की गई है। 08 दिसंबर 2025 को संसद में इसके इतिहास, महत्त्व एवं आधुनिक भारत में इसकी भूमिका पर चर्चा होने जा रही है। वंदे मातरम के शाब्दिक अर्थ व दार्शनिक बिम्ब, राष्ट्रीय भावना, देश प्रेम और बलिदान से जुड़ा अर्थ एवं भाव उसके आनंदमठ में प्रकाशित होने के बाद जो था, आज भी वही है और भविष्य में भी वही रहेगा। जिस तरह गीता, कुरान, बाइबिल का है। बशर्ते इसके संदर्भ, ऐतिहासिक घटनाओं, गाने न गाने जैसे विवादों को किसी पार्टी अथवा राजनेता से जोड़कर एक नई तरह की भावनाओं के ज्वार नए सिरे से उभारने के लिए उपयोग अथवा दुरुपयोग न किया जाए। इस गीत की रचना बंकिमचंद्र चटर्जी ने सितंबर-अक्टूबर 1874 में की थी। तिथियों में कुछ भ्रम होने के कारण इसकी शताब्दी 1976 में मनाई गई थी। वंदेमातरम पहली बार "बंगदर्शन" नाम की पत्रिका में धारावाहिक रूप से प्रकाशित उपन्यास आनंद मठ में छपा था। किंतु इसकी रचना आनंदमठ के लिखे जाने से बहुत पहले ही हो चुकी थी। आनंदमठ में यह गीत उपन्यास के नायक भवानंद ने गाया है। एक पुस्तकाकार रूप में, 'आनंदमठ' 15 दिसंबर 1882 को प्रकाशित हुआ। प्रकाशित होते ही वंदेमातरम सारे देश में स्वाभिमानी देशभक्तों का प्रयाण एवं संकल्प गान बन गया। सभी इस गीत को गाते हुए ही भारतीय राष्ट्रीयता का उदघोष करते रहे। इस गीत को धुन सबसे पहले यदुनाथ भट्टाचार्य ने दी थी। उन्होंने इसे बंकिमचंद्र के घर पर मल्हार, 'ताल कव्वाली' में गाया था। कांग्रेस के मंच पर इस गीत को सबसे पहले हेम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1886 में अपने एक गीत के साथ जोड़कर गाया था। किंतु मंगलाचरण के रूप में कांग्रेस अधिवेशनों में इसका गायन 1896 से आरंभ हुआ। कुछ पुस्तकों में उल्लेख है कि उस वर्ष कलकत्ता में हुए 12वें कांग्रेस अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने मंच पर यह गीत गाया था, किंतु अधिवेशन की रिपोर्ट में इसका साक्ष्य नहीं मिलता। इतना सही है कि उस अधिवेशन के बाद से यह गीत बराबर कांग्रेस के अधिवेशनों में मंगलाचरण के रूप में गाया जाता रहा।

कुछ अलगाववादी तत्वों ने देश में सांप्रदायिकता भड़कायी तो इस गीत को लेकर अनेक विवाद उठ खड़े हुए। मुस्लिम लीग के नेताओं ने इसका घोर विरोध करते हुए कहा कि इसके माध्यम से कांग्रेस के हिंदू नेता अल्पसंख्यक समुदाय पर हिंदुत्व लादना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह गीत मूर्तिपरक एवं मूर्ति पूजक है, जो इस्लाम में निषिद्ध है। उनका विरोध मुख्यतः इस बात पर था कि इस गीत में देश को माँ कहकर उसकी पूजा करने को कहा गया है। कई मुसलमान विद्वानों ने ऐसे प्रचार की आलोचना की। मौलाना रजाउल करीम ने कहा कि 'यह गीत इस्लाम विरोधी होता तो खिलाफत आंदोलन के दौरान मौलाना अब्दुल आजाद, मौलाना मोहम्मद अली, शौकत अली तथा हसरत मोहानी जैसे नेता इसके विरुद्ध जरूर बोलते। स्वयं इन नेताओं की सभाओं में वंदे मातरम गाया जाता था। यही नहीं ये नेता स्वयं इसके सम्मानार्थ खड़े होते थे, तब ऐसा करने में उनके मन में ज़रा भी ठेस नहीं पहुँचती थी। फिर अब विरोध क्यों? अन्य राष्ट्रीय मुस्लिम नेताओं ने यह भी कहा कि देश को माँ कहना इस्लाम के विरुद्ध नहीं कहा जा सकता क्योंकि स्वयं अरबी में अनेक स्थानों पर "उम्म्कोरा" यानी ग्राम जननी " उम्मुल मोमनीन" यानी आस्थावानों की जननी तथा "उम्मुल किताब" यानी ग्रन्थ जननी जैसे शब्दों का प्रयोग हुआ है। यह एकदम गलत है कि इस्लाम के विरुद्ध लिखने की बंकिम चंद्र की कोई पूर्व नियोजित पूर्वाग्रहपूर्ण मानसिकता थी। रचना अवधि (सितंबर- अक्टूबर 1874) के समय इस्लाम के विरुद्ध पूर्वाग्रह जैसी परिस्थितियां संभव ही नहीं थी। सबसे महत्वपूर्ण तो यह है कि इसे लिखते समय उनके दिलों दिमाग में यह बात कतई नहीं रही होगी कि वे भविष्य के भारत के राष्ट्र गीत की रचना कर रहे हैं या फिर उनका यह गीत राष्ट्र गीत के रूप में हिन्दुस्तानियों के दिलो दिमांग में राष्ट्र भक्ति का संचार कर बलिदान के लिए प्रेरित करेगा । कल्पना यह भी नहीं रही होगी की यह गीत क्रांति का प्रतीक वन राष्ट्र को परम शक्ति प्रदान करेगा। पूरे आनंद मठ में कहीं भी ऐसी मानसिकता परिलक्षित नहीं होती है। फिर इस ऐतिहासिक तथ्य को कैसे भुलाया जा सकता है कि स्वतंत्रता के जुनून में वंदे मातरम कहते कहते कितने ही लोग जिनमें हिंदू, मुसलमान, सिख शामिल थे, शहीद हो गए। स्वतंत्रता का महासंग्राम देश के किसी भी धर्म विशेष के समर्थन अथवा विरोध में नहीं लड़ा गया था। यह गुलामी और अत्याचार के विरुद्ध भारतीयों द्वारा गोरी हुकूमत के विरुद्ध लड़ा गया था। लेकिन सांप्रदायिक कुतर्कियों का प्रचार सफल रहा और मुसलमानों में इस गीत का विरोध बढ़ता गया।

सन 1923 में काकीनाड़ा कांग्रेस अधिवेशन के समय अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद अली ने घोषणा की कि कांग्रेस के मंच से यह गीत नहीं गाया जा सकता क्योंकि ये इस्लाम के विरुद्ध है। प्रतिवर्ष कांग्रेस मंच से वंदे मातरम गाने वाले महान संगीतज्ञ पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर ने इस आदेश को स्वीकार नहीं किया और मौलाना के प्रतिवाद करने पर भी खुले कंठ से इसे गाया। इस गीत को लेकर कांग्रेस में तीव्र मतभेद पहली बार अक्तूबर,1937 में उठा, जैसा कि प्रधानमंत्री ने अपने उदबोधन में उल्लेख किया। इसे दूर करने के लिए कांग्रेस कार्यकारिणी समिति ने एक चार सदस्यीय उप समिति गठित की। मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचंद्र बोस तथा आचार्य नरेंद्र देव इसके सदस्य थे। इस उपसमिति को रवीन्द्रनाथ ठाकुर से परामर्श कर राष्ट्रीय गीत के रूप में वंदे मातरम् की उपयुक्तता पर निर्णय लेने को कहा गया। उप समिति ने निर्णय लिया कि "सभी बातों पर ध्यान देते हुए समिति की राय है कि जब भी राष्ट्रीय सार्वजनिक सभाओं में वन्दे मातरम गाया जाए तो उसके पहले के दो ही पद गाए जाएँ और संयोजकों को दूसरा कोई गीत जो आपत्तिजनक न हो, इसके साथ या इसके स्थान पर गाने की पूर्ण स्वतंत्रता होगी" इस संशोधन से रवीन्द्रनाथ ठाकुर भी सहमत थे, जिस कारण कुछ लोगों ने देश भर में उनका भारी विरोध किया।

तब से लेकर आज तक पूरे विवाद की जड़ में शब्दों के दार्शनिक बिम्बों को स्थूल भौतिक रूपों में निरूपित कर धर्म को राजनीति एवं राजनीति को धर्म में घोलना है। ऐसा भी नहीं है कि ये संकीर्णता वादी स्वार्थी तत्व, व्याकरण अथवा भाषा ज्ञान के अभाव में ऐसा करते हैं।

जागो फिर एक बार निराला की अमर पुकार

आरके जैन

दिसंबर की धुंध जैसे ही शहर की छतों पर उतरती है और हवा में सर्द खामोशी गहराने लगती है, भीतर कहीं एक पुरानी, तेज़, अडिग आवाज़ उठती है-एक ऐसी आवाज़ जो समय, दूरी, मृत्यु-किसी भी सीमा से बंधती नहीं। वह आवाज़ आदेश भी है, पुकार भी, चुनौती भीः "जागो फिर एक बार!" यह आवाज़ किसी किताब, पाठ्यक्रम या समारोह की नहीं; यह सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की है-जो 8 दिसंबर 1961 को प्रयागराज की एक साधारण कोठरी में देह त्याग गए, पर अपने शब्दों से भारतीय चेतना में इतनी गहरी लकीर छोड़ गए कि आज भी वह मिटाई नहीं जा सकती। मृत्यु केवल शरीर की होती है; निराला जैसे कवि तो अपनी आग शब्दों में छोड़ जाते हैं-और वह आग आज भी धधक रही है।

निराला केवल कवि नहीं थे; वे साहित्य के भूगोल को बदल देने वाली एक विराट घटना थे। जब हिंदी कविता छायावाद की सुकोमल, शीतल, सुकुमार रोशनी में भीगी हुई थी, उन्होंने उसी प्रकाश पर प्रश्न खड़ा कर दिया। उन्होंने कोमलता में भूख की कड़वाहट मिलाई, सौंदर्य में शोषण की कालिमा घोली और स्वप्नों पर मनुष्य के संघर्ष की दरार डाल दी। 'राम की शक्ति-पूजा' उनकी इसी क्रांतिकारी दृष्टि का चरम है-जहाँ राम देवता नहीं, थकते, हारते, रोते मनुष्य हैं, जो अंततः उठ खड़े होते हैं। निराला ने भक्ति को पूजा की निष्क्रियता से निकालकर संघर्ष की सक्रियता में बदल दिया। "नव इतिहास रचो!"-यह केवल पंक्ति नहीं, एक युग की धड़कन है, एक आदेश है, जो समय की हर परत पर हथौड़े की तरह बजता है।

उनमें एक विरोधी ताप था, जो भीड़ का हिस्सा बनने से इंकार करता था। जहाँ अन्य कवि दरबारों में गाते थे, वे सड़कों पर भटकते थे; जहाँ लोग सुरक्षित जगहों पर कविता रचते थे, वे भूख, बेघरी और दर्द के गर्त में उतरकर लिखते थे।

बंगाल का अकाल उन्हें भीतर से तोड़ गया; पत्नी और बेटी की मृत्यु ने उन्हें लगभग खामोश कर दिया होता-यदि वे निराला न होते। इस असहनीय पीड़ा से उठकर उन्होंने 'भिक्षुक', 'बादल राग', 'तोड़ती पत्थर' जैसी रचनाएँ दीं, जिनमें मानव दुःख का सबसे नग्न, सबसे सच्चा स्वर है। प्रयाग की एक मजदूर स्त्री को पत्थर तोड़ते देखकर जो पंक्तियाँ उन्होंने लिखीं-"तोड़ती पत्थर", वह केवल कविता नहीं, बल्कि सामाजिक अन्याय की पूरी इबारत है। उस स्त्री में उन्होंने समूची मेहनतकश मानवता को देख लिया था।

उनका जीवन संघर्ष किसी अप्रकाशित महाकाव्य से कम नहीं था। कभी संपादक बने, तो कभी बेरोज़गार; कभी बीमारी ने घेरा, कभी कर्ज, कभी उपेक्षा। अधिकांश प्रकाशकों ने उनका शोषण किया, पाठकों ने समझने में समय लिया, आलोचकों ने छायावाद से बाहर निकलने का दोष लगाया। फिर भी निराला हर वार के बाद और भी धारदार होते गए। उनकी लेखनी को रोकने का हर प्रयास उल्टा उसे और अग्निमय बना देता। वे टूटे नहीं, केवल तपते रहे।

गद्य में उनका योगदान उतना ही उग्र और असाधारण है। 'चतुरी चमार', 'कुल्ली भाट', 'बिल्लेसुर बकरिहा' जैसे रचनाएँ हिंदी समाज के उन चेहरों को सामने लाती हैं जिन्हें साहित्य से जानबूझकर बाहर रखा गया था। उन्होंने पहली बार दलित, वंचित और हाशिए के लोगों को केवल विषय नहीं, बल्कि स्वर बनाया। निराला ने हिंदी साहित्य को केवल सुंदर नहीं, बल्कि सचेत, संवेदनशील और विद्रोही बना दिया। उनका लेखन किसी अलंकरण का खेल नहीं, बल्कि मनुष्य के पक्ष में खड़ा होने की घोषित पुकार है।

आज जब लोग मोबाइल स्क्रीन पर दो पंक्तियों की क्रांति लिखकर स्वयं को विद्रोही समझ लेते हैं, तब निराला की पूरी कविताएँ चुनौती बनकर सामने खड़ी होती हैं। उन्होंने कभी आधे-अधूरे वाक्यों में विद्रोह नहीं किया; उन्होंने पूरी किताबें आग में झोंक दीं। 'अणिमा', 'नये पत्ते', 'गीतिका', 'तुलसीदास'-ये कृतियाँ उनकी ऊँचाई को नापने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। वे एक साथ प्रगतिशील भी थे, प्रयोगवादी भी, आध्यात्मिक भी, और सबसे अधिक मानवीय। मार्क्स और गांधी दोनों उनके भीतर रहते थे-एक आग की तरह, एक रोशनी की तरह।

8 दिसंबर केवल उनकी पुण्यतिथि नहीं है-यह हर साल उठने वाला, अनकहा, चुनौतीपूर्ण प्रश्न है। क्या हमने वह साहस जिया, जिसकी उन्होंने जोर देकर माँग की थी? क्या हमने वह विद्रोही चेतना बचाए रखी, जिसे उन्होंने अपने शब्दों, अपने लेखन, अपने समूचे अस्तित्व से जगाया था? आज की जो भी कविताएँ सबसे बेखौफ, सबसे तीव्र, सबसे सजीव और सबसे सच्ची हैं-वे सभी कहीं न कहीं निराला के कदमों के निशान पर चल रही हैं, उनके अग्नि-लेखित मार्ग पर अग्रसर हैं।

जब शाम ढलने लगती है, हवा और ठंडी हो जाती है, और चारों तरफ एक गहरा सा सन्नाटा फैलने लगता है-और ठीक उसी क्षण भीतर कहीं उनकी वह पंक्ति गूंज उठती है, जो हिम्मत की अंतिम शरण, अंतिम दीपक बनकर जलती है-"जूझ रहा हूँ, जूझने दो मुझे, मरने से पहले मरने नहीं दूँगा मैं अपने को।" निराला जीवित हैं-हर उस आवाज़ में जो अन्याय को आँख से आँख मिलाकर चुनौती देती है, हर उस दिल में जो सच कहने का जोखिम उठाता है, हर उस मनुष्य में जो टूटने, झुकने, हार मान लेने से इनकार करता है। जागो। फिर एक बार।

चर्चा बिना जग सूना लागे

डॉ टी महादेव राव

बहुत पहले जब चर्चा से संबन्धित फिल्मी गाने सुनता था, तो लगता था चर्चित होना या चर्चा में रहना सचमुच बड़े ही गर्व का विषय होगा। सभी के दिलो दिमाग में यह चर्चा खलबली मचाती होगी। जैसे गाने थे- आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे हर ज़ुबान पर, शहर में चर्चा है आदि आदि। उसके बाद दफ्तर में बॉस को मेरा कोई प्रस्ताव समझ में नहीं आता था या कोई विवरण चाहता था तो नोट लिखता था कृपया चर्चा करें। उसके बाद जब श्रमिक संघों की मांगों और नोटिस पर प्रबंधन के साथ आमने सामने अजी वही एक्रोस द टेबल चर्चा होती थी। कभी कभी आस पड़ोस में कोई हादसा हो गया, कोई प्रेमी युगल फरार हो गया तो काफी दिनों तक चर्चा चलती थी। तो चर्चों का दायरा बड़ा सीमित था मेरे लिए। कुछ एक छूट भी गए होंगे। आजकल तो चर्चों के चर्चे भी बड़े जोरोशोर से होने लगे। और तो और चर्चा को छोटे से दायरे से निकालकर बहुत विशाल आसमान दे दिया गया चर्चा अनंत, चर्चा कथा अनंता बना दिया गया, जिस तरह कविता को किसी विषय से परहेज नहीं होता, जहां न जाय रवि वहाँ जाय कवि की तर्ज़ पर। अब तो चर्चा का तो मार्केट ही निकल पड़ा, चर्चा के लिए विषयों की कमी नहीं। विषय हो या न हो, चर्चा तो होती रहनी चाहिए। ताकि बिना प्रैस मीट किये, पत्रकारों का सामना किए बिना बहुत सारी पब्लिसिटी अपने आप इन चर्चाओं से मिल जाती है, जिससे प्रचार प्रसार के भूखे दिल की कली खिल जाती है। सरकारी विज्ञापनों की लालच में इतने समाचार छपते हैं कि दिल बाग बाग हो जाता है। कहाँ दिल की कली के खिलने की बात थी और कहाँ दिल का बाग बाग होने का मामला। यही तो विकास है। और हमारा विकास जो है किसी से कम नहीं है। पहले शुरू हुई चाय पे चर्चा। होनी ही चाहिए आखिर चाय सभी की फेवेरेट पेय जो है। प्रधान मंत्री से लेकर आम आदमी तक चाय को पसंद करता है। करना भी चाहिए। इससे चुस्ती फुर्ती आती है। जीवन में खुशियाँ तो सभी ने किसी न किसी तरह छीन लिया, लेकिन चाय अपने स्वाद से उस दर्द को भूल जाने में मदद करता है। मैं सिर्फ चाय तक चर्चा को रखता हूँ। किसी भी विषय पे बात करनी हो, चर्चा करनी हो तो चाय एक उत्प्रेरक के रूप में बहुत सक्रिय काम करता है। चाय पे चर्चा में मेरे मित्र ने चाय के प्रकारों पे जब चर्चा शुरू किया तो मैंने कहा चाय विषय नहीं, एक केटलिस्ट है, उत्प्रेरक है। उसने कहा तब इसे सामन्य चर्चा कहो न! चाय पे चर्चा क्यों कहते हो। मेरे एक और मित्र ने उत्तर दिया- इस बीच केवल चर्चा होती थी, चाय नहीं पिलाया जाता था तो लोग कम आते थे। हमने सोचा चाय पे चर्चा करने पर कम से कम चाय के लिए तो लोग आएंगे। साला, चर्चा में भी पॉलिटिक्स घुस गई। क्या दिन आ गए? है न?

इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर गाय पे चर्चा शुरू हो गई। उसके परिणाम सभी ने देख ही लिए। चर्चा ज़रूरी है, विषय नहीं।

शनि देव क्यों हुए लंगड़े?

पौराणिक कथा और पीपल पूजा का रहस्य!

शनि देव भगवान सूर्य और देवी छाया के पुत्र हैं, जिन्हें न्याय और कर्म प्रधान देवता भी कहा जाता है। वे जातक को उसे कर्मों के हिसाब से फल प्रदान करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं एक श्राप के कारण शनि देव लगड़े हो गए थे।

क्या आपको पता है कि शनिदेव लंगड़ा कर क्यों चलते हैं और हिंदू धर्म में पीपल के पेड़ की पूजा क्यों की जाती है? इसके पीछे एक पौराणिक कथा है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक महर्षि दधीचि के देह त्याग के बाद उनकी पत्नी भी सती हो गई। उन्होंने अपने तीन साल के पुत्र को पीपल के पेड़ के कोटर में रख दिया था।

वह बालक पीपल के फल खाकर ही जीवित रहा। एक दिन वहां से देवर्षि नारद गुजरे। उन्होंने बालक को बताया कि तुम महान दानी महर्षि दधीचि के पुत्र हो और तुम्हारे माता पिता की मृत्यु का कारण शनिदेव की महादशा थी। यह सुनकर बालक ने और तपस्या करके ब्रह्मा जी से किसी को भी भस्म कर देने की शक्ति मांग ली।

शक्ति मिलते ही उसने शनिदेव को बुलाकर भस्म करना शुरू कर दिया। ब्रह्मांड में हाहाकार मच गया। ब्रह्मा जी के कहने पर बालक दो शर्तों पर माना। पहला, किस भी बच्चे के जन्म से 5 साल तक शनि का प्रभाव नहीं पड़ेगा। दूसरा, सूर्योदय से पहले पीपल पर जल चढ़ाने वाले पर शनि की महादशा का असर नहीं होगा।

ब्रह्मा जी ने तथास्तु कहा, तब उस बालक जिनका नाम पिप्पलाद पड़ा। उसने शनिदेव को छोड़ा लेकिन ब्रह्मदंड के प्रहार से शनिदेव के पैर क्षतिग्रस्त हो गए और वे धीमे चलने लगे। इसीलिए उन्हें शनैश्चर कहा जाता है।

लगातार बढ़ रहे संकटों की जड़ हो सकते हैं छाया ग्रह

इन उपायों से मिलेगी राहु-केतु के कष्टों से मुक्ति

राहु और केतु इन दोनो को ज्योतिष में छाया ग्रह बताया गय है। कहा जाता है कि जब ये ग्रह अशुभ स्थिति में हों, तो जीवन में अचानक रुकावटें आने लगती हैं। व्यक्ति को मानसिक तनाव और आर्थिक नुकसान झेलना ड़ता है।

इतना ही हीं उसके रिश्तों में खटास और कई तरह की समस्याएं पैदा होने लगती हैं। इन ग्रहों के प्रभाव को शांत करने के लिए कई प्रभावी उपाय बताए गए हैं। इन्हें अपनाने से राहु-केतु के दुष्प्रभाव कम होते हैं और किस्मत का रुका हुआ पहिया दोबारा गति पकड़ने लगता है।

राहु और केतु क्यों करते हैं परेशान?

ज्योतिष शास्त्र में राहु और केतु को अदृश्य छाया ग्रह कहा गया है। जब ये ग्रह जन्म कुंडली में अशुभ स्थिति में होते हैं, तो व्यक्ति को मानसिक तनाव, कार्यों में बाधा, रिश्तों में उतार-चढ़ाव, करियर में रुकावटें और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होने लगती हैं। ऐसे में सही उपाय अपनाकर इनके प्रभाव को शांत किया जा सकता है।

राहु के ज्योतिष उपाय

अगर राहु परेशानी दे रहा हो, तो रोजाना माथे पर सफेद चंदन का तिलक लगाना लाभदायक माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, माथे पर चंदन का टीका लगाने से मानसिक शांति मिलती है और राहु के दुष्प्रभाव कम होते हैं।

राहु से जुड़े कष्ट दूर करने के लिए विद्या की देवी मां सरस्वती की उपासना करें। उनके मंत्रों का जप करने से मन स्थिर होता है और राहु का प्रभाव शांत होता है।

रविवार के दिन भगवान भैरव का दर्शन करने और भैरव मंदिर में ध्वज चढ़ाने से राहु संबंधित परेशानियों में राहत मिलती है।

ज्योतिष के अनुसार किचन में बैठकर भोजन करना भी राहु दोष कम करने में सहायक होता है।

घर में ठोस चांदी का हाथी रखने से राहु से जुड़ी बाधाएं कम होती हैं और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

राहु की शांति के लिए ससुराल पक्ष से संबंध अच्छे रखना बेहद जरूरी माना जाता है।

केतु के ज्योतिष उपाय

केतु के कष्टों से राहत पाने के लिए प्रतिदिन शिवलिंग पर काले तिल मिला जल चढ़ाएं और शिव मंत्र का जाप करें।

केतु मंत्र का जप करें: ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः मंत्र का रोज़ जाप करने से केतु के दुष्प्रभाव काफी हद तक कम होते हैं।

प्रार्थना मंत्र का पाठ करें: ₹पलाशं पुष्प संकाशं, तं केतुं प्रणमाम्यहम मंत्र का दैनिक पाठ भी अत्यंत फलदायी है।

गणेश जी की पूजा, दूर्वा अर्पित करना और गणेश चालीसा का पाठ करने से केतु के कारण आने वाली समस्याएं दूर होती हैं।

केतु दोष को शांत करने के लिए मछलियों को चीनी मिले आटे की गोलियां खिलाना शुभ माना गया है।

स्त्री को क्यों माना जाता है घर की लक्ष्मी?

भारतीय संस्कृति में स्त्री को आदिकाल से ही लक्ष्मी स्वरूपा माना गया है। विवाह के बाद जब नई दुल्हन घर में प्रवेश करती है, तो उसे परिवार में सौभाग्य, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक समझा जाता है। अक्सर लोग कहते हैं— "बहू के कदम घर में पड़े और घर में लक्ष्मी बरसने लगी।"

वहीं कुछ परिवारों में परिस्थितियां इसके उलट भी देखने को मिलती हैं। परंतु वास्तु और ज्योतिष विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि हर स्त्री स्वयं में शुभ होती है। अंतर केवल उसके सम्मान, व्यवहार और घर के वातावरण में है।

घर की महिलाओं और वास्तु का गहरा संबंध

वास्तु विज्ञान के अनुसार, महिलाएं घर की ऊर्जा, वातावरण और सौभाग्य पर सीधा प्रभाव डालती हैं।

पंचतत्वों में से अग्नि तत्व स्त्री शरीर में अधिक सक्रिय माना जाता है, जो ऊर्जा, उत्साह, प्रगति और समृद्धि का आधार है। इसलिए स्त्री का सम्मान करना वास्तव में घर के अग्निकोण और सकारात्मक ऊर्जा को संतुलित करना है।

शास्त्रों में भी स्पष्ट कहा गया है "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः"

अर्थः जहां नारी की पूजा और सम्मान होता है, वहां देवताओं का निवास होता है। यानी जिस घर में स्त्री का मान-सम्मान होता है, वहां बिना किसी वास्तु-दोष शोधन के ही ईशान कोण (उत्तर-पूर्व की दिशा) में सकारात्मक ऊर्जा स्वतः सक्रिय हो जाती है।

क्यों कहा जाता है कि स्त्री ही घर का वास्तु सुधार देती है?

घर की महिलाएं अधिकतर समय आवास में ही बिताती हैं। उनकी मनोदशा, उनकी ऊर्जा और उनका मानसिक संतुलन सीधे-सीधे घर के वातावरण को प्रभावित करता है। वास्तु विशेषज्ञ बताते हैं कि स्त्री की मुस्कान घर में सुख-शांति लाती है। उसका संतोष घर के अग्निकोण के दोष दूर कर देता है। उसका सम्मान शुक्र ग्रह को मजबूत बनाता है, जिससे धन, सौंदर्य और समृद्धि का वास होता है।

इसलिए केवल रसोई को दक्षिण-पूर्व में बनाना या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखना ही अग्निकोण की शुद्धि नहीं है। स्त्री का सम्मान अपने-आप अग्निकोण को संतुलित कर देता है।

भारतीय परंपरा में कन्या को देवी का रूप माना गया है।

मान्यता है कि घर में कन्या का जन्म लक्ष्मी आगमन का संकेत है। यदि उसके जन्म पर आंसू बहाए जाएं, तो लक्ष्मी रूठ जाती है। कन्या को तनाव देना, उसकी उपेक्षा करना या बोझ समझना घर की उत्तर दिशा (धन की दिशा) को कमजोर करता है।

ज्योतिष कहता है कि लड़कियों को खुश रखने से उत्तर दिशा स्वतः हल्की और संतुलित होती है। घर में धन, दौलत और खुशहाली बढ़ती है। स्वास्थ्य और संबंधों में सामंजस्य बना रहता है।

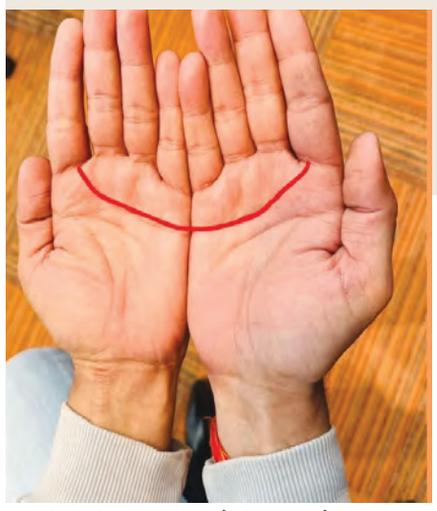

दोनों हाथों को जोड़कर बनता है अर्धचंद्रमा

हथेली में अर्ध चंद्रमा कैसे बनता है?

हथेली पर अर्ध चंद्रमा हृदय रेखाओं से बनता है। अगर आप हथेली को जोड़ें और दोनों हाथों की हृदय रेखाएं बुध पर्वत से लेकर तर्जनी उंगली तक जाएं तो अर्धचंद्र बनता है। आप ऊपर दी गई तस्वीर में देख सकते हैं कि अर्ध चंद्रमा कैसे बनता है। अगर हथेलियों को जोड़कर अर्धचंद्र स्पष्ट दिखाई देता है तो इसे बेहद शुभ संकेत माना जाता है।

अच्छा जीवनसाथी मिलने का संकेत

अगर हथेलियां जोड़कर अर्धचंद्र बने तो समझ लीजिए आपको अच्छा जीवनसाथी मिल सकता है। साथ ही आपको विवाह के बाद ससुराल पक्ष से भी खुशियां प्राप्त होती हैं। अर्धचंद्र जितना साफ होगा उतना ही आपका पार्टनर आपको समझने वाला होगा और आपसे स्नेह करेगा। अर्धचंद्र का अर्थ यह भी है कि आप रिश्तों को लेकर ईमानदार होंगे।

आत्मविश्वास और बौद्धिक कुशलता

अगर आपके हाथ में अर्धचंद्र बना है और कोई अन्य रेखा इसे काट नहीं रही है तो समझ जाइए आप बौद्धिक रूप से सशक्त होंगे। आप आत्मविश्वास से भरे होंगे और जीवन के हर क्षेत्र में सफल होंगे। करियर क्षेत्र में आप धीरे-धीरे प्रगति कर सकते हैं लेकिन एक दिन ऊंचाइयों को जरूर छूते हैं। ऐसे लोगों को विवेकशील और अच्छी स्मरण शक्ति वाला भी माना जाता है।

अर्धचंद्र का आपके व्यक्तित्व पर प्रभाव

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, जिन भी लोगों की हथेलियों में अर्धचंद्र दिखता है वो मुधरभाषी और आसानी से लोगों से घुलने मिलने वाले होते हैं। लोगों की सहायता करने को भी ये हमेशा तैयार रहते हैं इसलिए सामाजिक स्तर पर इनको शुभ फलों की प्राप्ति होती है। रिश्तों के प्रति इनकी वफादारी इन्हें विश्वसनीय बनाती है। कुल मिलाकर हथेली पर बना चंद्रमा बेहद शुभ संकेत है। इसके बनने से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपको शुभ फल मिलते हैं।

क्या आप जानते हैं? गणेश जी ने अपनी ही मां पार्वती को दिया था ऐसा अद्भुत वरदान!

भगवान गणेश को विघ्नों का नाश करने वाला और पूजाओं का प्रथम देव कहा जाता है। वे माता पार्वती के परम प्रिय पुत्र थे, जिनका जन्म मां ने अपने शरीर के उर्जामय तत्व और दिव्य शक्ति से किया था। मां और पुत्र के बीच का यह संबंध इतना पवित्र और अनोखा था कि गणेश जी ने अपनी मां की आज्ञा के लिए अपने जीवन तक का त्याग कर दिया और बाद में उन्हें हाथी का मुख देकर पुनर्जीवन मिला तथा सभी देवताओं में प्रथम पूजनीय होने का आशीर्वाद भी। कहते हैं कि माता पार्वती ने श्री गणेश को बाल्यकाल से ही जीवन की हर शिक्षा दी, और श्री गणेश ने भी अपनी मां की हर आज्ञा व सीख का पूरी निष्ठा से पालन किया। लेकिन इसी प्रेम और भक्ति के बीच एक ऐसी घटना भी घटी जिसमें पुत्र गणेश ने ही अपनी मां को एक असाधारण वरदान प्रदान किया।

गणेश जी ने अपनी मां पार्वती को क्यों और कौन-सा वरदान दिया?

पौराणिक परंपरा के अनुसार, एक समय माता पार्वती ने अपने पुत्र की कुशलता और दीर्घायु के लिए एक विशेष उपवास किया। यही उपवास आगे चलकर संकष्टी चतुर्थी के रूप में जाना गया। जब गणेश जी ने अपनी माता की यह अनन्य भक्ति और प्रेम देखा, तो वे अत्यंत प्रसन्न हुए और अपनी मां को एक दिव्य और कल्याणकारी वरदान प्रदान किया।

वरदान का अर्थ

भगवान गणेश ने माता पार्वती से कहा कि जो भी स्त्री संकष्टी चतुर्थी का व्रत सच्चे मन और श्रद्धा से करेगी, उसे वैसी ही आज्ञाकारी, सौभाग्यशाली, दीर्घायु और गुणवान संतान का सुख प्राप्त होगा जैसी माता पार्वती को गणेश स्वरूप में मिली। साथ ही देवी पार्वती की कृपा उस स्त्री और उसकी संतान पर सदैव बनी रहेगी। यह वरदान केवल संतान की प्राप्ति तक सीमित नहीं था, बल्कि संतान को जीवन के हर संकट से बचाने वाला भी था क्योंकि गणेश स्वयं विघ्नों को दूर करने वाले देव हैं।

आज तक क्यों रखा जाता है यह व्रत?

इस कथा के अनुसार, गणेश जी ने अपने मातृत्व का सुख संसार की सभी माताओं के लिए उपलब्ध करने का संकल्प लिया था। इसलिए आज भी माताएँ संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखती हैं ताकि उनकी संतान निरोगी और दीर्घायु रहे, घर में सुख, सौभाग्य और शांति बनी रहे। जीवन के सभी विघ्न गणेश जी दूर कर दें, यह वरदान मां-पुत्र के प्रेम की अनोखी मिसाल माना जाता है।

अपने अंदर के भगवान को प्रकट करना है तो इन बातों को जान लीजिए

संसार में शरीर तो बहुत जन्म लेते हैं और मर जाते हैं, उनको कौन याद करता है। पर श्री कृष्ण की देह 5000 साल पहले आई और उसमें भगवान प्रकट हुए। इसलिए गीता में कहा गया है भगवान उवाच, यानी श्री कृष्णा की देह के अंदर भगवान बोले। तो ये जो जन्म अंदर हुआ वो भगवान का जन्म हुआ। श्री कृष्ण तो बाहर के शरीर का नाम था। भगवान तो अंदर वो निराकार स्वरूप है जो साकार बनकर श्रीकृष्ण की देह में प्रकट हुए। तो इसलिए हम कहते हैं श्री कृष्ण भगवान!

पर श्री कृष्ण भगवान की देह भी चली गई क्योंकि देह तो मरणशील काया है। तो जन्माष्टमी और श्रीकृषष्टी पर हम जो ये सजावट और उल्लास देखते हैं, जो जन्मदिन मना रहे हैं तो किसका!

श्री कृष्ण का जन्मदिवस नहीं पर भगवान का कि भगवान उतरे, श्री कृष्ण की देह में अवतरित हुए। तो हर देह भगवान की ही तो है।तुम्हारी और हमारी देह किसने बनाई, उसी 'एक' ने! वही एक है जिसने श्री कृष्ण की देह बनाई, श्री राम की देह बनाई, सभी भगवता उपलब्ध लोगों की देह चाहे वो बुद्ध हो, महावीर हो, गुरु नानक देव, कबीर, फरीद, मीरा, सहजो, लल्ला, लाओत्से, सुकरात, संत नामदेव, संत तुकाराम हों । सबकी देह, तेरी और मेरी देह भी उस 'एक' ने ही बनाई। आज हम इस युग में देखें तो सबने हमारी तरह ही जन्म लिया था।

बुद्ध, महावीर, जीसस, मोहम्मद, कबीर, फरीद, मीरा, सहजो, लल्ला, लाओत्से, सुकरात, संत नामदेव, इनके अंदर भगवान प्रकट हुए क्योंकि आज हम बुद्ध को भगवान कहते हैं, महावीर को भगवान कहते हैं, गुरु नानक देव को भगवान कहते हैं, जीसस को भगवान का दूत कहते हैं, साईं बाबा को भगवान कहते हैं। तो इतने भगवान या भगवान के दूत कैसे हुए जबकि इनकी देह भी हमारे जैसी थी, क्योंकि देह में भगवान अवतरित होते हैं। उस देह में अवतरित होते हैं जो अंदर से माया को बाहर निकाल लेते हैं। कहते हैं जिसके अंदर माया है वो शैतान है पर जिसके अंदर भगवान आ गया यानी माया नहीं है वो भगवान हो गया, माया क्या है? मैं-मेरा माया है।

जो कुछ बाहर दिखाई देता है, जो सुनाई देता है जिसको तू मैं-मैं-मैं कहता है, मैं डॉक्टर, मैं मिनिस्टर, मैं चार्टर्ड अकाउंटेंट, मैं स्टार! ये जिसको तू 'मैं' कहता है पर सिर के बाल से लेकर पाँव के नाखून तक तेरा कुछ भी नहीं है! तेरा क्या है, कुछ भी नहीं! जब शरीर में तेरा कुछ नहीं तो क्या मेरा! क्या मेरा बँगला, क्या मेरी गाड़ी! श्वास निकल जाए तो गिर जाएगा, शरीर का उठाला करना पड़ता है और चिता जला देते हैं क्योंकि उसमें एक रुपए का भी सामान नहीं है जो रखा जा सके।

नया घर जब रास न आए तो क्या करें?

कई बार नए घर में प्रवेश करने के बाद कारोबार में अड़चनें, नौकरी में परेशानियां आनी शुरू हो जाती हैं क्योंकि वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ घर ऐसे होते हैं जहां रहने वाले लोग कभी सुखी नहीं होते। उपाय के माध्यम से जब घर में निवास करने वाली बुरी शक्तियां स्वयं ही घर छोड़कर चली जाती हैं, तब व्यक्ति के रुके हुए कार्य पूरे होने लगते हैं।

अक्सर आपने कुछ लोगों को कहते हुए सुना होगा कि जब से वह नए घर में गए हैं या जब से उन्होंने अपना पुराना घर बदल कर नए घर में प्रवेश किया है, तब से वह नया घर, नई जगह उन्हें रास नहीं आ रही है। पुराने घर में सब कुछ ठीक था लेकिन नए घर में आते ही जीवन में परेशानियां बढ़ने लगी हैं। शहर में जगह की कमी के कारण अकसर लोग कब्रिस्तान आदि के आस-पास की जमीनों पर बने फ्लैट्स यामकान में रहने लग जाते है, जिससे इस प्रकार की समस्या देखी जाती है या फिर काफी सालों से बंद मकानों में अदृश्य साया, बुरी शक्तियों का निवास रहता है और जब वहां पर मनुष्य निवास करने लगता है, तो उनके जीवन का सुख-चैन धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। इस प्रकार की समस्या जीवन में न आए इसलिए जरूरी है कि मकान बनवाने से पहले जानकारों की राय लेकर भूमि की मिट्टी आदि की जांच करें। अगर आप बना-बनाया मकान खरीद रहें हों तो, हमेशा जांच- पड़ताल के बाद ही मकान खरीदें, काफी दिनों से बंद अथवा किसी दुर्भाग्य हीन व्यक्ति का मकान खरीदने से बचें, यानी मकान जो व्यक्ति बेच रहा हो, उससे यह जानें कि किस कारण से वह व्यक्ति मकान बेच रहा है।

अकसर लोग गम्भीर बीमारी आदि के कारण मकान बेचकर दूसरी जगह चले जाते हैं, उस मकान में जो नया व्यक्ति आता है, वह भी धीरे-धीरे उसी प्रकार की समस्या से ग्रसित हो जाता है। अगर किसी मकान में कभी कोई दुर्घटना, आत्महत्या आदि हुई हो तो उसे कदापि न खरीदें। नकारात्मक ऊर्जा से सम्पन्न घर में रहने पर व्यक्ति का मन किसी काम में नहीं लगता।

अनिष्ट शांति हेतु दुर्गा सप्तशती का पाठ अथवा सुन्दर काण्ड का पाठ अवश्य करवाएं। मकान मालिक की ग्रहदशा के अनुसार सर्व बाधा मंत्र के साथ सम्बन्धित ग्रह का जप अवश्य करवाएं।

अशोक वृक्ष के सात पत्ते मंदिर में रख कर पूजा करें। उनके सूखने पर नए पत्ते रखें और पुराने पत्ते पीपल के पेड़ के नीचे रख दें। यह उपाय नियमित रूप से करने पर आपका घर भूत-प्रेत बाधा, नजर दोष आदि से मुक्त हो जाएगा।

अच्छे विचारों से संतुष्टि मिलती है और हम परिवार को भी लाभ पहुंचा पाते हैं

अपने विचारों में सकारात्मकता बनाए रखें। हमारे आचरण में पारदर्शिता और पवित्रता होनी चाहिए। अच्छे विचार वाले व्यक्ति को संतुष्टि मिलती है और वह अपने व्यवहार से घर-परिवार को भी लाभ पहुंचाता है। वास्तव में परिवार को दिया गया लाभ ही सच्चा और स्थायी लाभ माना जाता है।

'वो फोन करके कभी आपकी तारीफ नहीं करेंगे'

बॉलीवुड कलाकारों के बारे में मनोज बाजपेयी ने क्यों कही ऐसी बात?

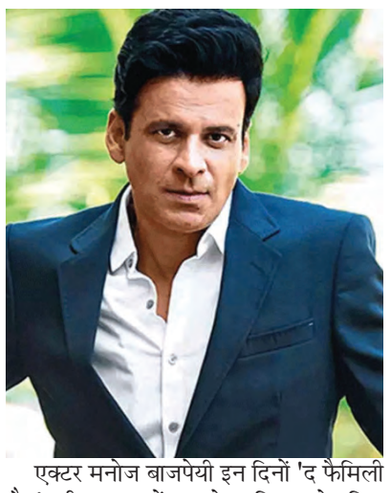

एक्टर मनोज बाजपेयी इन दिनों 'द फैमिली मैन' सीजन 3 में अपने अभिनय के लिए तारीफें बटोर रहे हैं। हाल ही में कास्ट ने कुशा कपिला और कॉमेडियन रवि गुप्ता के साथ शो के बारे में कई बातें कीं। बातचीत में मनोज बाजपेयी ने बॉलीवुड में एक्टर्स के बीच मौजूद इनसिक्योरिटी के बारे में खुलकर बात की।

रो पड़े थे जयदीप अहलावत

जयदीप अहलावत ने बताया कि मनोज बाजपेयी ने 'पाताल लोक' सीजन 1 में उनके काम की तारीफ की तो वह रो पड़े थे। उन्होंने कहा 'जब पाताल लोक सीजन 1 रिलीज हुआ था, तो मनोज भाई ने मुझे रात में फोन किया और मुझसे 15-20 मिनट बात की। मैं इसे जिंदगी भर नहीं भूलूंगा। उसके बाद, मैं बहुत रोया।' उस समय मनोज बाजपेयी ने जयदीप अहलावत से कहा 'एक इंस्टिट्यूशन खोलो, और मैं तुम्हारा छात्र बनूंगा।'

अनिश्चितता में हैं बॉलीवुड के कलाकार

मनोज बाजपेयी ने बॉलीवुड एक्टर्स में अनिश्चितता की भावना के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'हमारी इंडस्ट्री में, एक्टर्स कभी एक-दूसरे की तारीफ नहीं करेंगे। वे कभी किसी के काम की तारीफ करने के लिए कॉल नहीं करेंगे, क्योंकि वे बहुत इनसिक्योर होते हैं। मैं अब भी लोगों को काम मांगने के लिए कॉल करता हूं। क्योंकि मैं पैदाइशी संघर्ष करने वाला इंसान हूं।'

मनोज और जयदीप साथ में कर चुके काम

'द फैमिली मैन 3' से पहले, मनोज बाजपेयी और जयदीप अहलावत ने 2012 में 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'चटगांव' में साथ काम किया था। 'द फैमिली मैन' के नए सीजन में, मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का अपना रोल फिर से निभाया है, जबकि जयदीप अहलावत ने विलेन रुक्मा का रोल किया है।

द फैमिली मैन 3 की कास्ट

'द फैमिली मैन 3' के निर्देशक राज एंड डीके हैं। शो में मनोज बाजपेयी, निमरत कौर, अश्लेषा ठाकुर, शारिब हाशमी, प्रियमणि और जयदीप अहलावत अहम रोल में हैं। 21 नवंबर से यह शो अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है।

अलहदा है 'बिग बॉस 19' की ट्रॉफी का डिजाइन इस सीजन के विजेता को क्या-क्या मिलेगा इनाम?

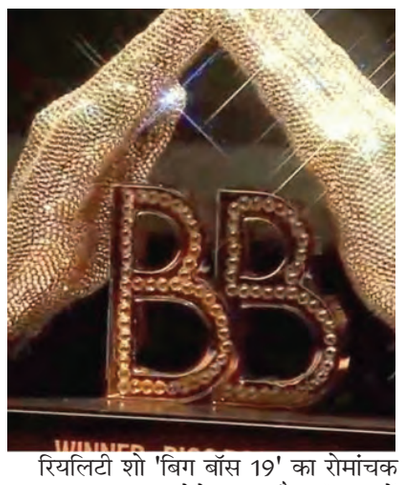

रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' का रोमांचक सफर आज खत्म होने वाला है। टॉप 5 में गौरव खन्ना, अमाल मलिक, प्रणीत मोरे, तान्या मित्तल और फरहाना भट्ट पहुंचे हैं। दर्शक दिल थामकर विनर के एलान का इंतजार कर रहे हैं। यह शो कई मायनों में खास रहा। इस बार शो की ट्रॉफी के डिजाइन ने भी खूब ध्यान खींचा है। वहीं, लोग यह जानने के लिए भी उत्सुक हैं कि विनर को इस बार चमचमाती ट्रॉफी के अलावा और क्या-क्या मिलेगा?

खास है ट्रॉफी का डिजाइन

मालूम हो कि बिग बॉस के 19वें सीजन की थीम 'घरवालों की सरकार' थी। प्रतिभागियों को घर के अंदर खुद फैसले लेने की छूट दी गई। इसी थीम की तर्ज पर ट्रॉफी डिजाइन की गई है। ट्रॉफी में दो हाथ बने हुए हैं। कथित तौर पर इन पर चांदी, क्रिस्टल या हीरे जड़े हैं। हाथों को इस तरह दिखाया गया है, जो जुड़ते हुए एक छत का डिजाइन बना रहे हैं। ट्रॉफी में नीचे की तरफ क्रिस्टल जड़ा हुआ सोने के फ्रेम वाला बिग बॉस का साइन बना है।

विजेता को क्या मिलेगा प्राइज?

बिग बॉस 19 के विजेता का एलान कुछ देर में हो जाएगा। आज 07 दिसंबर को शो का ग्रैंड फिनाले है। पांच फाइनल प्रतिभागियों में से जो भी जीतेगा उसे यह चमचमाती ट्रॉफी मिलेगी। इसके अलावा इनाम राशि मिलेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विजेता को 50 से 55 लाख रुपये तक की प्राइज मनी मिल सकती है। हालांकि, विनर की प्राइज मनी को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विनर के नाम के एलान के साथ सलमान खान इसे लेकर खुलासा करेंगे।

कब और कहां देख सकेंगे शो का ग्रैंड फिनाले?

'बिग बॉस 19' का ग्रैंड फिनाले काफी रोमांचक होने वाला है। कई कंटेस्टेंट अपनी धांसू परफॉर्मेंस से चार चांद लगाएंगे। दर्शक इस शो का ग्रैंड फिनाले को रात नौ बजे जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं। ओटीटी के अलावा शो का ग्रैंड फिनाले कलर्स चैनल पर रात 10:30 बजे देख सकते हैं।

फैंस के साथ धर्मेंद्र का आज जन्मदिन मनाएगा देओल परिवार, कार्यक्रम में हुआ बड़ा बदलाव

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को निधन हो गया था। अपने 90वें जन्मदिन से चंद दिनों पहले उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा। देओल परिवार ही-मैन की बर्थ एनिवर्सरी को खास अंदाज में मनाने की तैयारी कर रहा है। यह कार्यक्रम खंडाला फॉर्महाउस में नहीं बल्कि ऐसी जगह पर होगा जहां धर्मेंद्र के फैंस भी शमिल हो सकें।

क्यों बदला वेन्यू

हिंदी सिनेमा के मशहूर ही-मैन धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 साल की उम्र में निधन हो गया था। देओल परिवार उनके जन्मदिन (8 दिसंबर) को मुंबई में एक खास श्रद्धांजलि कार्यक्रम के रूप में मनाएगा। पहले यह कार्यक्रम लोनावाला (खंडाला) के फार्महाउस पर होने वाला था, लेकिन अब इसे मुंबई में रखा गया है ताकि ज्यादा से ज्यादा प्रशंसक इसमें शामिल हो सकें।

कब और कहां होगा सेलिब्रेशन

सनी देओल और बॉबी देओल ने फैसला किया है कि धर्मेंद्र के फैंस भी इस मौके पर उन्हें याद कर सकें और श्रद्धांजलि दे सकें। इसलिए फैंस के लिए भी दरवाजे खोल दिए गए हैं। कोई पास या रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं है। इस कार्यक्रम में कोई भी सीधे आ सकता है। धर्मेंद्र की याद में एक भावुक श्रद्धांजलि सभा में चाहने वाले वहां आकर उन्हें याद कर सकते हैं और देओल परिवार से भी मिल सकते हैं। जानिए कब और कहां होगा कार्यक्रम।

कब और कहां?

तारीख - 8 दिसंबर 2025
समय- दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक
स्थान- मुंबई धर्मेंद्र का बंगला, जुहू, 11 वीं रोड जेवीपीडी, जुहू मुंबई

फिल्ममेकर विक्रम भट्ट को पुलिस ने किया गिरफ्तार 30 करोड़ की धोखाधड़ी से जुड़ा है मामला

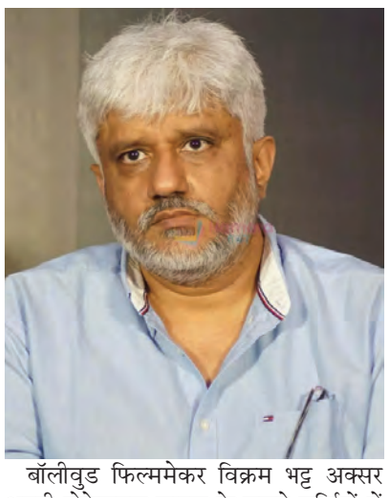

बॉलीवुड फिल्ममेकर विक्रम भट्ट अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के चलते सुर्खियों में रहते हैं. अभी हाल ही में विक्रम से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है कि उन्हे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. 30 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अब विक्रम को जेल जाना पड़ गया है. गौरतलब है कि भट्ट ने पहले एक आधिकारिक बयान में इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा था कि ₹पुलिस को पूरी तरह से गुमराह किया गया है. क्या है ये पूरा मामला और किसने विक्रम भट्ट के खिलाफ की है ।

विक्रम भट्ट को पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजस्थान के उदयपुर इलाके में इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के मालिक डॉ. अजय मुर्डिया ने 17 नवंबर को विक्रम भट्ट समेत 8 लोगों के खिलाफ 30 करोड़ की धोखाधड़ी की FIR दर्ज कराई थी. मुर्डिया ने आरोप लगाया कि भट्ट समेत और उनकी टीम ने एक फिल्म प्रोजेक्ट के लिए उन्हे 30 करोड़ रुपये से इन्वेस्ट करने का लालच दिया था. भट्ट ने उन्हे भरोसा दिलाया था कि फिल्म 200 करोड़ रुपए कमाएगी और मुनाफा होगा.

30 करोड़ की धोखाधड़ी से जुड़ा है मामला

प्रोजेक्ट डॉ. मुर्डिया की दिवंगत पत्नी को श्रद्धांजलि देने के लिए एक जीवनी पर आधारित फिल्म थी. अब हाल ही में उदयपुर और मुंबई पुलिस ने जॉइन्ट ऑपरेशन कर विक्रम भट्ट को मुंबई के यारी रोड इलाके से उनकी साली के घर से पकड़ा. ऐसे में पुलिस ने फिल्ममेकर को उदयपुर ले जाने की कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड की मांग कर डाली.

गिरफ्तारी से पहले विक्रम भट्ट समेत 7 लोगों के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी कर चुकी थी. हालांकि अभी तक विक्रम भट्ट और उनकी टीम से इस गिरफ्तारी को लेकर कोई बयान सामने नहीं आया है. राज, 1920, श्रापित जैसे कई हॉरर फिल्में विक्रम भट्ट ने बॉलीवुड को दी. इसी के साथ विक्रम भट्ट एक्ट्रेस आलिया भट्ट के पिता महेश भट्ट के काफी करीब है.

'धुरंधर' के क्रेज के बीच रणवीर सिंह- दीपिका पादुकोण का वायरल हुआ वीडियो फैंस ने कहा- 'सबसे अच्छी जोड़ी'

रणवीर सिंह इन दिनों अपनी फिल्म 'धुरंधर' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। आज दीपिका पादुकोण और रणवीर एक साथ मुंबई एयरपोर्ट पर दिखाई दिए। फैंस के बीच यह वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। दीपवीर के फैंस उनके इस वीडियो पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं।

दीपिका का लुक

आज दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह को एयरपोर्ट पर बहुत स्टाइलिश लुक में एक साथ देखा गया। इस दौरान दीपवीर ने पैपराजी को जमकर पोज भी दिए। दीपिका ने नीली जींस, सफेद टी-शर्ट और उस पर ऑलिव ग्रीन ट्रेंच कोट पहना हुआ है। बाल खुले रखे, बड़े से सनग्लासेस लगाए और एक बड़ा बैग कैरी किया है।

रणवीर का लुक

वहीं रणवीर ने कार्गो पैंट, काली टी-शर्ट और लेदर जैकेट पहनी हुई है। कैप और सनग्लासेस लगाकर उन्होंने अपना कूल लुक पूरा किया। रणवीर का हैंडसम लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। एयरपोर्ट पर दोनों हाथ में हाथ डाले चलते नजर आए। रणवीर ने फोटोग्राफर्स को मुस्कुराते हुए पोज भी दिए।

फैंस के कमेंट्स

एयरपोर्ट पर दीपिका और रणवीर को एक साथ देखकर फैंस बेहद खुश हैं। एक फैन ने लिखा, 'हमेशा के लिए सबसे अच्छी जोड़ी', एक और फैन ने लिखा, 'बिल्कुल सही एयरपोर्ट लुक', वहीं दीपवीर के कई फैंस कमेंट में लाल दिल वाले इमोजी बरसा रहे हैं।

'धुरंधर' के बारे में

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' इस शुक्रवार 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में रणवीर के अलावा आर माधवन, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल जैसे बड़े सितारे हैं। फिल्म को अच्छी समीक्षाएं मिल रही हैं। इस फिल्म ने आज रविवार को तीसरे दिन अभी तक बॉक्स ऑफिस पर कुल 79.63 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है, जो रात तक बदलेगा।

करीना ने बच्चों की परवरिश को लेकर शेयर की पोस्ट बोलीं- 'मैं नहीं चाहती मेरे बच्चे सिर्फ स्मार्ट हों'

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपनी तस्वीरें और फनी मीम्स भी साझा करती रहती हैं। साथ ही करीना अपने बच्चों को लेकर भी कुछ न कुछ पोस्ट करती रहती हैं। अब एक बार फिर करीना ने बच्चों से जुड़ी एक पोस्ट साझा करते हुए अपने फैंस को हैप्पी संडे बोला है। साथ ही उन्होंने बच्चों की परवरिश को लेकर एक नोट भी साझा किया है।

करनी ने बच्चों के कैरेक्टर को लेकर किया पोस्ट

करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें बच्चों की परवरिश को लेकर एक नोट है। करीना ने जो पोस्ट साझा की है, उसमें लिखा है, 'मैं नहीं चाहती कि मेरे बच्चे सिर्फ स्मार्ट हों। मैं चाहती हूं कि वे दयालु हों। उन लोगों से प्यार करें जो अलग हैं। अपनी आवाज का इस्तेमाल तब भी करें जब वे कांप रहे हों। विश्वास के साथ जिएं, तब भी जब दुनिया मजाक उड़ाए। क्योंकि ग्रेड कम हो जाते हैं, नौकरियां बदल जाती हैं, ट्रॉफियों पर धूल जम जाती है, लेकिन चरित्र? वह हमेशा के लिए है।' इसके के साथ ही करीना ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी संडे दोस्तों।'

मेघना गुलजार की 'दायरा' में नजर आएंगी करीना

वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना हाल ही में नेटफ्लिक्स के डॉक्यूमेंट्री शो 'डाइनिंग विद द कपूर्स' में नजर आई हैं। यह कपूर फैमिली पर आधारित एक शो है। इसमें कपूर खानदान और उनके रिश्तेदार नजर आए हैं। वहीं बड़े पर्दे पर करीना आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित यह एक मल्टी स्टारर फिल्म थी। करीना के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित 'दायरा' शामिल हैं। हालांकि, इसको लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में साउथ एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन प्रमुख भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे।

60 की उम्र में आमिर खान को मिला तीसरी बार प्यार बोले- 'दोनों शादियां टूटीं, फिर भी मैं लकी'

एक्टर आमिर खान ने अपने 60वें बर्थडे पर गौरी स्प्रैट संग अपने रिश्ते को कन्फर्म किया था. इसके बाद से वे लागातार सुर्खियों में रहे. बता दें कि आमिर तलाकशुदा और तीन बच्चों के पिता हैं. उन्होंने दो बार शादी रचाई मगर उनकी दोनों शादियां टूट गईं.

अब दो-दो शादियां टूटने के बाद आमिर खान अब आमिर खान गौरी स्प्रैट संग रिश्ते में है. तीसरी बार प्यार पाने पर हाल ही में उन्होंने अपना हाले दिल बयां किया और खुद को खुशकिस्मत बताया.

खुद बताया खुशकिस्मती

आमिर खान ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे फिर से रिलेशनशिप में होंगे. बकौल आमिर खान, 'वह (गौरी) बेहद शांति और स्थिरता लेकर आई. वह वाकई बेहद कमाल की इंसान है. उससे मिलना मेरी खुशकिस्मती है.मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मेरी शादियां नहीं चलीं, लेकिन मैं रीना, किरण और गौरी को अपनी जिंदगी में पाकर बहुत खुश हूं. एक इंसान के तौर पर उन्होंने मुझमें बहुत बड़ा योगदान दिया है और यह मैं कई तरह से उन्हें मानता हूं.'

कई सालों से एक दूसरे को जानते हैं आमिर-गौरी

उन्होंने आगे कहा कि इन तीनों महिलाओं ने उनकी ज़िंदगी को बहुत बेहतर बनाया है. उनकी व्यक्तित्व को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई है और वह उनका गहरा सम्मान करते हैं. आपको बता दे कि गौरी बेंगलुरु की रहने वाली हैं. उनकी एक 6 साल की बेटी भी है. आमिर और गौरी कई सालों से एक-दूसरे को जानते हैं. हालांकि अब वे रिश्ते में हैं.

पहले से हैं तलाकशुदा

आपको बता दें कि आमिर खान की पहली शादी 1986 से 2002 तक रीना दत्ता से हुई थी और उनके दो बच्चे हैं, जुनैद खान और इरा खान हैं. 2002 में उनका तलाक हो गया. रीना से अलग होने के बाद आमिर खान ने किरण राव से शादी की. दोनों का एक बेटा आज़ाद है. इस शादी में सब कुछ ठीक था मगर अचानक से ये शादी 16 साल बाद टूट गई.

ममूटी - मोहनलाल वर्षों बाद बड़े पर्दे पर मचाएंगे धमाल

मलयालम के एक्टर मोहनलाल और ममूटी वर्षों से एक दूसरे के बहुत अच्छे दोस्त हैं। दोनों एक साथ फिल्म 'पैट्रियट' में काम करने वाले हैं। कई वर्षों के बाद बड़े पर्दे पर दोनों एक साथ वापसी करेंगे। ऐसे में फिल्म के सेट पर ममूटी ने मोहनलाल को सम्मानित किया है। ममूटी ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

ममूटी ने मोहनलाल को किया सम्मानित

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में देखा जा सकता है कि ममूटी एक बेहतरीन शॉल मोहनलाला के ऊपर डाल रहे हैं। इस दौरान सेट पर फिल्म के कई कलाकार मौजूद हैं। ममूटी ने मोहनलाल को यह सम्मान दादासाहेब फाल्के पुरस्कार जीतने की वजह से दिया। वीडियो के कैप्शन में ममूटी ने लिखा 'हमारे प्यारे लालू को, जिन्होंने फाल्के अवॉर्ड जीता। सप्रेम....' वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

ममूटी ने दी थी मोहनलाल को बधाई

मोहनलाल को इंडियन सिनेमा में योगदान देने के लिए हाल ही में साल 2003 का दादासाहेब फाल्के पुरस्कार दिया गया है। एक्टर को पुरस्कार मिलने पर ममूटी ने मोहनलाल को शुभाकामनाएं दी थी। ममूटी ने एक्स पर लिखा था 'एक साथी से ज्यादा, एक भाई और एक कलाकार जो दशकों से सिनेमाई सफर पर है। दादासाहेब फाल्के पुरस्कार सिर्फ एक एक्टर के लिए नहीं, बल्कि एक ऐसे कलाकार के लिए है जिसने सिनेमा को जिया है। फख्र महसूस हो रहा है और आपके लिए खुश हूं। आप इस ताज के हकदार हैं।'

फिल्म 'पैट्रियट' के बारे में

फिल्म 'पैट्रियट' का निर्देशन महेश नारायणन कर रहे हैं। यह एक पॉलिटिकल जासूसी थ्रिलर फिल्म है। इसमें जासूसी, एक्शन और देशभक्ति का मिश्रण देखने को मिलेगा। इसके निर्माता एंटो जोसेफ हैं। इसमें कुंचाको बोबन, फहाद फासिल, नयनतारा और रेवती जैसे शानदार कलाकार होंगे। फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

हैदराबाद में क्यूट फैंस से मिले सलमान खान, वायरल वीडियो में बच्चों संग दिखाई दी भाईजान की प्यारी केमिस्ट्री

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम में अपने छोटे फैंस के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी। उन्होंने बच्चों से मिलने, उनसे बात करने और फोटो खिंचवाने के लिए खास समय निकाला। इस प्यारे पल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और हर किसी का दिल जीत रहा है।

बच्चों से खास मुलाकात

सलमान हैदराबाद के गाचीबोवली स्टेडियम में इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग के दूसरे सीजन के उद्घाटन में पहुंचे थे। वहां मौजूद बच्चों को देखकर सलमान रुक गए। उन्होंने एक-एक करके सभी बच्चों से हाथ मिलाया, उन्हें दुआएं दीं, गले लगाया और फोटो भी खिंचवाई। सलमान से मिलकर बच्चे बेहद खुश नजर आए और खुशी से झूम रहे थे।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

इस समय सलमान खान अपनी आने

वाली फिल्मों में व्यस्त हैं। वे 'बैटल ऑफ गलवान' (गलवान घाटी की लड़ाई पर आधारित वॉर फिल्म) की शूटिंग कर रहे हैं। साथ ही वे 'बिग बॉस सीजन 19' होस्ट कर रहे हैं। कथित तौर पर उनकी आने वाली फिल्म 'टाइगर वर्सेस पठान' भी हैं, जिनका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सीख लीजिए ये एआई स्किल्स, नौकरी की गारंटी पक्की, हर महीने होगी लाखों की कमाई

क्या आप अपने करियर को भविष्य के लिए तैयार करना चाहते हैं? अगर हां तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की दुनिया में गोता लगाने के लिए तैयार हो जाइए. साल 2026 में एआई केवल टेक्नोलॉजिकल चर्चा का विषय नहीं रह जाएगा, बल्कि यह हर इंडस्ट्री की रीढ़ बन जाएगा. एआई को समझने और उसके टूल्स का इस्तेमाल करने वाले प्रोफेशनल्स की डिमांड बढ़ रही है. एआई स्किल्स सीखकर रोजमर्रा की समस्याओं को हल करना और अपनी दक्षता बढ़ाना आसान हो जाएगा.

एआई और मशीन लर्निंग के बढ़ते इस्तेमाल के कारण करियर ऑप्शंस तेजी से बदल रहे हैं. जिन लोगों ने समय रहते ये नई टेक्निकल स्किल्स नहीं सीखीं, उनके लिए मार्केट में टिके रहना मुश्किल हो जाएगा. 2026 में एआई स्किल्स हाई ग्रोथ वाले रोल्स के लिए तैयार करेंगी. ये एआई स्किल्स न केवल आपको हाई सैलरी दिलाएंगी, बल्कि आपकी नौकरी को ऑटोमेशन से भी बचाएंगी. अगर आप चाहते हैं कि कंपनियां आपको काम के लिए सर्च करें तो इन 5 सबसे जरूरी AI स्किल्स को सीखना आज ही शुरू कर दें.

2026 में काम आएंगी ये 5 एआई स्किल्स

ये 5 एआई स्किल्स लगभग हर इंडस्ट्री में काम आएंगी. इनमें दक्षता हासिल करके न सिर्फ करियर में ग्रोथ हासिल होगी, बल्कि नई नौकरियों की लाइन भी लग जाएगी:

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग

आज की सबसे हॉट एआई स्किल यही है! प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग का मतलब है- AI मॉडल्स (जैसे ChatGPT, Gemini) से आप क्या और कैसे पूछें कि वह आपको सबसे सटीक और उपयोगी आउटपुट दे. यह AI के साथ बातचीत करने की कला है. सही प्रॉम्प्ट आपकी प्रोडक्टिविटी को कई गुना बढ़ा सकता है.

क्यों जरूरीः हर क्षेत्र में AI टूल्स का इस्तेमाल हो रहा है. इन्हें सही दिशा देने वाला व्यक्ति ही अब सबसे ज्यादा मूल्यवान है.

सीखने का फायदाः रिसर्च, कंटेंट प्रोडक्शन, कोडिंग और डेटा एनालिसिस में ग्रोथ.

2. जेनरेटिव AI टूल्स का इस्तेमाल

जेनरेटिव AI (जो नया कंटेंट, इमेज या कोड बनाता है) को चलाने की क्षमता 2026 में बेसिक जरूरत बन जाएगी. आपको मिडजर्नी जैसे टूल्स से इमेज बनाना या कोपायलट (CoPilot) से कोड जनरेट करना आना चाहिए.

क्यों जरूरीः यह क्रिएटिविटी और दक्षता बढ़ाता है, जिससे आप कम समय में अधिक काम कर पाते हैं.

करियर लाभः मार्केटिंग, डिजाइन, कंटेंट राइटिंग और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में डायरेक्ट इस्तेमाल.

3. एआई एथिक्स और गवर्नेंस

अब एआई निर्णय लेना शुरू कर रहा है. इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि ये निर्णय निष्पक्ष, सुरक्षित और कानूनी हों. एआई एथिक्स की समझ रखने वाले प्रोफेशनल यह सुनिश्चित करते हैं कि कंपनी का AI इस्तेमाल जिम्मेदार हो.

क्यों जरूरीः लीगल रिस्क और भेदभाव को कम करने के लिए.

करियर लाभः कंप्लायंस (Compliance), कानूनी और पॉलिसी रोल्स में उच्च मांग.

4. एआई डेटा एनालिसिस और विजुअलाइजेशन

AI टूल्स का इस्तेमाल करके बड़े डेटासेट को तेजी से समझना और फिर उन निष्कर्षों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना. यह खास और उपयोगी स्किल आपको सिर्फ डेटा इकट्ठा करने वाले से निर्णय लेने वाले में बदल देती है.

क्यों जरूरीः हर बिजनेस को मार्केट के रुझान समझने और भविष्यवाणी करने के लिए इस स्किल सेट की जरूरत होती है.

सीखने का फायदाः बेहतर बिजनेस स्ट्रैटेजी बनाने में मदद.

5. नो-कोड/लो-कोड AI प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल

बिना गहन कोडिंग नॉलेज के एआई एप्लिकेशन बनाने के लिए लो-कोड या नो-कोड प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करना. यह टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल, दोनों तरह के प्रोफेशनल्स के लिए एआई को सुलभ बनाता है.

क्यों जरूरीः यह संगठनों को तेजी से एआई सॉल्यूशनंस लागू करने में मदद करता है.

करियर लाभः प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और प्रोडक्ट डेवलपमेंट जैसी भूमिकाओं में तेजी से ग्रोथ.

एमबीए के बाद चाहिए हाई सैलरी? करियर का गोल्डन टिकट हैं ये 5 स्पेशलाइजेशन

मौजूदा कॉर्पोरेट जगत में एमबीए की डिग्री करियर ग्रोथ के लिए महत्वपूर्ण सीढ़ी मानी जाती है. हालांकि, केवल एमबीए करना ही पर्याप्त नहीं है. आपको यह भी तय करना होगा कि आप किस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करना चाहते हैं. सही स्पेशलाइजेशन का चुनाव करियर के सही रास्ते और नौकरी में आपकी संतुष्टि को प्रभावित करता है. दुनियाभर में कुछ एमबीए विशेषज्ञताएं न केवर हमेशा डिमांड में बनी रहती है, बल्कि हाई सैलरी वाली नौकरी भी दिलवाती हैं.

एमबीए कोर्स चुनते समय वर्तमान ग्लोबल मार्केट ट्रेंड, भविष्य की नौकरियों की मांग और अपना पर्सनल इंटरेस्ट ध्यान में रखना चाहिए. चाहे आपको स्टैटिस्टिक्स के साथ काम करना पसंद हो, लोगों को मैनेज करना चाहते हों या डिजिटल दुनिया में क्रांति लाना चाहते हों.. एमबीए मजबूत बेस प्रदान करता है. इन दिनों डेटा, टेक्नोलॉजी और cus-tomer-centricity पर फोकस करने वाली विशेषज्ञताएं सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं. ये विशेषज्ञताएं छात्रों को न केवल मैनेजीरियल स्किल्स सिखाती हैं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करती हैं.

ये एमबीए विशेषज्ञताएं अच्छी सैलरी वाली नौकरी और फ्यूचर जॉब मार्केट के लिए तैयार कर

सकती हैंः

फाइनेंस

एमबीए इन फाइनेंस सबसे पुरानी और सबसे प्रतिष्ठित विशेषज्ञताओं में से एक है. यह विशेषज्ञता कॉर्पोरेट फाइनेंस, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, फाइनेंशियल एनालिसिस और रिस्क मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों पर फोकस करती है. वित्तीय संस्थानों, बैंक और MNC में फाइनेंस प्रोफेशनल्स की मांग हमेशा रहती है.

करियर विकल्पः फाइनेंशियल एनालिस्ट, इन्वेस्टमेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर, रिस्क मैनेजर.

बिजनेस एनालिटिक्स/डेटा साइंस

डेटा आज के कारोबार की रीढ़ है. एमबीए इन बिजनेस एनालिटिक्स बड़े डेटा सेट को एनालाइज करके व्यावसायिक निर्णय लेने के लिए तैयार करता है. यह एमबीए कोर्स स्टैटिस्टिक्स, मशीन लर्निंग और डेटा विजुअलाइजेशन पर जोर देती है. यह सबसे तेजी से बढ़ती विशेषज्ञताओं में से एक है.

करियर विकल्पः डेटा साइंटिस्ट, बिजनेस एनालिस्ट, क्वांटिटेटिव एनालिस्ट.

मार्केटिंग

एमबीए इन मार्केटिंग विशेषज्ञता कंज्यूमर बिहेवियर, ब्रांड मैनेजमेंट, मार्केट रिसर्च और विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में स्किल्स प्रदान करती है. आज के डिजिटल युग में जो कंपनियां प्रभावी ढंग से मार्केटिंग करती हैं, वे ही सफल होती हैं.

करियर विकल्पः मार्केटिंग मैनेजर, ब्रांड मैनेजर, डिजिटल मार्केटिंग हेड, मार्केट रिसर्च एनालिस्ट.

ऑपरेशंस मैनेजमेंट

यह विशेषज्ञता किसी भी ऑर्गनाइजेशन के दिन-प्रतिदिन के प्रोडक्शन और डिस्ट्रिब्यूशन प्रक्रियाओं को मैनेज करने पर केंद्रित होती है. इसमें सप्लाई चेन मैनेजमेंट, लॉजिस्टिक्स और प्रोसेस इंप्रूवमेंट शामिल हैं. ई-कॉमर्स और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में इसकी बहुत मांग है.

करियर विकल्पः ऑपरेशंस मैनेजर, सप्लाई चेन मैनेजर, कंसल्टेंट, लॉजिस्टिक्स मैनेजर.

इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी

एमबीए इन आईटी बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन को टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ता है. यह विशेषज्ञता आईटी स्ट्रैटेजी, सिस्टम मैनेजमेंट और साइबर सिक्योरिटी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लीडरशिप रोल्स के लिए तैयार करती है. यह उन लोगों के लिए बेहतरीन है, जो टेक्नोलॉजी बैकग्राउंड से हैं.

करियर विकल्पः आईटी कंसल्टेंट, चीफ इनफॉर्मेशन ऑफिसर (CIO), प्रोजेक्ट मैनेजर, सिस्टम्स एनालिस्ट.

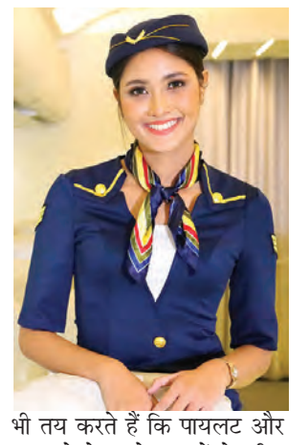

हफ्ते में कितने घंटे काम कर सकते हैं पायलट और एयर होस्टेस? आराम के लिए भी बने हैं सख्त नियम

भारत में एविएशन इंडस्ट्री में कार्यरत एयर होस्टेस (केबिन क्रू) और पायलट की जॉब्स काफी डिमांडिंग और आकर्षक मानी जाती हैं. हालांकि, इन नौकरियों की चमक के पीछे सख्त नियम और कठोर वर्किंग आवर्स छिपे होते हैं, जिनका सीधा संबंध यात्रियों की सुरक्षा से है. नागरिक उड्डयन महानिदेशालय इन ड्यूटी घंटों को कंट्रोल करने वाली टॉप संस्था है. नागरिक उड्डयन महानिदेशालय का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि फ्लाइंग क्रू अत्यधिक थकान के कारण कोई गलती न करे.

एक थका हुआ पायलट या एयर होस्टेस उड़ान सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हो सकता है. इसलिए, ड्यूटी के घंटों को वैज्ञानिक रूप से डिजाइन किया जाता है, जिसमें उड़ान का समय, ग्राउंड ड्यूटी, तैयारी का समय और अनिवार्य आराम का समय शामिल होता है. नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के नियम, जिन्हें फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियम कहा जाता है, क्रू मेंबर्स के काम और आराम की सीमाओं को निर्धारित करते हैं. ये नियम यह

भी तय करते हैं कि पायलट और एयर होस्टेस को उड़ानों के बीच कितना लंबा आराम मिलना चाहिए.

एयर होस्टेस और पायलट कितने घंटे ड्यूटी करते हैं?

रात की उड़ानों, लगातार ड्यूटी घंटों और लंबी यात्राओं के लिए नियम और भी सख्त होते हैं. सभी एयरलाइन के लिए इन नियमों का सख्ती से पालन करना अनिवार्य है. ये फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियम सुनिश्चित करते हैं कि क्रू मेंबर हमेशा शारीरिक और मानसिक रूप से सतर्क रहें, जिससे उड़ान के दौरान किसी भी आपात स्थिति को संभालने के लिए वे पूरी तरह तैयार हों.

पायलट के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियम

समय सीमा	अधिकतम ड्यूटी घंटे
1 दिन में	10 से 13 घंटे तक (यह समय उड़ान की प्रकृति और दिन के समय पर निर्भर करता है)
1 हफ्ते में	**अधिकतम 60 घंटे तक**
1 महीने में	अधिकतम 190 घंटे तक
लगातार उड़ानों के बीच अनिवार्य आराम	कम से कम 9 से 12 घंटे
रोचक तथ्य	अगर किसी पायलट को लगातार 7 दिनों तक ड्यूटी पर रखा जाता है तो नागरिक उड्डयन महानिदेशालय नियम के तहत उन्हें 36 घंटे का अनिवार्य आराम देना होता है.

एयर होस्टेस (केबिन क्रू) के लिए नियम

एयर होस्टेस के ड्यूटी घंटे भी फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों के तहत आते हैं और पायलटों के समान ही होते हैं. उन्हें भी उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है.

समय सीमा	**अधिकतम ड्यूटी घंटे**
एक दिन में (उड़ान)	8 से 10 घंटे (लंबी उड़ानों पर एक्स्ट्रा क्रू होता है)
1 महीने में	100 घंटे से अधिक समय
रोचक तथ्य	केबिन क्रू को ड्यूटी शुरू होने से कम से कम 1 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचना होता है. इसे 'रिपोर्टिंग टाइम' कहते हैं. इसे भी ड्यूटी आवर्स में गिना जाता है.

डीजीसीए के नियम क्यों जरूरी हैं?

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के ये नियम क्रू फटीग को रोकने के लिए बनाए गए हैं. अत्यधिक थकान से रिएक्शन टाइम धीमा हो जाता है, जिससे आपातकालीन स्थिति में खतरा बढ़ जाता है. इन नियमों का उल्लंघन करने पर एयरलाइन पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है. ये नियम समय-समय पर अपडेट होते रहते हैं, लेकिन जो बेसिक सीमाएं (जैसे एक दिन में अधिकतम ड्यूटी, साप्ताहिक आराम की जरूरत) हैं, वे लंबे समय से उड़ान क्रू की सुरक्षा और थकान प्रबंधन के लिए मानक हैं.

देश की 5 सबसे मजेदार नौकरियां, खेल-खेल में हो जाएगा काम, बोरिंग जॉब को कह दें गुडबाय

करियर के बारे में सोचने पर दिमाग में डॉक्टर, इंजीनियर या बैंक मैनेजर जैसी पारंपरिक नौकरियां आती हैं. लेकिन अब दुनिया बदल चुकी है! मौजूदा दौर में ऐसे कई मजेदार और रोमांचक करियर ऑप्शन मौजूद हैं, जिनके बारे में शायद आपने कभी सोचा भी न हो. ये नौकरियां न केवल अच्छी कमाई का मौका देती हैं, बल्कि बोरिंग रूटीन से बाहर निकालकर जुनून को करियर में बदलने का मौका भी देती हैं. इन नौकरियों में क्रिएटिविटी, यात्रा और लोगों से जुड़ने का भरपूर मौका मिलता है.

ये करियर विकल्प उन लोगों के लिए बेस्ट हैं, जो अपनी क्रिएटिव एनर्जी का इस्तेमाल प्रोफेशनल लाइफ में करके हर दिन कुछ नया अनुभव और फ्लेक्सिबल लाइफस्टाइल चाहते हैं. भारत की विविध संस्कृति, पर्यटन और डिजिटल क्रांति ने इन 'आउट-ऑफ-द-बॉक्स' नौकरियों को फलने-फूलने का बेहतरीन माहौल दिया है. अगर आप 9 से 5 की डेस्क जॉब से ऊब चुके हैं और अपने काम में 'मजा' लेना चाहते हैं तो इन मजेदार नौकरियों की तैयारी शुरू कर सकते हैं.

भारतीय जॉब मार्केट बहुत तेजी से बदल रहा है और साथ ही लोगों की प्राथमिकताएं भी. हर कोई सिर्फ सैलरी को वरीयता नहीं देता है. कुछ लोग अपने पैशन, कंफर्ट जोन और वर्क लाइफ बैलेंस के लिए भी काम करते हैं. जानिए, देश की 5 ऐसी मजेदार नौकरियां, जिनमें करियर बनाकर आपकी जिंदगी बदल जाएगी:

प्रोफेशनल ट्रैवल ब्लॉगर/व्लॉगर

यह शायद आज की सबसे

मजेदार नौकरी है. ट्रैवल ब्लॉगर या व्लॉगर का काम भारत के अद्भुत कोनों की यात्रा करना, नए अनुभवों को जीना और उन्हें वीडियो या लेख के जरिए दुनिया के सामने पेश करना होता है. इसमें फ्री ट्रिप्स, लग्जरी होटलों में ठहरने और विभिन्न संस्कृतियों का अनुभव करने का मौका मिलता है. यह नौकरी जुनून और कमाई का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है. इनका काम यात्रा करना, कॉन्टेंट बनाना (फोटो/वीडियो) और उसे ब्लॉग या सोशल मीडिया पर पोस्ट करना है.

बीयर या वाइन टेस्टर

सोचिए, आपका काम अलग-अलग तरह की बीयर, व्हिस्की या वाइन का स्वाद लेना और उनकी क्वॉलिटी का मूल्यांकन करना है! वाइन टेस्टर उच्च श्रेणी के होटल, बार्स या शराब बनाने वाली कंपनियों के लिए काम करते हैं. इसमें करियर बनाने के लिए स्वाद के प्रति गहरी समझ और trained palate की जरूरत होती है. यह आर्ट, साइंस और मजेदार स्वाद का कॉम्बिनेशन है. इनका काम स्वाद परीक्षण, गुणवत्ता रिपोर्टिंग, ग्राहकों को पेय पदार्थों के बारे में सलाह देना है.

वीडियो गेम टेस्टर

अगर आपको गेम खेलना पसंद है तो यह आपके लिए सबसे बेहतरीन नौकरी है! वीडियो गेम टेस्टर का काम लॉन्च से पहले नए गेम्स खेलना और उसमें मौजूद टेक्निकल त्रुटियों (bugs) और खामियों को ढूंढना होता है. आपका काम घंटों तक गेम खेलकर यह सुनिश्चित करना है कि वह यूजर के लिए परफेक्ट हो. गेमिंग के शौकीनों के लिए यह ड्रीम जॉब है. इनका मुख्य काम गेम्स के सभी लेवल्स को खेलना, बग्स और ग्लिच को डॉक्यूमेंट करना है. इसके बदले में अच्छी सैलरी मिलती है.

एडवेंचर टूर गाइड

भारत के पहाड़ों, नदियों और जंगलों में रोमांच पसंद करने वालों के लिए एडवेंचर टूर गाइड की नौकरी बहुत मजेदार है. इस काम में ट्रेकिंग, राफ्टिंग, पर्वतारोहण या जंगल सफारी जैसी एक्टिविटीज के लिए ग्रुप्स को गाइड करना शामिल है. यह नौकरी उन लोगों के लिए है, जो ऑफिस की चारदीवारी के बजाय प्रकृति के बीच रहना पसंद करते हैं. इनका मुख्य काम यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, रोमांचक अनुभव प्रदान करना और रूट की योजना बनाना है.

प्रोफेशनल पेट सिटर/डॉग वॉकर

अगर आप जानवरों से प्यार करते हैं तो यह नौकरी एक बेहतरीन विकल्प है. महानगरों में जहां लोग अक्सर काम के कारण घर से दूर रहते हैं, वहां पालतू जानवरों की देखभाल करने या उन्हें टहलाने की मांग तेजी से बढ़ रही है. आपका काम प्यारे कुत्तों या बिल्लियों के साथ खेलना और उनका ख्याल रखना होता है. यह आरामदायक और भावनात्मक रूप से संतुष्टि देने वाली नौकरी है. इनके वर्क प्रोफाइल में पालतू जानवरों को खिलाना, टहलाना और उनके साथ खेलना शामिल है.

यूपीएससी ने निकाली ट्रेडमार्क-जीआई एग्जामिनर के 100 पदों पर भर्ती, 13 दिसंबर से शुरू होगा आवेदन

संघ लोक सेवा आयोग ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कंट्रोलर जनरल ऑफ पेटेंट्स, डिजाइंस एंड ट्रेड मार्क्स में ट्रेड मार्क्स और जियोग्राफिकल इंडिकेशंस (GI) एग्जामिनर पदों के लिए भर्ती अधिसूचना जारी की है। इसके अलावा आयोग में परीक्षा सुधार से जुड़े दो डिप्टी डायरेक्टर पद भी शामिल किए गए हैं। कुल रिक्तियों की संख्या 102 है।

13 दिसंबर से करें आवेदन

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 13 दिसंबर 2025 से शुरू होगी और 1 जनवरी 2026 को समाप्त होगी। आवश्यक शैक्षणिक योग्यता और निर्धारित आयु सीमा के भीतर आने वाले उम्मीदवार यूपीएससी के भर्ती पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।

रिक्तियों व योग्यता का विवरण

यह भर्ती बौद्धिक संपदा कानून व परीक्षा सुधार जैसे विशेष क्षेत्रों के लिए है। ट्रेड मार्क्स एवं जीआई एग्जामिनर के 100 पदों के लिए कानून की डिग्री या संबंधित योग्यता आवश्यक है। आयु सीमा 1 जनवरी 2026 तक 21 से 35 वर्ष रखी गई है। डिप्टी डायरेक्टर (एग्जामिनेशन रिफॉर्म्स) के दो पदों के लिए योग्यता अधिसूचना के अनुसार होगी। आरक्षण नियम एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और दिव्यांग श्रेणी पर लागू होंगे।

आवेदन प्रक्रिया को सही से समझना भी जरूरी

उम्मीदवारों को यूपीएससी ओआरए पोर्टल पर ही ऑनलाइन आवेदन भेजना होगा। साथ ही डिग्री प्रमाणपत्र, पहचान पत्र, श्रेणी प्रमाणपत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे। आयोग ने सलाह दी है कि आवेदन से पूर्व आधिकारिक अधिसूचना में योग्यता, पदनाम, वेतनमान और आरक्षण नियमों का पूरा अध्ययन किया जाए।

चयन प्रक्रिया

चयन प्रारंभिक परीक्षा से शुरू होगा, जिसमें ऑब्जेक्टिव प्रश्न होंगे। इसके बाद लिखित मुख्य परीक्षा आयोजित की जाएगी। सफल अभ्यर्थियों को इंटरव्यू या पर्सनैलिटी टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा। अंतिम चयन के बाद दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल परीक्षा होगी। इस पद पर बेसिक पे 56,100 रुपये प्रति माह है और कुल मासिक वेतन भत्तों सहित लगभग 1,00,000 रुपये से 1,25,000 रुपये तक हो सकता है।

ऐसे करें ऑनलाइन पंजीकरण

UPSC ORA पोर्टल पर जाएं।

"New User? Register" पर क्लिक कर विवरण भरें।

ईमेल-फोन ओटीपी से वेरिफाई करें।

लॉगिन कर पोस्ट का चयन करें।

फोटो, सिग्नेचर व प्रमाणपत्र अपलोड करें।

शुल्क (यदि लागू हो) जमा कर फ़ॉर्म सबमिट करें।

कन्फर्मेशन पेज डाउनलोड कर सुरक्षित रखें।

72284.74 करोड की कमाई... टीसीएस और इन्फोसिस ने रिलायंस को पीछे छोड़ा! पिछले हफ्ते कौन रहा आगे?

नई दिल्ली,7 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते भारत की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से पांच का कुल मार्केट वैल्यूएशन 72,284.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। यह तब हुआ जब बाकी बाजार में ज्यादा हलचल नहीं थी। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस इस हफ्ते सबसे ज्यादा फायदे में रहीं। यानी इन दोनों कंपनियों ने पिछले हफ्ते मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की पीछे छोड़ दिया। इससे पहले कई हफ्ते तक रिलायंस इंडस्ट्रीज फायदे में रह रही थी। पिछले हफ्ते भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के मूल्यांकन में गिरावट आई।

किस कंपनी को कितना फायदा?

टीसीएस ने सबसे ज्यादा 35,909.52 करोड़ रुपये का इजाफा किया। इससे टीसीएस का कुल मार्केट कैप बढ़कर 11,71,862.37 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस ने भी अच्छी छलांग लगाई। इसके मूल्यांकन में 23,404.55 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई, जिससे इसका कुल मूल्यांकन 6,71,366.53 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अन्य फायदे में रहने वाली कंपनियों में बजाज फाइनेंस ने 6,720.28 करोड़ रुपये जोड़े। इससे इसकी बाजार वैल्यू 6,52,396.39 करोड़ रुपये हो गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 3,791.9 करोड़ रुपये बढ़कर 12,01,832.74 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक में थोड़ी बढ़ोतरी हुई, जो 2,458.49 करोड़ रुपये की रही। इससे इसका मार्केट कैप 9,95,184.46 करोड़ रुपये हो गया।

इन कंपनियों को हुआ नुकसान

रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा झटका लगा। इसके मूल्यांकन में 35,116.76 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 20,85,218.71 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी को 15,559.49 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका मार्केट कैप 5,50,021.80 करोड़ रुपये हो गया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मूल्यांकन 7,522.96 करोड़ रुपये गिरकर 8,96,662.19 करोड़ रुपये पर आ गया।

एचडीएफसी बैंक 5,724.03 करोड़ रुपये फिसलकर 15,43,019.64 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। लार्सन एंड टुब्रो को भी 4,185.39 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। हफ्ते के अंत में इसका मूल्यांकन 5,55,459.56 करोड़ रुपये रहा।

सबसे मूल्यवान कंपनियां

भले ही बड़ी कंपनियों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, लेकिन रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी और एलआईसी का स्थान रहा।

सोना 67% उछलने के बाद अगले एक साल में कहां तक पहुंचेगी कीमत?

नई दिल्ली,7 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने ने इस साल भारतीय निवेशकों को मालामाल कर दिया है। सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की चमक बरकरार है। इसने घरेलू बाजार में अब तक करीब 67% का शानदार रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर दुनिया के हालात और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल फिलहाल जैसी ही बनी रहती है या रुपया और कमजोर होता है तो 2026 तक सोने की कीमत 10 ग्राम पर 5 से 16% तक और बढ़ सकती है। हालांकि, सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब होने के कारण विशेषज्ञों की सलाह है कि सोच-समझकर और अनुशासित तरीके से ही निवेश करना चाहिए। दिल्ली सराफा संघ के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 1 जनवरी को दिल्ली में सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो 5 दिसंबर को बढ़कर 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। यह बढ़ोतरी सोने की सुरक्षित निवेश की मांग, वैश्विक अनिश्चितताओं और केंद्रीय बैंकों की ओर से ब्याज दरें घटाने की उम्मीदों के कारण हुई है। मेहता इक्विटीज लि. के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी) राहुल कलंत्री ने कहा, 'इस साल सोने ने बहुत अच्छा रिटर्न दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें अब तक करीब 60 फीसदी बढ़ी हैं। इसकी मुख्य वजह सुरक्षित निवेश की मांग, दुनिया में चल रहे तनाव और बड़े केंद्रीय बैंकों की ओर से ब्याज दरें कम करने की उम्मीद है। भारत में तो यह रिटर्न और भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 फीसदी चढ़ चुकी है। इसकी एक और वजह डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और वैश्विक स्तर पर मजबूत संकेत हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने शेयर बाजार और बॉन्ड जैसे दूसरे निवेशों से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। इसने साबित कर दिया है कि जब दुनिया में अनिश्चितता और अस्थिरता का माहौल हो तो सोना सबसे भरोसेमंद साथी है।' इसकी तुलना में, इक्विटी शेयरों पर नजर डालें तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने 3 दिसंबर तक 6.7 फीसदी और 5.1 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं, 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 फीसदी का रिटर्न मिला। सोने की कीमतों में आई इस तेजी के पीछे के कारणों पर कलंत्री ने विस्तार से बताया। 'दुनिया भर में आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर के कमजोर होने का रुख, महंगाई की चिंता और उससे बचाव की जरूरत ने निवेशकों के लिए सोने को एक आकर्षक विकल्प बना दिया है। दुनिया भर के केंद्रीय बैंक और बड़े निवेशक भी बड़े पैमाने पर सोना खरीद रहे हैं। अमेरिका में ब्याज दरें कम होने की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों के महत्वपूर्ण कारण रहे हैं। इसके साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों को और बढ़ा दिया है।'आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लि. के डायरेक्टर थॉमस स्टीफन ने भी इन बातों की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई की लगातार चिंताएं और ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने जैसी सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की ओर खींचा है। दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी और त्योहारों के मौसम में सोने की मांग बढ़ने से भी कीमतों में तेजी आई है।'

अगले साल के लिए सोने के बाजार के बारे में बात करते हुए कलंत्री ने कहा, 'अगर दुनिया के हालात और रुपये-डॉलर की दरें फिलहाल जैसी ही बनी रहती हैं या रुपया और कमजोर होता है तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम को पार कर सकती है।

आयकर के बाद अब कस्टम्स की बारी... सरकार करने जा रही बड़े बदलाव, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने क्या कहा?

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार कस्टम्स को और पारदर्शी बनाने और नियमों का पालन आसान बनाने को लेकर जल्द ही कस्टम्स में बड़े सुधार करने जा रही है।

यह जानकारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को दी। उन्होंने कहा कि कस्टम्स विभाग में पूरी तरह से बदलाव की जरूरत है ताकि लोगों को इसे पालन करने में आसानी हो और यह थकाने वाला या मुश्किल न लगे। वित्त मंत्री ने बताया कि सरकार ने पहले ही आयकर अधिनियम में सुधार किए हैं ताकि इनकम टैक्स को एक थकाने वाला काम न माना जाए। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं, फेसलेस असेसमेंट (बिना किसी अधिकारी से मिले टैक्स का मूल्यांकन) शुरू किया गया है और टैक्स प्रशासन में सुधार किए गए हैं।

कस्टम्स में लानी होंगी अच्छी बातें

निर्मला सीतारमण ने कहा कि अब यही सब अच्छी बातें कस्टम्स में भी लानी हैं। उनका लक्ष्य ऐसी तकनीक का इस्तेमाल करना है जिससे अधिकारियों के कम से कम दखल से सामान की जांच और क्लीयरेंस हो सके और मनमानी खत्म हो।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से जब सरकार की अगली बड़ी सुधार योजनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ने कहा, कस्टम्स मेरा अगला सबसे बड़ा सफाई अभियान है। हम इस पर बड़े पैमाने पर विचार कर रहे हैं। हमने पिछले दो सालों में कस्टम्स ड्यूटी को लगातार कम किया है, लेकिन जिन कुछ चीजों पर ड्यूटी अभी भी ज्यादा है, उन्हें भी हम कम करेंगे।

जीएसटी रिफॉर्म का दिखेगा पूरा असर

सीतारमण ने यह भी कहा कि जीएसटी दरों में कटौती का असर त्योहारी महीनों में दिखा है। उन्होंने बताया कि जीएसटी का पूरा असर मध्यम अवधि में दिखेगा और लोगों की खर्च करने की आदतों का आकलन करने की जरूरत है।

वैश्विक खाद्य कीमतों में गिरावट, दूध-तेल चीनी सस्ता; लगातार तीसरे माह कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। वैश्विक महंगाई के दबाव के बीच नवंबर उपभोक्ताओं के लिए राहत भरा महीना साबित हुआ। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुताबिक लगातार तीसरे महीने विश्व स्तर पर खाद्य कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। दूध, तेल, चीनी और मीट जैसी प्रमुख वस्तुएं सस्ती हुईं, जबकि अनाज समूह में बढ़ोतरी देखी गई। एफएओ का वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक नवंबर में 125.1 पॉइंट रहा, जो अक्तूबर 2025 की तुलना में 1.2 फीसदी कम है और मार्च 2022 के रिकॉर्ड स्तर से करीब 22 फीसदी नीचे आ चुका है।

एफएओ की सितंबर 2025 की ताजा रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में बढ़ती महंगाई के बीच खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नवंबर में बड़ी नरमी दर्ज हुई। सूचकांक अक्टूबर के मुकाबले गिरा और वर्ष दर वर्ष आधार पर भी यह नवंबर 2024 की तुलना में 2.1 फीसदी नीचे रहा। अनाज को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख श्रेणियों दूध, तेल, चीनी और मीट में कीमतें घटीं, जिसने उपभोक्ताओं को काफी राहत प्रदान की।

गेहूं और मक्के में उछाल

दूसरी ओर अनाज मूल्य सूचकांक नवंबर में 105.5 अंक रहा जो अक्टूबर की तुलना में 1.8 और कुल मिलाकर 1.3 फीसदी ऊपर है। हालांकि यह अभी भी पिछले वर्ष की तुलना में 5.3 फीसदी नीचे बना हुआ है। गेहूं के दाम वैश्विक स्तर पर 2.5 फीसदी बढ़े। इसकी वजह चीन द्वारा अमेरिका से बड़े आयात, ब्लैक सी क्षेत्र में तनाव और रूस में अगले वर्ष की फसल के लिए कम बुवाई का अनुमान रहा। मक्के के दाम ब्राजील में मजबूत मांग और अर्जेंटीना-ब्राजील में बारिश से आपूर्ति बाधित होने के कारण बढ़े। जौ और ज्वार के भाव भी ऊपर गए, जिन पर सोयाबीन की बढ़ती वैश्विक कीमतों का सीधा

असर दिखा। इसके विपरीत, चावल मूल्य सूचकांक नवंबर में 1.5 फीसदी घटा। उत्तरी गोलार्ध में फसल कटाई की शुरुआत और इंडिका व सुगंधित चावल की कमजोर आयात मांग ने कीमतों को नीचे खींचा।

पाम, सूरजमुखी और डेयरी में गिरावट

खाद्य तेल मूल्य सूचकांक नवंबर में 165 अंक पर रहा और इसमें 2.6 फीसदी की कमी आई। पाम, सूरजमुखी और रेपसीड तेल के दाम घटे, जबकि सोया तेल ब्राजील में बायोडीजल की मांग बढ़ने से थोड़ा महंगा हुआ।मलेशिया में पाम तेल का उत्पादन अपेक्षा से अधिक रहने और क्रूड ऑयल के सस्ते होने का स्पष्ट प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर दिखा।

चीनी में तीखी गिरावट, उत्पादन बढ़ने की उम्मीद

चीनी मूल्य सूचकांक नवंबर में 88.6 अंक रहा जो अक्टूबर से 5.9 और पिछले साल से 29.9 फीसदी कम है। लगातार तीसरे महीने चीनी सस्ती हुई और लगातार दूसरे महीने इंडेक्स दिसंबर 2020 के बाद के सबसे निचले स्तर पर रहा।

ब्राजील में गन्ने का बड़ा हिस्सा इस बार इथेनॉल की जगह चीनी उत्पादन में गया, जिससे वैश्विक आपूर्ति मजबूत हुई। भारत में 2025-26 फसल वर्ष की अच्छी शुरुआत और थाईलैंड में अनुकूल मौसम ने भी उत्पादन बढ़ने के अनुमान को मजबूती दी, जिससे कीमतों पर दबाव और बढ़ा।

अब हवाई जहाज उड़ाना भी सिखाएंगे अडानी!

820 करोड़ में खरीद ली ये बड़ी कंपनी

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। तम अडानी का कारवां अब सिर्फ एयरपोर्ट चलाने तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि अब वे आसमान में उड़ने वाले जहाजों और उन्हें उड़ाने वाले पायलटों की ट्रेनिंग पर भी अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। अडानी ग्रुप ने एविएशन सेक्टर में एक और बड़ी छलांग लगाते हुए फ्लाइट सिमुलेशन टेक्नीक सेंटर में बड़ी हिस्सेदारी खरीद ली है। यह सौदा 820 करोड़ रुपये की एंटरप्राइज वैल्यू पर हुआ है।

अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने यह कदम प्राइम एयरो सर्विसेज के साथ मिलकर उठाया है। इस डील की गूंज पूरे एविएशन बाजार में सुनाई दे रही है। आइए समझते हैं कि इस डील के क्या मायने हैं और यह कैसे पूरे सेक्टर की तस्वीर बदल सकती है।

सिर्फ सौदा नहीं, यह है आगे की तैयारी

अडानी समूह के लिए यह अधिग्रहण महज व्यापार का विस्तार नहीं है, बल्कि एक 'इकोसिस्टम' तैयार करने की कोशिश है। एफएसटीसी कोई छोटी-मोटी कंपनी नहीं है; यह भारत की सबसे बड़ी इंडिपेंडेंट फ्लाइट ट्रेनिंग कंपनी है। जब आप सुनते हैं कि भारत में पायलटों की कमी है या ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है, तो एफएसटीसी जैसी कंपनियां ही उस कमी को पूरा करती हैं।

इस कंपनी के पास गुरुग्राम और हैदराबाद में अत्याधुनिक सिमुलेशन सेंटर हैं। इसके अलावा, हरियाणा के भिवानी और नारनौल में इनके बड़े फ्लाइंग स्कूल भी चलते हैं। यानी, अब अडानी ग्रुप के पास पायलटों को जमीन पर ट्रेनिंग देने से लेकर उन्हें आसमान में उड़ाने तक का पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद होगा।

एफएसटीसी में क्या है खास ?

दरअसल, एफएसटीसी के पास 11 फुल-फ्लाइट सिमुलेटर और 17 ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट हैं। सबसे खास बात यह है कि इनके ट्रेनिंग प्रोग्राम को न केवल भारत के डीजीसीए से, बल्कि यूरोपियन यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी से भी मान्यता मिली हुई है।

इसका सीधा मतलब है कि यहां से ट्रेनिंग लेने वाले पायलटों की साख पूरी दुनिया में होती है। अडानी एंटरप्राइजेज का मानना है कि सिमुलेटर-बेस्ड ट्रेनिंग भविष्य की जरूरत है। यह न केवल सुरक्षित है, बल्कि असली जहाज उड़ाने की तुलना में काफी सस्ती भी पड़ती है। विशेषकर डिफेंस और कमर्शियल पायलटों की ट्रेनिंग में इससे एफिशिएंसी कई गुना बढ़ जाती है।

एक छत के नीचे मिलेंगी सारी सुविधाएं

इस डील का सबसे बड़ा असर यह होगा कि अडानी ग्रुप अब एविएशन सेक्टर का 'वन-स्टॉप सॉल्यूशन' बन जाएगा। अडानी के पास पहले से ही एयर वर्क्स और इंडामर टेक्निक्स जैसी कंपनियां हैं, जो विमानों की मरम्मत और रखरखाव का काम करती हैं। अब एफएसटीसी के जुड़ने से यह सर्कल पूरा हो गया है। मतलब कंपनी को अपने जहाज के रखरखाव के लिए कहीं और जाने की जरूरत नहीं होगी और न ही अपने पायलटों की ट्रेनिंग के लिए किसी दूसरी एजेंसी को तलाशना होगा। अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के सीईओ आशीष राजवंशी ने भी इसे एक 'इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म' बनाने की दिशा में अगला कदम बताया है।

कब सुधरेंगे इंडिगो के हालात? एयरलाइन ने बता दी तारीख

आज भी 400 फ्लाइट हुईं कैंसिल

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिगो एयरलाइन के यात्रियों के लिए संडे का दिन भी मुश्किलों भरा रहा। रविवार को इंडिगो की करीब 400 फ्लाइट कैंसिल हुईं। वहीं एयरलाइन ने वह तारीख बताई है जब कंपनी अपने नेटवर्क को सामान्य कर लेगी। इससे यात्रियों को राहत भरी सांस मिलेगी। इंडिगो ने रविवार को कहा कि वह 10 दिसंबर तक अपने नेटवर्क को सामान्य करने की राह पर है। कंपनी ने बताया कि फ्लाइट ऑपरेशन में काफी सुधार हुआ है, जिसके बाद पिछले कुछ दिनों से हो रही बड़ी गड़बड़ियों से यात्रियों को हो रही परेशानी कम होगी। एक बयान में इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि फ्लाइट कैंसिलेशन कम हो गए हैं, समय पर उड़ानों का प्रतिशत बढ़ा है और लंबित मामलों को निपटाने के लिए ग्राहक सहायता प्रक्रियाओं को मजबूत किया जा रहा है। एयरलाइन ने अपने सामान्य संचालन की बहाली के अनुमान को भी संशोधित किया है। अब उन्हें विश्वास है कि 10 दिसंबर तक सामान्य परिचालन बहाल हो जाएगा। इससे पहले एयरलाइन ने कहा था कि 15 दिसंबर तक हालात सामान्य होंगे।

आज ज्यादा उड़ानें हुई संचालित

बयान के अनुसार इंडिगो अपने नेटवर्क में और महत्वपूर्ण और निरंतर सुधार लागू कर रही है। कंपनी ने पुष्टि की कि आज 1,650 से अधिक उड़ानें संचालित हो रही हैं, जो कल यानी शनिवार के लगभग 1,500 उड़ानों से अधिक है। यह भी बताया गया कि उनकी ऑन-टाइम परफॉरमेंस भी सुधरकर 75 प्रतिशत हो गई है, जो एक दिन पहले लगभग 30 प्रतिशत थी।

कैंसिलेशन की दी जानकारी

एयरलाइन ने आगे कहा कि कैंसिलेशन की सूचना दिन में पहले ही दे दी गई थी, जिससे यात्रियों को जल्दी सूचित किया जा सके। रिफंड और सामान से संबंधित प्रक्रियाओं पर भी पूरी तरह से काम चल रहा है, चाहे बुकिंग सीधे की गई हो या किसी एजेंट के माध्यम से। इंडिगो ने यात्रियों से एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट की रियल-टाइम स्थिति जांचने का आग्रह किया है। उन्होंने स्थिति और रिफंड अपडेट के लिए ऑनलाइन लिंक भी प्रदान किए हैं। नागर विमानन महानिदेशालय ने इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स और उनके अकाउंटबल मैनेजर को औपचारिक रूप से कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट, सोने के भंडार में बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते एक हफ्ते में गिरावट आई है। देश के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनके मुताबिक 28 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 1.88 अरब डॉलर की गिरावट आई है और अब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 686 अरब डॉलर रह गया है। 21 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज की गई थी और यह 4.4 अरब डॉलर घटकर 688 अरब डॉलर रह गया था। अब लगातार दूसरे सप्ताह भी इसमें कमी दर्ज की गई है।

सोने के भंडार में तेजी रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए) का है, जो 557 अरब डॉलर है। इसमें 3.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। हालांकि सोने के भंडार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसमें 1.6 अरब डॉलर की तेजी आई है और यह 105 अरब डॉलर पहुंच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार $704.885 billion के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में मामूली बढ़ोतरी हुई है। बीते सप्ताह के दौरान एसडीआर में 6.3 करोड़ डॉलर की मामूली बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर 18 अरब डॉलर का हो गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में भी 1.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब अपना आईएमएफ रिजर्व बढ़ कर4.7 अरब डॉलर का हो गया है।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-37
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-37
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - पौष कृष्ण पक्ष सोमवार 08 Dec
तिथि - चतुर्थी 16-03 तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - पुष्य 02-52 रात्रि तक उप आश्लेषा
योग - ब्रह्म 17-01 तक उप ऐन्द्र
करण - बालव 16-03 तक कौलव
श्रीदीपनारायण पुरी पुण्य

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक मे	वृश्चिक...	04-57 बजे
चंद्र	कर्क मे	धनु.....	06-11 बजे
मंगल	वृश्चिक मे	मकर...	09-18 बजे
बुध	वृश्चिक मे	कुंभ....	11-17 बजे
गुरु	मिथुन मे	मीन.....	12-46 बजे
शुक्र	वृश्चिक मे	मेष.....	14-22 बजे
शनि	मीन मे	वृष....	16-07 बजे
राहु	कुंभ मे	मिथुन..	18-06 बजे
केतु	सिंह मे	कर्क...	20-22 बजे
		सिंह---	22-32 बजे
		कन्या---	00-38 बजे
		तुला----	03-00 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 07-59 09-22

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
अमृत	06-37 - 07-59 शुभ	चंचल	17-37 - 19-18 शुभ
काल	07-59 - 09-22 अशुभ	रोग	19-18 - 20-55 अशुभ
शुभ	09-22 - 10-45 शुभ	काल	20-55 - 22-32 अशुभ
रोग	10-45 - 12-08 अशुभ	लाभ	22-32 - 00-08 शुभ
उत्पात	12-08 - 13-31 अशुभ	उत्पात	00-08 - 01-45 अशुभ
चंचल	13-31 - 14-54 शुभ	शुभ	01-45 - 03-22 शुभ
लाभ	14-54 - 16-18 शुभ	अमृत	03-22 - 04-59 शुभ
अमृत	16-18 - 17-37 शुभ	चंचल	04-59 - 06-37 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप नए काम शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित महसूस कर सकते हैं, जो आपकी ऊर्जा और भावनात्मक गहराई से प्रेरित है। संवेदनशीलता आपकी रचनात्मकता को बढ़ा सकती है, लेकिन मूड स्विंग आपको विचलित कर सकता है। जमीन पर बने रहें और अपने जुनून को केंद्रित प्रयास में लगाएं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी । आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दे । आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपका आत्मविश्वास बहुत अधिक है, और आप अपने काम या पढ़ाई में कार्रवाई करने के लिए तैयार महसूस करते हैं। स्पष्ट संचार आपको नए अवसरों को पहचानने और उन्हें प्राप्त करने में मदद करता है। बहुत जल्दी कार्य करने से सावधान रहें, क्योंकि धैर्य आपको चीजों को सुचारू रखने में मदद करेगा।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आपका आत्मविश्वास काम या शिक्षा में साहसिक कदम उठाने की आपकी क्षमता को बढ़ाता है। रचनात्मक सोच स्मार्ट समाधान और नए दृष्टिकोण की ओर ले जाती है। सीखने और प्रगति के अवसर आपके लक्ष्यों का विस्तार करते हैं। सहकर्मियों या गुरुओं के साथ सहयोगात्मक संबंध सहयोग को बढ़ाते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी रचनात्मकता निखरती है, और आपका अंतर्ज्ञान कार्यस्थल की गतिशीलता के प्रति आपकी समझ को निखारता है। तार्किक सोच आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करती है, जिससे आपको निरंतर प्रगति करने में मदद मिलती है। जैसे-जैसे परिस्थितियाँ बदलती हैं, आपका लचीलापन आपको सहज रूप से अनुकूलन करने में मदद करता है, जिससे आप आगे बढ़ते रहते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा आपके करियर में निरंतर प्रगति का समर्थन करते हैं। अनुशासन आपको केंद्रित रहने में मदद करता है, भले ही भावनात्मक तीव्रता आपको थोड़े समय के लिए विचलित कर दे। अपने काम में सुंदरता को पहचानना तनाव को कम करता है और सहयोग को बढ़ावा देता है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे । पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे हालाँकि ये कदम कुछ मुशिकल हो सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका दिन शांत, केंद्रित काम के अनुकूल हो सकता है, जहाँ धैर्य से काम आता है। रचनात्मक या विचारशील कार्यों का मार्गदर्शन करने के लिए अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा करें, लेकिन ध्यान भटकाने वाली चीज़ों या अवास्तविक लक्ष्यों से बचने के लिए सतर्क रहें। अपनी कल्पनाशील प्रवृत्ति को अपनाने से प्रेरणा मिल सकती है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप प्रेरित महसूस करते हैं और त्वरित निर्णय लेने के लिए तैयार हैं। नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं, इसलिए कार्य करने के लिए तैयार रहें। शांत रहने और बहस से बचने की कोशिश करें। शांत ध्यान के साथ, आप काम या अध्ययन में बेहतरीन परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपका नेतृत्व सबसे अलग है, लेकिन आप कार्यस्थल पर दूसरों से थोड़ा दूर महसूस कर सकते हैं। अपने शब्दों से सावधान रहें, क्योंकि ईमानदारी तनाव पैदा कर सकती है। अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें और जल्दबाजी से बचें। मजबूत ऊर्जा और तेज सोच आपको साहसिक समाधान खोजने में मदद करती है, खासकर जब सावधानी और संतुलन के साथ काम किया जाता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप आगे बढ़ रहे हैं , वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे । आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले । आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा । अच्छा काम करते रहे । अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है । आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

तिरुमला में शुरू हुई वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए बुकिंग

हर दिन दी जाएगी 1000 टिकट, दोपहर 3 बजे खुलेगी टिकट विंडो

तिरुपति, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वैकुंठ द्वार दर्शन तिरुमला मंदिर का सलना और अत्यंत पवित्र आयोजन है, जो वैकुंठ एकादशी (30 दिसंबर 2025) से शुरू होकर 8 जनवरी 2026 तक चलेगा। इस दौरान स्वर्ग द्वारम भक्तों के लिए खोला जाता है। भीड़ को ध्यान में रखते हुए टीटीडी ने टिकटिंग, खास दर्शन और व्यवस्थाओं में कई बदलाव किए हैं ताकि सभी को सुगम दर्शन मिल सके।

वैकुंठ द्वार दर्शन, जिसे वैकुंठ एकादशी दर्शन भी कहा जाता है, तिरुमला मंदिर का सबसे पवित्र और खास आयोजन है। यह साल में सिर्फ एक बार, वैकुंठ एकादशी के दिन होता है, जो भगवान विष्णु को समर्पित शुभ तिथि मानी जाती है। इस दिन मंदिर में एक विशेष द्वार वैकुंठ द्वारम या स्वर्ग द्वारम खोला जाता है, जो पूरे साल बंद रहता है। भक्त मानते हैं कि इस द्वार से होकर गुजरना मोक्ष का मार्ग पाने जैसा है और आत्मिक रूप से बहुत शुभ माना जाता है।

साल 2025 में वैकुंठ एकादशी 30 दिसंबर को पड़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए टीटीडी ने 10 दिनों का वैकुंठ द्वार दर्शन का पूरा शेड्यूल जारी किया है, जो 30 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक चलेगा। लाखों भक्तों के आने की तैयारी को देखते हुए, टीटीडी ने टिकटिंग, विशेष दर्शन और भीड़ प्रबंधन में कई बड़े बदलाव किए हैं, ताकि सभी भक्तों को सुरक्षित और सुगम दर्शन का अनुभव मिल सके।

श्रीवाणी दर्शन की ऑनलाइन बुकिंग

वैकुंठ द्वार दर्शन के पहले तीन दिनों के टिकट पहले ही e-DIP सिस्टम के जरिए लॉटरी के रूप में भक्तों को दिए जा चुके हैं, ताकि सभी को बराबर मौका मिल सके। बाकी बचे 7 दिनों के लिए अब श्रीवाणी दर्शन टिकट ऑनलाइन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आज सुबह 10 बजे से रोजाना 1,000 टिकट जारी होंगे। जो भी भक्त दर्शन करना चाहते हैं, वे टीटीडी के आधिकारिक पोर्टल पर लॉगिन करके सीधा ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

300 रु स्पेशल एंट्री दर्शन टिकट

श्रीवाणी कोटे के साथ-साथ टीटीडी आज से 300 रु वाले स्पेशल एंट्री दर्शन टिकट भी जारी करेगा। ये टिकट दोपहर 3 बजे से ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। हर दिन 15,000 टिकटों का कोटा रखा गया है। इससे भक्तों को वैकुंठ द्वार दर्शन के शुभ दिनों में दर्शन का एक और मौका मिल जाएगा।

बुकिंग होगी आसान

टीटीडी ने हर श्रेणी के लिए अलग-अलग कोटा और स्पष्ट शेड्यूल जारी किया है, ताकि भक्तों को सहज और बिना किसी परेशानी के बुकिंग एक्सपीरियंस मिल सके। क्योंकि तिरुमला में यह समय ज्यादा धार्मिक और महत्वपूर्ण माना जाता है, इसलिए भक्तों को जल्दी बुकिंग करने की सलाह दी जा रही है।

स्मृति मंधाना-पलाश मुछाल की शादी कैंसिल

स्मृति ने लिखा- मामले को यहीं खत्म करना चाहती हूं अब आगे बढ़ने का वक्त

इंदौर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और सिंगर पलाश मुछाल की शादी कैंसिल हो गई है। स्मृति और पलाश ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर इसकी जानकारी दी। दोनों की शादी 23 नवंबर को होनी थी। संगीत से लेकर हल्दी के कार्यक्रम हो चुके थे। बारात की तैयारियां चल रही थीं। ऐसे में 23 नवंबर की सुबह स्मृति के पिता को हार्ट अटैक आने के बाद शादी पोस्टपोन कर दी गई थी।

शादी टलने के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैलने लगीं। दावा किया गया कि पलाश ने स्मृति के साथ धोखा किया है और उनका नाम वेडिंग कोरियोग्राफर से जोड़ा गया। इसी बीच, स्मृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शादी से जुड़ी सभी तस्वीरें हटा दी थीं।

स्मृति ने पोस्ट में लिखा- पिछले कुछ हफ्तों से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं, इसलिए मुझे लगा कि इस समय मुझे खुद इस बारे में बात कर देनी चाहिए। मैं

बहुत निजी स्वभाव की इंसान हूं और अपनी प्राइवेसी बनाए रखना चाहती हूं, लेकिन यह साफ करना जरूरी है कि शादी अब कैंसिल हो गई है।

मैं चाहती हूं कि यहीं इस मामले को खत्म कर दिया जाए और आप सभी से भी यही अनुरोध है कि इस विषय को आगे न बढ़ाएं। कृपया इस समय दोनों परिवारों की निजी जिंदगी का सम्मान करें और हमें थोड़ा समय दें, ताकि हम अपनी भावनाओं को संभाल सकें और आगे बढ़ सकें।

पलाश ने इंस्टा स्टोरी में लिखा- मैंने अपने जीवन में आगे बढ़ने और अपनी निजी रिश्ते से पीछे हटने का फैसला किया है। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल स्थिति रही है, खासकर तब जब लोग बिना किसी आधार के फैल रही अफवाहों पर इतनी आसानी से रिएक्ट करते हैं। जो चीज मेरे लिए सबसे पवित्र थी, उसी पर ऐसी बातें होना बेहद दुखद है। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर है, और मैं इसे अपनी मान्यताओं पर टिके रहते हुए शांत और सम्मानजनक तरीके से संभालूंगा।

मैं सच में उम्मीद करता हूं कि हम एक समाज के रूप में यह सीखें कि किसी के बारे में बिना सत्यापित खबरों और अनजान सोर्स वाली गॉसिप पर भरोसा करके तुरंत फैसला न करें। हमारे शब्द कभी-कभी ऐसे घाव दे सकते हैं जिनकी गहराई हम समझ भी नहीं पाते।

मेरी टीम उन लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी जो झूठी और बदनाम करने वाली बातें फैला रहे हैं। इस कठिन समय में जिन्होंने मेरे साथ खड़े होकर मेरा साथ दिया, उनके लिए मैं दिल से धन्यवाद करता हूं।

स्मृति और पलाश की मुलाकात साल 2019 में हुई थी। दोनों मुंबई में एक दोस्त के जरिए मिले थे। फिर दोनों के बीच दोस्ती हो गई, जो प्यार में बदल गई। दोनों ने अपनी रिलेशनशिप को चुपचाप आगे बढ़ाया। करीब 5 साल बाद यानी 2024 में दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में फैंस को बताया।

कोलकाता में विशाल गीता पाठ में शामिल हुए लाखों लोग

आयोजक बोले- सामाजिक सद्भाव बढ़ाना मकसद

कोलकाता, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों से आए लाखों श्रद्धालुओं, साधुओं और साध्वियों ने कोलकाता के प्रसिद्ध ब्रिगेड परेड मैदान में आयोजित विशाल भगवद गीता पाठ में हिस्सा लिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

भगवा वस्त्र पहने साधु एक साथ गीता की प्रतियों से श्लोक पढ़ रहे थे। इस कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी और विधायक अग्निमित्रा पॉल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता तथा स्वामी प्रदीप्तानंद महाराज (कार्तिक महाराज) और धीरेंद्र शास्त्री जैसे प्रमुख धर्मगुरू भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

'पंच लाखो कंठे गीता पाठ' नाम से आयोजित यह कार्यक्रम सनातन संस्कृति संसद की ओर से कराया जा रहा है, जिसमें अलग-अलग मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों से जुड़े साधु-संत शामिल हैं। अग्निमित्रा पॉल ने कहा, गीता केवल हिंदुओं के लिए नहीं, यह 140 करोड़ भारतीयों के लिए है।

आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम का मकसद बंगाल की आध्यात्मिक विरासत को याद करना और धार्मिक ग्रंथों के माध्यम से सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना है। इसे राज्य ही नहीं, शायद देश में अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक गीता पाठ माना जा रहा है। कार्तिक महाराज ने कहा, विभाजन के माहौल में आध्यात्मिक साधना शांति और दिशा दे सकती है।

पांच लाख लोगों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन मेडिकल सेवाओं की विस्तृत व्यवस्था की गई है। तीन बड़े मंच बनाए गए हैं और कोलकाता के मध्य क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

आध्यात्मिक कार्यक्रम का नेतृत्व गीता मनीषी महामंडल के स्वामी ज्ञानानंदजी महाराज कर रहे हैं, जबकि योग गुरु बाबा रामदेव सहित कई प्रमुख साधुओं को भी आमंत्रित किया गया है।

खदान के आसपास रहने वाले लोगों के फेफड़े को नुकसान

बच्चों के खून में लेड, सरकार ने लोकसभा में बताया

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में खनन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों के फेफड़ों में गंभीर खराबी और शरीर में भारी धातुओं के संपर्क में आने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। यह जानकारी लोकसभा में पेश किए गए नए आंकड़ों से सामने आई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अध्ययनों का हवाला देते हुए पुष्टि की है कि खनन पट्टियों में रहने वाले लोगों को सीधे खनन में लगे श्रमिकों के समान ही स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है।

राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान ने कोयला खदानों के पास रहने वाले 1,202 लोगों पर एक अध्ययन किया। इसमें पाया गया कि 14.3% श्रमिकों, 10% पर्यवेक्षी कर्मचारियों और 7.8% स्थानीय निवासियों के फेफड़ों का कार्य असामान्य था। छाती के एक्स-रे में 2.5% श्रमिकों, 2.3% पर्यवेक्षकों और 2.7% निवासियों में फेफड़ों में फाइब्रोसिस (फेफड़ों का सख्त होना) पाया गया।

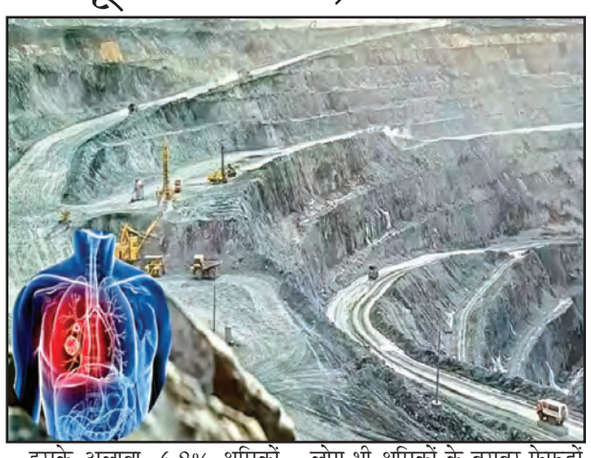

इसके अलावा, 6.8% श्रमिकों और 8% निवासियों में पारा मर्करी का स्तर सीमा से अधिक पाया गया। यह दर्शाता है कि प्रदूषण सिर्फ काम करने वाली जगहों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आस पास के एरिया में भी फैल रहा है।

सर गंगा राम अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. धीरेन गुप्ता ने कहा, 'यह पैटर्न बताता है कि कोयले की महीन धूल और सिलिका घरों, स्कूलों और सामुदायिक स्थानों तक पहुंच रही है।" उन्होंने आगे कहा, 'जो खनन से जुड़े न हों, ऐसे लोग भी श्रमिकों के बराबर फेफड़ों की समस्या से जूझ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि बच्चे और परिवार भी बिना सुरक्षा के काम के स्तर के प्रदूषण का सामना कर रहे हैं।'

राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में, रामपुरा की अगूचा खदान के पास रहने वाले बच्चों के खून में सीसे यानी लेड का स्तर अन्य बच्चों की तुलना में अधिक पाया गया। हालांकि, शोधकर्ताओं को विषाक्तता या आईक्यू में गिरावट का पता नहीं चला। ओडिशा के अंगुल और दमनजोड़ी में, ICMR के एक आकलन में समुदाय के सदस्यों में क्रमशः 2.35% और 2.04% श्वसन संबंधी समस्याएं पाई गईं।

विशेषज्ञों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ये नतीजे पर्यावरण की देखरेख में बड़ी खामियों की ओर इशारा करते हैं। अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल, दिल्ली की पल्मोनोलॉजी की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. प्रीत्पाल कौर ने कहा, 'अगर निवासियों के फेफड़ों में संरचनात्मक बदलाव दिख रहे हैं, तो यह साफ संकेत है कि धूल को नियंत्रित करने और उत्सर्जन को कम करने के उपाय पर्याप्त नहीं हैं।'

उन्होंने यह भी कहा कि समुदाय स्तर पर प्रदूषण का फैलना, धूल को ठीक से न रोकना, पर्याप्त हरियाली न होना और पुरानी धूल नियंत्रण तकनीक का इस्तेमाल होना दर्शाता है। इन चेतावनियों के बावजूद, खनन कंपनियों ने सरकार को बताया कि वे प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही हैं। कोल इंडिया लिमिटेड ने डेटा जारी कर बताया कि वह 64 अस्पताल, 300 डिस्पेंसरी और 18 मोबाइल वैन चलाती है। वहीं, NLC India Ltd और सिंगारेनी कोलियरीज व्यावसायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य जांच करती हैं।

लेकिन सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि ये पहल खनन समुदायों के लिए आवश्यक दीर्घकालिक निगरानी के लिए काफी नहीं हैं। PSRI अस्पताल की डॉ. नीतू जैन ने कहा, 'स्वास्थ्य शिविर और मोबाइल इकाइयां कभी-कभी लगती हैं और बुनियादी होती हैं।' उन्होंने जोर दिया, 'केवल नियमित जांच, विशेषज्ञ क्लीनिक और पर्यावरण ऑडिट वाले व्यवस्थित कार्यक्रम ही बीमारियों का जल्दी पता लगा सकते हैं और स्थायी नुकसान को रोक सकते हैं।'

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि वह श्वसन रोगों से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रमों को चलाने के लिए कोयला मंत्रालय और जिला अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि नए आंकड़े भारत के खनन क्षेत्रों में अधिक कड़ी निगरानी और मजबूत पर्यावरण सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर बल देते हैं।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह को लॉरेंस गैंग ने धमकी दी

कहा- सलमान खान के शो में गए तो कभी काम नहीं कर पाओगे, रंगदारी भी मांगी

बलिया, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह को लॉरेंस गैंग ने धमकी दी है। रियलिटी शो बिग बॉस के 19वें सीजन के ग्रैंड फिनाले से पहले उन्हें यह धमकी फोन पर दी गई। उन्हें सलमान खान के साथ स्टेज शेयर न करने की चेतावनी दी गई है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा व्यक्ति बताया।

कॉलर ने कहा, 'अगर सलमान खान के साथ मंच शेयर किया तो आगे कभी काम नहीं कर पाओगे।' उसने पवन सिंह से रंगदारी भी मांगी है। हालांकि यह रकम कितनी है, इसकी अभी सूचना नहीं है। उसने गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी दी है।

घटना के बाद पवन सिंह की टीम ने सुरक्षा एजेंसियों को मामले की जानकारी दी है। मोबाइल नंबर और कॉल डिटेल के आधार पर जांच शुरू हो गई है। पवन सिंह के कार्यक्रम और उनके मूवमेंट को लेकर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

बिग बॉस के 19वें सीजन का फिनाले आज, यानी रविवार को है। यह फिनाले मुंबई के गोरेगांव फिल्म सिटी में होगा। शो 24 अगस्त से शुरू हुआ था और पिछले कई सीजनों की तरह इस बार भी इसे सलमान खान ने होस्ट किया।

फिनाले में पवन सिंह भी शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। सितंबर महीने में पवन सिंह को धमकी दी गई थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। धमकी महाराष्ट्र के बाबा खान के गुंडों ने दी थी। वीडियो जारी कर कहा था- दम है तो बाबा खान के सामने आकर कुछ बोलकर दिखाओ। इसी खतरे को देखते हुए पवन सिंह को अब वाई प्लस सिक्योरिटी दी गई।

महबूबा बोलीं- सरकार की नीति जम्मू-कश्मीर में फेल

डॉक्टर सुसाइड बॉम्बर बना; हम यह नहीं कहते कि हमें पाकिस्तान को दे दो, लेकिन इज्जत तो दो

श्रीनगर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी नीति पूरी तरह से फेल हो गई है। महबूबा ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कश्मीर का मुद्दा उठाया।

PDP प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, हम गांधी के देश से आए हैं, बस अपनी जिंदगी इज्जत से जीने के लिए। हम यह नहीं कह रहे कि हमें पाकिस्तान को दे दो या यहां-वहां फेंक दो। हमें इज्जत दो, हमारे पढ़े-लिखे युवाओं को

इज्जत दो।

पिछले 20 दिनों में यह दूसरी बार है जब महबूबा ने दिल्ली ब्लास्ट के मुद्दे को कश्मीर से जोड़ा है। 16 नवंबर को उन्होंने कहा था कि आपने (केंद्र सरकार) दुनिया को बताया कि कश्मीर में सब कुछ ठीक है, लेकिन कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंज रही हैं।

दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास 10 नवंबर की शाम कार ब्लास्ट हुआ था। जिसमें पुलवामा के रहने वाले डॉ. उमर ने खुद को विस्फोटक समेत उड़ा दिया था। इस हमले में 13 लोगों की मौत हुई, जबकि 20 से ज्यादा घायल हुएथे।

पाकिस्तान में ट्रेन विद्रोहियों के निशाने पर है

इस्लामाबाद, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक बार फिर विद्रोहियों ने जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन पर हमले की कोशिश की है। पाकिस्तानी सेना और सुरक्षाबलों का दावा है कि शनिवार को ट्रेन में भीषण धमाका किया जाने की योजना थी लेकिन समय रहते इसे नाकाम कर दिया गया। यह ट्रेन बीते कुछ महीनों से लगातार बलूच विद्रोहियों को निशाने पर है। इस साल मार्च में बलूच लड़ाकों ने बलूचिस्तान में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन अगवा करते हुए सैकड़ों लोगों को बंधक बना लिया था। इससे पाकिस्तानी सेना और सरकार की दुनियाभर में किरकिरी हुई थी।

डॉन की रिपोर्ट खबर के अनुसार, पेशावर जाने वाली ट्रेन की पटरी पर शनिवार को बलूचिस्तान के नसीराबाद इलाके में अज्ञात चरमपंथियों ने विस्फोटक लगा दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोटक के बारे में सूचना मिलने के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने इलाके की घेराबंदी कर ली और बम को समय रहते निष्क्रिय कर दिया। ट्रेन में विस्फोटक लगाने वाली गुट की जानकारी सामने नहीं आई है।

पाकिस्तान में यह पहली बार नहीं है, जब जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया गया है या इसकी कोशिश की गई है। इस ट्रेन को खासतौर से अशांत बलूचिस्तान में बार-बार निशाना बनाया गया है। इसके चलते कई बार इस ट्रेन को हालिया महीनों में कैंसिल तक करना पड़ा है। ट्रेन को अगवा करने की धमकियों और खुफिया सूचनाओं के चलते रद्द किया गया है।

पाकिस्तान के दो प्रांत बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वां (केपी) में लगातार अशांति देखी गई है। दोनों प्रांतों में लंबे समय से सेना और सरकार के खिलाफ कई तरह विद्रोह देखे गए हैं। खासतौर से बलूचिस्तान में बीएलए जैसे गुटों ने पाकिस्तान की सरकार असीम मुनीर के नेतृत्व वाली सेना के खिलाफ जंग का ऐलान किया हुआ है। बीएलए ने पाकिस्तानी सुरक्षाबलों और सरकारी ढांचे को लगातार निशाना बनाया है।

इंदौर में बीजेपी नेता को गला काटने की धमकी

महिला से छेड़छाड़, विरोध करने पर पति से मारपीट

इंदौर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर के तिलक नगर में एक छेड़छाड़ रोकने पर बीजेपी नेता राजा कोठारी को गला काटने की धमकी दी गई। आरोपियों ने महिला और उसके पति से भी मारपीट की। पुलिस ने साधारण मारपीट और धमकाने के मामलों में एफआईआर दर्ज की है और नेता के आवेदन के बाद जांच शुरू कर दी गई है।

रात करीब 10 बजे संविद नगर सब्जी मंडी के पास 25 साल की महिला अपने पति के साथ जा रही थी। तभी सुमित बौरासी उर्फ बेरा और उसका साथी काली ने महिला को आपत्तिजनक कमेंट्स कर छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपियों ने महिला और उसके पति के साथ मारपीट की और महिला का हाथ भी पकड़ा।

विवाद रोकने पहुंचे थे राजा कोठारी

इस दौरान बीजेपी के सह मीडिया प्रभारी राजा कोठारी अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और झगड़ा रोकने की कोशिश की। आरोपियों ने उन्हें भी गला काटने की धमकी दी।

तिलक नगर पुलिस ने महिला की शिकायत पर सुमित और काली के खिलाफ साधारण मारपीट और धमकाने के मामलों में एफआईआर दर्ज की। घटना के बाद बीजेपी नेता और अन्य निवासी थाने पहुंचे और अधिकारियों को विवाद की जानकारी दी।

राजा कोठारी ने पुलिस को आवेदन देकर बताया कि आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और गर्दन काटने की बात कही। पुलिस अफसरों ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

कैटी पेरी और जस्टिन ट्रूडो: प्यार की नई कहानी!

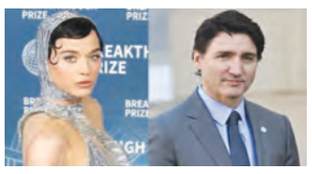

ओटावा, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का दिन अमेरिकन सिंगर कैटी पेरी पर आ गया है। दोनों काफी समय से रिलेशनशिप में थे और अब कैटी ने ट्रूडो के साथ अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया है। कैटी पेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जस्टिन ट्रूडो के साथ ढेर सारी तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिसमें दोनों को एक-साथ देखा जा सकता है। इनमें एक तस्वीर हाल ही जापान ट्रिप की है, जहां दोनों साथ में गए थे। कैटी पेरी के द्वारा शेयर किए गए एक अन्य वीडियो में दोनों साथ में खाना खाते दिखाए दे रहे हैं। कैटी ने अपने रिश्ते का खुलासा ऐसे समय किया है, जब जापान के पूर्व प्रधानमंत्री के द्वारा शेयर की गईं तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं।

रूस ने यूक्रेन पर 700 हवाई हमले किए

जंग रोकने के लिए यूएस-यूक्रेन बातचीत बेनतीजा; फ्रांसीसी राष्ट्रपति बोले थे- धोखा दे सकता है अमेरिका

कीव मास्को, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन में आर्म्ड फोर्सेज डे से पहले रूस ने बड़े पैमाने पर हवाई हमला किया। यूक्रेन एयरफोर्स के मुताबिक रूस ने 29 ठिकानों पर 653 ड्रोन और 51 मिसाइल दागीं। इनमें से 585 ड्रोन और 30 मिसाइल मार गिराई गईं। इससे 8 लोग घायल हुए। कई एनर्जी स्टेशन और रेलवे ढांचे को नुकसान पहुंचा। जापोरेजिया न्यूक्लियर पावर प्लांट कुछ समय के लिए ऑफ-साइट पावर से कट गया, हालांकि रिएक्टर बंद होने के कारण कोई बड़ा खतरा नहीं हुआ।

रूस ने भी यूक्रेन पर हवाई हमले करने का आरोप लगाया है। हमले के बाद यूक्रेनी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच तीन दिनों की वार्ता बिना किसी सफलता के खत्म हो गई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ट्रम्प के शांति दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति के दामाद जेरेड कुशनर के साथ फोन पर बातचीत की थी। वहीं, यूरोपीय नेता सोमवार को लंदन में मिलने की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अमेरिका की नीयत को लेकर आशंका जता चुके हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका, यूक्रेन को धोखा दे सकता है।

यूक्रेन ने रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमले बढ़ाए

रूस ने भी दावा किया कि उसने रातभर में 116 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। साथ ही यूक्रेन ने रूस के रयाजान तेल रिफाइनरी पर लंबी दूरी के ड्रोन से हमला किया। यूक्रेनी सेना और रूसी क्षेत्रीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। पिछले कुछ महीनों से यूक्रेन रूस के तेल रिफाइनरियों पर लगातार हमले कर रहा है, ताकि रूस का तेल निर्यात आय कम हो। रूस भारत जैसे देशों को बड़े पैमाने पर तेल बेचता है। यूक्रेन-अमेरिका का आरोप है कि रूस यहीं तेल बेचकर जंग के लिए हथियार और मिसाइल बनाता है।

जेलेंस्की बोले- रूस ने बिजली स्टेशन को निशाना बनाया

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि हमले का टारगेट बिजली स्टेशन और ग्रिड से जुड़े ढांचे थे। हमलों के कारण कई क्षेत्रों में ब्लैकआउट हुए। फास्टिव (कीव के पास) में एक ड्रोन हमले ने रेलवे स्टेशन को पूरी तरह नष्ट कर दिया। आईएईए के अनुसार, जापोरेजिया प्लांट रात में कुछ समय के लिए बाहरी बिजली से कट गया। रिएक्टर बंद हैं, लेकिन ईंधन को ठंडा रखने के लिए पावर जरूरी है। प्लांट पर अभी भी रूसी सेना का कब्जा है।

यूक्रेन-अमेरिका वार्ता बिना ठोस नतीजा खत्म

हमले के बाद यूक्रेनी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच तीन दिनों की वार्ता बिना किसी सफलता के समाप्त हो गई। ये वार्ताएं फ्लोरिडा में हो रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूत और सलाहकार स्टीव विटकॉफ और ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी इसमें शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा कि विटकॉफ और कुशनर से उन्होंने फोन पर बातचीत की। जेलेंस्की ने बातचीत को सकारात्मक बताया। दोनों पक्षों ने सुरक्षा गारंटी के ढांचे पर सहमति जताई, लेकिन कोई ठोस समझौता अभी नहीं हुआ। जेलेंस्की ने कहा, "असली शांति तभी होगी, जब रूस गंभीरता दिखाएगा।"

वायुसेना में नौकरी दिलवाने के नाम 11.50 लाख ठगे, दंपती पर केस; तीन युवकों से धोखाधड़ी

शिमला, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। वायुसेना में नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से 11।50 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। स्टेट सीआईडी क्राइम ने तीन साल से प्रदेश में चल रहे फर्जीवाड़े में हमीरपुर के कक्कड़ निवासी पंकज कुमार और उसकी पत्नी वर्षा देवी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी नौकरी दिलवाने के नाम पर कई तरह के झांसे देते रहे, लेकिन न नौकरी मिली और न ही रकम लौटाई।

पैसे वापस मांगने पर उन्होंने परिजनों को बच्चों का भविष्य खराब करने की धमकी भी दी गई। इस मामले में सीआईडी थाना भराड़ी में केस दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता विजय कुमार निवासी हमीरपुर ने शिकायत में बताया कि वर्ष 2022 में उनकी भांजी उषा देवी के फोन पर आरोपी की पत्नी वर्षा देवी ने दावा किया कि उसका पति पंकज पैसे लेकर भारतीय वायुसेना में भर्ती करवाता है। इस पर उन्होंने पंकज से बात की।

पंकज ने उनके दोनों बेटों सचिन कुमार और नितिन कुमार को भर्ती करवाने के लिए 8 लाख की मांग की। उन्होंने दिसंबर 2022 और जनवरी 2023 में कुल 5।90 लाख रुपये पंजाब नेशनल बैंक हमीरपुर के खाते में ऑनलाइन जमा करवाए जबकि 2।10 लाख रुपये की राशि नगद दी। आरोपी ने शिकायतकर्ता के जीजा सुरेंद्र कुमार से भी उनके बेटे को भर्ती करवाने के नाम पर 3।50 लाख रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया। दोनों परिवारों से 11।50 लाख रुपये की राशि ऐंठी गई है। जून से अगस्त 2025 के बीच दबाव बढ़ने पर आरोपी ने विजय कुमार की पत्नी रीना कुमारी के खाते में सिर्फ 80 हजार वापस किए।

बेनिन में तख्तापलट

कॉटोनू (बेनिन), 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम अफ्रीका के देश बेनिन में बड़े राजनीतिक उलटफेर की खबर सामने आई, जब एक समूह सैनिकों ने स्टेट टीवी पर अचानक उपस्थिति दर्ज कराते हुए सरकार को भंग करने की घोषणा कर दी।

सैनिकों ने खुद को मिलिटरी कमेटी फॉर रिफाउंडेशन बताया और दावा किया कि देश के राष्ट्रपति तथा सभी राज्य संस्थानों को हटा दिया गया है। सैनिकों के बयान के अनुसार, लेफ्टिनेंट कर्नल पास्कल टिग्री को नई सैन्य समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। टीवी पर यह घोषणा आते ही पूरे देश में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। फ्रांस से 1960 में स्वतंत्रता मिलने के बाद बेनिन ने कई सैन्य तख्तापलट देखे हैं। स्वतंत्रता के बाद शुरुआती दशकों में राजनीतिक अस्थिरता बनी रही। हालांकि 1991 के बाद, माथ्यू केरेकू के दो दशक लंबे शासन के बाद देश में अपेक्षाकृत स्थिर लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित हुई थी। राष्ट्रपति पैट्रिस तालोन 2016 से सत्ता में थे और अगले वर्ष अप्रैल में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के बाद पद छोड़ने वाले थे। उनकी पार्टी के उम्मीदवार, पूर्व वित्त मंत्री रोमुाल्ड वाडागनी, चुनाव में सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे थे।

वहीं, विपक्षी उम्मीदवार रेनॉड अग्बोड्जो को चुनावी आयोग ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उनके पास आवश्यक संख्या में स्पॉन्सर्स नहीं थे, जिससे चुनाव पर पक्षपात के आरोप लगे। पिछले महीने देश की संसद ने राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच से बढ़ाकर सात वर्ष कर दिया, हालांकि कार्यकाल की अधिकतम सीमा दो ही रखी गई है।

पांच दिवसीय भारत दौरे पर अमेरिकी राजनयिक हूकर

वॉशिंगटन, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की अंडर सेक्रटरी ऑफ स्टेट फॉर पॉलिटिकल अफेयर्स एलिसन हुकर 7 से 11 दिसंबर तक भारत के दौरे पर रहेंगी। अमेरिकी दूतावास द्वारा जारी बयान के अनुसार, उनका यह दौरा भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और व्यापार, रक्षा और उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रहेगा।

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एलिसन हुकर की प्राथमिकताओं में अमेरिकी निर्यात को बढ़ावा देना, आर्थिक संबंधों को और गहरा करना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), अंतरिक्ष अनुसंधान तथा अन्य उभरते क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करना शामिल है। इस दौरे के दौरान

एलिसन हुकर नई दिल्ली में वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से मुलाकात करेंगी। वह विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ 'फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशन' में हिस्सा लेंगी, जिसमें इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा, आपसी हितों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी।

इसरो का करेंगी दौरा, कई मुद्दों पर होगा मंथन

इसके बाद वह बंगलूरू जाएंगी, जहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा करेंगी और भारत के अंतरिक्ष व तकनीकी क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच अनुसंधान, नवाचार और ऊर्जा क्षेत्र में संभावित नए सहयोग पर चर्चा होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्राथमिकताओं के तहत यह दौरा 'मजबूत भारत-अमेरिका साझेदारी' और 'मुक्त व खुले इंडो-पैसिफिक' की दिशा में एक और कदम माना जा रहा है, बयान में कहा गया।

3 दिसंबर को यहां आयोजित हुई भारत-अमेरिका संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की 21वीं बैठक और 7वीं डेजिग्नेशन डायलॉग में दोनों पक्षों ने आईएसआईएस, अल-कायदा, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद समेत उनके समर्थकों और सहयोगियों पर संयुक्त राष्ट्र के 1267 प्रतिबंध सूची में और नाम जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। दोनों देशों ने पहलगाम (22 अप्रैल) और दिल्ली के लाल किला क्षेत्र (10 नवंबर) में हुए आतंकी हमलों की निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादियों को सजा मिलनी चाहिए और उन्हें किसी भी प्रकार का समर्थन नहीं मिलना चाहिए।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह बैठक भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की भावना और उसके दायरे को दर्शाती है।

ताइवान के करीब चीन ने बढ़ाई सैन्य गतिविधियां

ताइपे, 7 दिसंबर (एजेंसियां)।

गश्त करते दिखे दो विमान और सात नौसैनिक जहाज

(ताइवान) ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उसके क्षेत्र के आस-पास चीनी सेना (पीएलए) के दो विमान उड़ान भरते हुए और सात नौसैनिक (पीएलएएन) जहाज गतिविधि करते हुए दिखाई दिए। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी देखा गया। मंत्रालय ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक ताइवान के आसपास पीएलए के दो विमानों और पीएलएएन के सात जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी पाया गया। ताइवान के रक्ष बलों ने स्थिति की निगरानी और प्रतिक्रिया दी। ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियां बढ़ गईं।

उस दिन चीन के 29 लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी और छह नौसैनिक जहाजों की गतिविधि देखी गई। इस बीच, जो बाइडन प्रशासन के पूर्व रक्षा अधिकारी एलि रैटनर ने जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बयान को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ताइवान की रक्षा में जापान के शामिल होने की संभावना पर चीन की प्रतिक्रिया अनुचित है। ताइपे टाइम्स के मुताबिक, एलि रैटनर 2021 से इस वर्ष तक हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा सचिव थे। उन्होंने कहा कि ताइवान पर टिप्पणी कर ताकाइची ने केवल जापान की आधिकारिक नीति दोहराई है। सात नवंबर को जापानी प्रधानमंत्री ने संसद में कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो इसे 'जापान के अस्तित्व के लिए खतरा' माना जा सकता है और जापान को कदम उठाना पड़ सकता है। ताकाइची दशकों में पहली जापानी नेता हैं,

जिन्होंने खुलकर कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य में संकट के समय जापान की सेना शामिल हो सकती है। उनके बयान से चीन नाराज हुआ और उसने जापान की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें जापान की यात्रा और शिक्षा पर चेतावनी और जापानी समुद्री भोजन के आयात को रोकना शामिल है।

असीम मुनीर के हाथ में आया पाकिस्तान की परमाणु ताकत का कंट्रोल, बन गए सुपर पावरफुल!

इस्लामाबाद, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में असीम मुनीर की पावर अब और भी ज्यादा बढ़ गई है। असीम मुनीर के हाथ में अब पाकिस्तान की न्यूक्लियर ताकत का बटन लग चुका है। अब न्यूक्लियर ताकत का कंट्रोल मुनीर के हाथ में आ चुका है। हाल ही में शहबाज शरीफ सरकार ने पाकिस्तान के पहले चीफ ऑफ डिफेन्स फोर्सेज (सीडीएफ) के रूप में फील्ड मार्शल असीम मुनीर की आधिकारिक नियुक्ति की है। यह देश में बनाया गया एक नया और शक्तिशाली सैन्य पद है। इस नियुक्ति के साथ ही मुनीर अब तीनों सशस्त्र सेनाओं के शीर्ष प्रमुख बन गए हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखे पोस्ट के अनुसार, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर की थलसेनाध्यक्ष और साथ ही सीडीएफ के रूप में 5 वर्षों के लिए नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

मिलावटखोरी का खेल: किसानों को बेच दी घटिया और मिलावटी खाद, 192 मामले दर्ज, 65 लाइसेंस निलंबित

चंडीगढ़, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में मिलावटी खाद की बिक्री के मामले पिछले वर्षों के मुकाबले इस साल बढ़ गए हैं। ऐसा कर मिलावटखोर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। रसायन और उर्वरक मंत्रालय की तरफ से संसद में पेश की गई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। सरकार ने खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और मिलावट का पता लगाने के लिए नौ महीने के दौरान चेकिंग की और इस दौरान घटिया खाद के 192 मामले सामने आए। इसमें विभाग ने 65 मामलों में विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए और तीन मामलों में एफआईआर भी दर्ज करवाई। इसी तरह खाद की कालाबाजारी पर 37 मामलों में नोटिस जारी किया गया और एक लाइसेंस निलंबित करने के साथ एफआईआर भी दर्ज की गई।

विभाग ने जमाखोरी के 20 मामलों में कार्रवाई की। अगर पिछले वर्ष छह वर्ष 2019-20 से लेकर 2024-25 का रिकॉर्ड देखें तो घटिया खाद के 1152 मामले सामने आ चुके हैं। इसी तरह 16 मामले नकली खाद के भी पकड़े जा चुके हैं। नकली, घटिया और निम्न स्तर के खाद की बिक्री के मामले में सरकार के पास एफसीओ 1985 में प्रशासनिक कार्रवाई और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत जुर्माना लगाने का भी अधिकार है।

कृषि विभाग ने घटिया कीटनाशकों व खाद का पता लगाने के लिए पांच टीमें बनाई हुई हैं। इस साल अप्रैल और जून माह में टीमों की तरफ से विशेष अभियान भी चलाया गया था। इसमें खाद के 737 नमूनों लिए गए थे और साथ ही घटिया मानक की खाद के 11 मामलों का पता लगाया था जिसके चलते 2 एफआईआर भी दर्ज करवाई थी। इसी तरह एसबीएस नगर जिले पिछले साल नवंबर माह में विभाग ने डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) खाद की 50-50 किलो की 23 बोरियों जब्त की थी जिनमें जांच के दौरान नाइट्रोजन और फास्फोरस की कमी पाई गई थी।

अमेरिका में और सख्त हुआ वीजा जांच

एच-1बी और एच-4 आवेदकों को करना होगा ये काम; क्या कहा ट्रंप प्रशासन ने?

वॉशिंगटन, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने अपने 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे के तहत इमिग्रेशन नियमों को और सख्त कर दिया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप काम से जुड़े वीजा नियमों को कड़ा कर रहे हैं और जांच प्रक्रिया को और मजबूत बना रहे हैं। इसके तहत अमेरिका की ट्रंप सरकार ने घोषणा की है कि 15 दिसंबर से एच-1बी वीजा और उनके परिवार (एच-4 आवेदकों की जांच और कड़ी होगी। इसके लिए बनाए गए नए नियमों के तहत सबसे पहले सभी वीजा आवेदकों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'पब्लिक' करना होगा, ताकि अधिकारी उनकी ऑनलाइन गतिविधियों की जांच कर सकें। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वीजा पाना एक अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेष अनुमति है। हर वीजा जांच राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। मामले में अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सभी उपलब्ध जानकारी देखकर ही फैसला लें कि आवेदक को वीजा दिया जाए या नहीं।

भारतीयों में बढ़ी चिंता, समझिए कैसे?

बता दें कि ट्रंप प्रशासन के इस नए और सख्त कदम के बाद अमेरिका में वीजा पर काम करने वाले भारतीयों के लिए थोड़ी-बहुत चिंता बढ़ने की बात कही जा रही है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि एच-1बी वीजा लेने वालों में बड़ी संख्या भारतीय प्रोफेशनल्स की है, इसलिए यह फैसला भारतीयों पर खास असर डाल सकता है। हालांकि इससे पहले भी सितंबर में राष्ट्रपति ट्रंप ने एक आदेश जारी कर नए एच-1बी वीजा आवेदन पर 100,000 डॉलर (लगभग 88 लाख रुपये) की एकमुश्त फीस लगा दी थी।

19 देशों के नागरिकों के ग्रीन कार्ड व अन्य आवेदन होल्ड पर

इसके साथ ही अमेरिका ने 19 संवेदनशील देशों के नागरिकों के ग्रीन कार्ड, नागरिकता और अन्य इमिग्रेशन आवेदन अस्थायी रूप से रोक दिए हैं। यूएससीआईएस ने यह फैसला वॉशिंगटन डीसी में हुई एक फायरिंग घटना के बाद लिया, जिसमें अमेरिकी आर्मी स्पेशलिस्ट सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई और एयर फोर्स सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हुए। गौरतलब है कि इस हमले का आरोपी लाकनवाल (29) अफगान नागरिक है, जो ऑपरेशन एलाइस वेलकम कार्यक्रम के तहत 2021 में अमेरिका पहुंचा था। ऐसे में अमेरिकी सरकार का कहना है कि वह किसी भी तरह के सुरक्षा खतरे को रोकने के लिए ज्यादा सतर्क रहना चाहता है, इसलिए वीजा और इमिग्रेशन प्रक्रियाओं को और कड़ा किया जा रहा है।

दुनिया भर में 80 से अधिक शहरों में एक साथ क्यों हो रहा मार्च

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचादो से जुड़ा है मामला

करकास, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया भर के 80 से अधिक बड़े शहरों में अचानक एक साथ मार्च निकल रहा है। यह देखकर लोग भी हैरान हैं। आखिर ऐसा क्यों है और मार्च निकालने वाले कौन हैं। दरअसल यह मामला हाल ही में नेबोल शांति पुरस्कार जीतने वाली वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचादो से जुड़ा है। यह मार्च मारिया के समर्थन में निकाला जा रहा है। मारिया के समर्थकों ने शनिवार को दुनिया के कई शहरों में मार्च निकाला। इस मार्च के निकाले जाने की वजह अगले हफ्ते होने वाले नोबेल शांति पुरस्कार समारोह से पहले मारिया की जीत का जश्न मनाने और वेनेजुएला की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं पर ध्यान खींचने के लिए है।

मैड्रिड, उट्रेख्त, ब्यूनस आयर्स, लीमा सहित दर्जनों शहरों में लोग सड़कों पर उतरे। मचादो की संस्था ने दुनिया भर में 80 से अधिक शहरों में प्रदर्शन होने की उम्मीद जताई। लीमा में भीड़ मचादो के पोस्टर लिए हुए थी और "मुक्त वेनेजुएला" के नारे लगा रही थी। देश का पीला-नीला-लाल झंडा कंधों पर लटकाए या टोपी पर लगाए प्रदर्शनकारी तख्तियां उठाए हुए थे जिन पर लिखा था – "नोबेल पुरस्कार वेनेजुएला का है"। लीमा में आठ साल से रह रही वेनेजुएला की वेरोनिका दुरान ने कहा, "मचाडो का नोबेल शांति पुरस्कार इसलिए मनाया जा रहा है क्योंकि यह सभी वेनेजुएलावासियों का प्रतिनिधित्व करता है-उन लोगों का जो लोकतंत्र बहाल करने की लड़ाई में शहीद हुए और उन राजनीतिक कैदियों का जो अभी भी जेलों में हैं।

अमेरिका और वेनेजुएला में चल रहा भारी तनाव

ये प्रदर्शन ऐसे वक्त हो रहे हैं जब वेनेजुएला का लंबा संकट निर्णायक मोड़ पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन कैरिबियाई क्षेत्र में बड़ी सैन्य तैनाती कर रहा है और बार-बार वेनेजुएला की धरती पर हमले की धमकी दे रहा है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो इसे अपनी सत्ता खत्म करने की कोशिश मानते हैं। विपक्ष ने भी यह धारणा और मजबूत कर दी है, क्योंकि उसने फिर से वादा किया है कि वह जल्द ही देश की सत्ता संभालेगा। मचादो ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो संदेश में कहा, "हम ऐसे समय से गुजर रहे हैं जब हमारी धैर्य, दृढ़ता और संगठन की परीक्षा ली जा रही है। ऐसे समय जब हमारे देश को और भी अधिक समर्पण की जरूरत है क्योंकि अब इन सभी वर्षों की लड़ाई और वेनेजुएला के लोगों की गरिमा को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मान मिला है।"

मचादो को क्यों मिला पुरस्कार

58 वर्षीय मचादो को 10 अक्टूबर को यह पुरस्कार मिला था। उन्हें दक्षिण अमेरिकी देश में लोकतांत्रिक बदलाव के लिए संघर्ष करने वाली उस महिला के रूप में सम्मानित किया गया "जो बढ़ते अंधेरे के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखती हैं।"मचादो ने विपक्ष के प्राइमरी चुनाव जीते थे और पिछले साल मादुरो के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव लड़ने वाली थीं, लेकिन सरकार ने उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया। उनकी जगह सेवानिवृत्त राजनयिक एडमुंडो गोंजालेज मैदान में उतरे, जिन्होंने पहले कभी चुनाव नहीं लड़ा था। 28 जुलाई 2024 के चुनाव से पहले व्यापक दमन हुआ -अयोग्य घोषित करना, गिरफ्तारियां और मानवाधिकार उल्लंघन किया जाना।

मचादो जब हो गईं थीं भूमिगत

एक वक्त ऐसा भी आया जब वेनेजुएला की विपक्षी नेता मचादो को भूमिगत होना पड़ा था। दरअसल मादुरो के वफादारों से भरे राष्ट्रीय चुनाव परिषद ने मादुरो को विजेता घोषित कर दिया, जबकि विश्वसनीय सबूत इसके विपरीत थे। गोंजालेज को गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद पिछले साल स्पेन में शरण लेनी पड़ी थी। इस बीच मचादो भूमिगत हो गई। 9 जनवरी को करकास में एक कमजोर पड़े प्रदर्शन में शामिल होने के बाद उन्हें कुछ देर हिरासत में लिया गया था। उसके बाद से वे सार्वजनिक रूप से नहीं दिखी। अगले ही दिन मादुरो ने तीसरे छह साल के कार्यकाल के लिए शपथ ली थी।

भाजपा नवनियुक्त पदाधिकारियों की बैठक

सीएम भजनलाल और प्रदेशाध्यक्ष क्या बोले?

जयपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर सुबह नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने संगठन के आगामी कार्यक्रमों, रणनीतियों और प्रदेश में विकास से जुड़े कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना और नई जिम्मेदारियों के अनुरूप कार्यों का समुचित वितरण सुनिश्चित करना था।

CM ने पारदर्शी शासन और जनकल्याणकारी योजनाओं पर दिया जोर

मुख्यमंत्री शर्मा ने पदाधिकारियों को संबोधित करते

हुए कहा कि पार्टी की नीतियों और प्रदेश सरकार के संकल्पों को घर-घर तक पहुंचाना प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पारदर्शी शासन, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और संगठनात्मक सक्रियता को मजबूती देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने सभी पदाधिकारियों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

प्रदेशाध्यक्ष ने संगठन और कार्यकर्ताओं को बताया पार्टी की शक्ति

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने आने वाले महीनों में कार्यक्रमों को मजबूत स्वरूप देने तथा जनता से लगातार संवाद बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

सोशल मीडिया वॉरियर्स मीट में डिजिटल रणनीति पर मार्गदर्शन

इसी क्रम में दोपहर 11:30 बजे कृषि अनुसंधान केंद्र, दुर्गापुरा में सोशल मीडिया वॉरियर्स मीट आयोजित हुई। इस सत्र में भी मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक में सोशल मीडिया टीम को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रभावी उपस्थिति, सही जानकारी जनता तक पहुंचाने और दुष्प्रचार का जवाब देने संबंधी रणनीतियों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया।

'देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने का प्रस्ताव'

जयपुर ग्रामीण सांसद ने पेश किया प्राइवेट मेंबर बिल

जयपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर ग्रामीण से बीजेपी सांसद राव राजेंद्र ने देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने का प्रस्ताव पेश किया है. प्राइवेट मेंबर बिल के रूप में पेश प्रस्ताव कहा गया कि राष्ट्र में हम और आप निवास करते हैं, कई वर्षों से जिस भूमि जिसे हम मां भारती कहते हैं. इसका नाम वास्तविकता में भारत ही है. उपनिवेश काल में अंग्रेजी साम्राज्य ने इसे इंडिया जैसे शब्द से विमोचित किया. उनका कहना है कि संविधान के अनुच्छेद एक में इस बात का उल्लेख करता है कि 'INDIA that is bharat.' भारत जैसे शब्दों को हमने हिंदी साहित्य के रूप में स्वीकार भी किया है और जब संविधान का विमोचन होता है तो भारत शब्द से ही उसका

अलंकरण होता है.

बीजेपी सांसद ने कहा कि संविधान के स्वरूप में, संविधान के विमोचन या अर्थ में, कहीं अनुवाद में कहीं भी अगर कोई दिक्कत आती है तो अंग्रेजी अनुवाद ही माना जाए. जब अंग्रेजी अनुवाद माना जाएगा और भारत का शब्द इंडिया होगा तो भारत जैसे राष्ट्र के संस्कृति और सभ्यता के स्वरूप में भारत जैसे शब्द का वहां होना उपयुक्त रहेगा. इसलिए हमारी संस्कृति और हमारा साहित्य इस बात के लिए हमसे अपेक्षा करता है कि भारत के नाम से इस राष्ट्र का अलंकरण हो.

हमने शहरों के नाम बदले तो भारत क्यों नहीं- राव

उन्होंने कहा, ₹जब भारत के न्याय संहिता भी भारतीय न्याय संहिता हो गई. हमने शहरों के नाम में हमने परिवर्तन कर दिया. बम्बई को मुंबई, मद्रास को चेन्नई, कलकत्ता को कोलकाता और गुड़गांव को गुरुग्राम किया. हम यहां तक आ गए कि हमने शुद्ध नाम का प्रयोग किया. भारत की संस्कृति जिस नाम से सदैव संसार को सभ्यता का बोध कराती है वह भारत ही है और भारत के नाम पर ही हमें संबोधित करना यही हमारा उद्देश्य है.₹

जर्मनी का जिक्र कर दिया ये उदाहरण

राव राजेंद्र ने इतिहास के उदाहरण देते हुए कहा कि जर्मनी जैसा राष्ट्र तो 1800 ईस्वी में भी स्वीकार कर चुका है और कहा था कि भारत उदय होने की कगार में है, जबकि उस समय आसपास ऐसा नजर नहीं आ रहा था. एक बार नहीं अनेक बार, हमारे और अंतरराष्ट्रीय साहित्यकारों ने हमारे राष्ट्र को भारत के नाम से संबोधित किया है. एक स्वतंत्र भारत में हम यह मानते हैं कि भारत के जैसे नाम का विमोचन होना संविधान की मान्यता प्राप्त होने के बाद यह भारत हमारा देश एक ही नाम से कहलाए.

धर्मेंद्र पूनिया 21 किमी के फर्स्ट विनर, सीएम बोले- राजस्थान हमेशा अपने सैनिकों के साथ मजबूती से खड़ा

जयपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में रविवार सुबह सेना की ओर से आयोजित 'जयपुर वेटरन्स ऑनर्स रन' का उत्साह देखने लायक था। सूरज निकलने से पहले ही रामनिवास बाग परिसर और जेएलएन मार्ग पर धावकों की हलचल शुरू हो गई थी।

बता दें कि ठीक सुबह छह बजे हाफ मैराथन की शुरुआत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने फ्लैग ऑफ कर की। इसके बाद वे अल्बर्ट हॉल पहुंचे। जहां उन्होंने आयोजन से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली और उपस्थित जवानों एवं प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

सुबह करीब छह बजे 21 किलोमीटर मैराथन का फ्लैग ऑफ किया गया। धर्मेंद्र पूनिया 21 किलोमीटर मैराथन के फर्स्ट विनर रहे। धर्मेंद्र ने यह दौड़ एक घंटा तीन मिनट 10 सेकेंड में पूरा किया। धर्मेंद्र ने बताया कि वे अभी इंडियन

आर्मी में हैं और आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ पुणे में प्रैक्टिस करते हैं।

बता दें कि 64 साल के सूबेदार लादू सिंह सेना से रिटायर्ड हैं। अभी तीन महीने पहले सर्जरी हुई थी। इसके बावजूद सेना के सम्मान के लिए इन्होंने ऑनर रन में पार्टिसिपेट किया। पांच किलोमीटर दौड़ 24 मिनट में पूरी की।

सीएम भजनलाल शर्मा ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि राजस्थान हमेशा अपने सैनिकों के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि देशवासी आज चैन की नींद सो पाते हैं तो इसका श्रेय उन जवानों को जाता है, जो कठिन परिस्थितियों में सीमाओं की रक्षा करते हैं। उनके त्याग और समर्पण को सम्मान देने के लिए इस रन का आयोजन विशेष महत्व रखता है।

मैराथन तीन श्रेणियों 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी में आयोजित हुई। 21.1 किमी की दौड़ सुबह 6 बजे शुरू हुई। इसके बाद 10 किमी की दौड़ 7 बजे और 5 किमी रन 7:15 बजे शुरू हुई। हाफ मैराथन के लिए 3 घंटे 15 मिनट, जबकि 10 किमी के लिए 1 घंटा 45 मिनट का कट-ऑफ समय रखा गया। 5 किमी रन में किसी भी प्रकार की समय सीमा तय नहीं की गई थी।

आयोजन के चलते JLN मार्ग रविवार सुबह पूरी तरह छावनी जैसा दिखा। सेना के जवानों के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और सुरक्षाकर्मी तैनात रहे। मैराथन के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने कई मार्गों को अस्थायी रूप से बदला। हालांकि, इस दौरान आने-जाने वालों के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

सिंधी कैंप बस स्टैंड से निकलने वाली कई बसों को वैकल्पिक रास्तों से भेजा गया। वहीं, दिल्ली-आगरा रूट पर जाने वाले भारी वाहनों को अन्य मार्गों पर डायवर्ट किया गया। आमजन से अपील की गई कि वे यात्रा के लिए समानांतर मार्गों का उपयोग करें।

जयपुर की सड़कों पर सुबह-सुबह दौड़ते प्रतिभागियों का उत्साह बताता था कि यह केवल एक मैराथन नहीं, बल्कि वीर सैनिकों के सम्मान का प्रतीकात्मक आयोजन था। सेना, प्रशासन और नागरिकों की संयुक्त भागीदारी ने इस 'ऑनर्स रन' को विशेष बना दिया।

21 किलोमीटर : मैराथन सुबह रामनिवास बाग के पिछले गेट से शुरू हुई और जेएलएन मार्ग, त्रिमूर्ति सर्किल, गांधी सर्किल, मालवीय नगर पुलिया, जवाहर सर्किल, जगतपुरा कट, नन्दपुरी तिराहा, नन्दपुरी अंडरपास, हनुमान तिराहा से 50 मीटर पहले यू-टर्न ली।

राजस्थान ने शिक्षा गुणवत्ता में लगाई लंबी छलांग, राष्ट्रीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा

टोंक, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि शिक्षा मानवीय मूल्यों एवं चरित्र निर्माण का आधार होना चाहिए। शिक्षकों को किताबी ज्ञान के साथ बच्चों में व्यवहारिक ज्ञान देने के लिए सार्थक प्रयास करने होंगे, ताकि हमारे बच्चे किसी भी स्तर पर पीछे नहीं रहे। हमारा दायित्व है कि बच्चों में सर्वांगीण शिक्षा का विकास हो तथा वह जिस क्षेत्र में भी जाए वहां अपने देश, समाज एवं परिवार का नाम रोशन करें।

मंत्री मदन दिलावर टोंक के एक निजी रिसोर्ट में पीएम श्री विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के आमुखीकरण कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान में गत दो वर्ष में शिक्षा में कई नवाचार किए गए हैं। इससे न केवल शिक्षा के स्तर में सुधार आया है, बल्कि बच्चों के नैतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान में भी बढ़ोतरी हुई है। देश में राजस्थान ने शिक्षा के स्तर में सुधार को लेकर लंबी छलांग लगाई है। पहले यह 12 वें स्थान पर था, अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह हमारी सरकार की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता एवं संकल्प को दर्शाता है।

बताएंगे मानवीय मूल्यों की आवश्यकता के बारे में

मंत्री ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तीन दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला में समाज की अनेक प्रकार की समस्याओं के समाधान में मानवीय मूल्यों की आवश्यकता के बारे में बताया जाएगा। मानवीय मूल्यों की शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तियों में प्रेम, करुणा, सत्य, अंहिसा, सम्मान और जिम्मेदारी जैसे गुणों का विकास करना है, ताकि बच्चे नैतिक निर्णय ले सके। साथ ही भावनात्मक रूप से बुद्धिमान बनकर समाज व पर्यावरण के प्रति सकारात्मक योगदान दे सकें।

जयपुर में चमत्कार! तेज रफ्तार की टक्कर से कार हवा में उछलकर पलटी

चालक को खरोंच तक नहीं आई, भयानक मंजर देख सहमे लोग

जयपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र में रविवार सुबह एक ऐसा हादसा हुआ, जिसे देखकर मौके पर मौजूद लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। सुबह करीब 7:20 बजे आतिश मार्केट के सामने तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने दूसरी कार को साइड से इतनी जोरदार टक्कर मारी कि टक्कर लगते ही कार हवा में उछलकर कई फीट दूर जाकर पलट गई और उल्टी होकर सड़क पर जा गिरी।

बता दें कि हादसा ठीक उस स्थान पर हुआ, जहां कुछ ही मीटर की दूरी पर पेट्रोल पंप भी मौजूद है। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग और दुकान वाले तुरंत बाहर आए। सड़क पर उलटी पड़ी कार की हालत देखकर किसी बड़े हादसे की आशंका से लोग सहम गए। कार के शीशे टूटकर बिखर गए और बॉडी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

लोगों ने घबराहट में तुरंत कार का दरवाजा खोलने की कोशिश की। कुछ ही क्षणों में आसपास के लोग जुट गए और कार को सीधा करने में मदद की। हैरानी की बात यह रही कि इतनी भीषण टक्कर और कार के हवा में उछलने के बावजूद सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित निकले। किसी को खरोंच तक नहीं आई।

स्थानीय लोगों ने इसे "चमत्कार" बताते हुए कहा, हादसे की रफ्तार और कार की स्थिति देखकर यकीन करना मुश्किल था कि कोई जीवित बचा होगा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को सड़क किनारे हटाया गया।

गांजा तस्करी : शेखावाटी बना नया हॉटस्पॉट

ओडिशा-असम से पहुंच रहा, हरियाणा-दिल्ली तक सक्रिय नेटवर्क

झुंझुनू, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। शेखावाटी अंचल इन दिनों गांजा तस्करी के नए हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में जिले में नशे का अवैध कारोबार तेजी से फैल रहा है और हालात यह हैं कि पुलिस एक वर्ष में एक दर्जन से अधिक बार गांजा पकड़ चुकी है। तस्कर झुंझुनूं और आसपास के इलाकों को सुरक्षित कॉरिडोर समझकर हरियाणा, दिल्ली व अन्य राज्यों तक सप्लाई चेन खड़ी कर चुके हैं।

8 क्विंटल 17.95 किलो गांजे की बड़ी खेप जब्त

तीन नवंबर को डीएसटी और उदयपुरवाटी थाना पुलिस ने झुंझुनूं-सीकर सीमा पर होदयाकांकड़ की ढाणी के पास बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कंटेनर से 8 क्विंटल 17.95 किलो गांजा बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब चार करोड़ रुपए आंकी जा रही है। कंटेनर की छत में अलग से बनाए गए गुप्त कम्पार्टमेंट में गांजा पैक कर ले जाया जा रहा था। चालक संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी सुरेंद्र कुमार (निवासी उदयपुरवाटी) को गिरफ्तार किया। कंटेनर और माल को एनडीपीएस एक्ट में जब्त कर मामला दर्ज किया गया है।

ओडिसा-असम से झुंझुनूं तक सप्लाई चेन

पुलिस की जांच-पड़ताल में सामने आया कि पकड़ा गया गांजा ओडिसा और असम के जंगलों से तस्करी कर झुंझुनूं लाया जा रहा था। यहां से इसे शेखावाटी को ट्रांजिट पॉइंट बनाकर हरियाणा समेत आसपास के राज्यों में खपाया जाता था। पुलिस अब इस सप्लाई चैन, फंडिंग और नेटवर्क के लिंक खंगालने में जुटी है।

इससे पहले 3 अक्टूबर को मंडावरा के पास दिल्ली हाईवे पर ताल स्टैंड से एक अन्य कंटेनर में 10 क्विंटल 14 किलो गांजा पकड़ा गया था। यह गांजा उड़ीसा से झुंझुनूं पहुंचा था। पुलिस ने मामले में गोविंदपुरा निवासी सुभाष गुर्जर व निमावास, दातारामगढ़ निवासी प्रमोद गुर्जर को गिरफ्तार किया था। तस्करी का तरीका भी कंटेनर में गुप्त केबिन बनाकर उसमें छिपाकर लाया गया था। इसकी बाजार में पांच करोड़ रुपए कीमत थी। संयोग से दोनों बड़ी बरामदगियाँ महीने की 3 तारीख को ही सामने आईं। इसके बावजूद पुलिस उस नेटवर्क की जड़ तक नहीं पहुंच पाई है, जो इन दोनों खेपों को संचालित कर रहा है। अब पकड़े गए गांजे की कीमत करीब तीन करोड़ रुपए थी। इससे पहले पुलिस ने 29 जुलाई 2025 को चिड़ावा थानाक्षेत्र 46.9 किलो गांजा जब्त जीप जब्त की थी। पचेरी कलां थानाक्षेत्र में नागालैंड से आ रही 31.5 किलो गांजा की खेप बरामद की थी। सूरजगढ़ थानाक्षेत्र में 22.5 किलो गांजा बरामद कर दो को गिरफ्तार किया गया था। पिलानी थाना क्षेत्र में छोटे सप्लाई मामलों में 500 ग्राम के साथ स्थानीय सप्लायर पकड़े थे। इसके अलावा जिले के अनेक स्थानों पर कम मात्रा में गांजा पकड़ने के दर्जनों मामले हैं।

गांवों तक सप्लाई की आशंका

लगातार मिल रही भारी खेपों से यह संदेह गहरा रहा है कि इतनी मात्रा में गांजा सिर्फ ट्रांजिट के लिए नहीं, बल्कि झुंझुनूं व आसपास के गांवों में भी नशे की सप्लाई तेजी से फैल रही है। युवाओं में बढ़ती लत को लेकर परिवार व समाज भी चिंता जता रहा है।

बड़ी मात्रा में गांजा तस्करी की दो बड़ी कार्रवाई जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पूछताछ के आधार पर अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय गिरोह के अन्य सदस्यों तक जल्द पहुंचेंगे।

एसआइआर के सभी फॉर्म जमा

राजस्थान 100 फीसदी डिजिटाइजेशन वाला देश का पहला राज्य बना

जयपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के तहत प्रदेश के 100 फीसदी मतदाताओं के फॉर्म जमा हो गए। राजस्थान मतदाताओं के 100 फीसदी एसआइआर फॉर्म का डिजिटाइजेशन करने वाला देश का पहला राज्य बन गया। वहीं, प्रदेश में 97 फीसदी से अधिक मतदाताओं की पिछली एसआइआर से मैपिंग हो गई, जिससे कुल मतदाताओं के केवल 3 फीसदी (16.39 लाख) मतदाताओं को ही दस्तावेज पेश करने होंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इस उपलब्धि को "टीम राजस्थान की सामूहिक विजय" बताते हुए कहा कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बीएलओ, सहायक कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और तकनीकी नवाचारों के प्रभावी उपयोग ने इस असाधारण सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है।

मतदाता मैपिंग में भी देश में शीर्ष पर राजस्थान

नवीन महाजन ने बताया कि राज्य ने मतदाता मैपिंग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। 97 फीसदी से अधिक मतदाता मैपिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। अर्थात केवल 3 फीसदी मतदाताओं को ही दावे-आपत्ति चरण में दस्तावेज प्रस्तुत करने हैं। औसतन प्रति बूथ लगभग 30 मतदाता ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी।

कचरे के पैसे कौन खा रहा, बीडीओ ने कहा- जितना काम, उतना ही भुगतान

बाड़मेर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले की रामसर पंचायत समिति की साधारण सभा में शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी और बीडीओ के बीच हुई बहस चर्चा का विषय रही। विधायक भाटी ने सफाई व्यवस्था में बरती जा रही लापरवाही पर बीडीओ से सवाल किया कि आखिर कचरे का पैसा कौन खा रहा है। इस पर बीडीओ ने जबाव दिया कि जितना काम हुआ है सिर्फ उसी का भुगतान किया गया है।

बाड़मेर जिले की रामसर पंचायत समिति की साधारण सभा में स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्राम पंचायतों को मिलने वाले फंड को लेकर शिव विधायक रविन्द्रसिंह भाटी और खंड विकास अधिकारी के बीच बहस हुई। विधायक ने कहा कि उन्होंने कहा कि कचरे के पैसे कौन खा रहे हैं। खंड विकास अधिकारी ने जवाब में कहा कि कोई नहीं खा रहा है। जितना काम हुआ है, उतना ही भुगतान किया गया है । विधायक ने नीति आयोग के पैसे कहां खर्च हो रहे हैं, इसके कागज मांगे। चलते सदन में कागज को लेकर करीब आधे घंटे सदन की कार्यवाही रुकी रही। उन्होंने खंड विकास अधिकारी से कागज लाने को कहा। लेकिन एक कार्मिक छुट्टी पर होने के कारण कागज नहीं मिले। उसके बाद में आगे की कार्यवाही शुरू हुई। इस दौरान बिजली, पानी व अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

सफाई को लेकर विधायक से की थी शिकायत

रामसर पंचायत समिति क्षेत्र के निवासियों ने शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी से क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में बरती जा रही लापरवाही को लेकर शिकायत की थी। जिस पर पंचायत समिति की साधारण सभा में स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्राम पंचायतों को मिलने वाले फंड को लेकर विधायक भाटी ने खंड विकास अधिकारी से जवाब तलब किया था। उन्होने बीडीओ से संबंधित टेंडरों के कागजात मांगे।

मुंबई पुलिस ने मेहंदीपुर बालाजी से साइबर ठग किया गिरफ्तार, 16.86 लाख की ठगी में बेचा था बैंक खाता

दौसा, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी से मुंबई ईस्ट रीजन की साइबर क्राइम ब्रांच ने छापेमारी कर साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपना बैंक खाता महज चंद हजार रुपयों में साइबर ठगों को बेच दिया था, जिसका उपयोग साइबर ठग ठगी में कर रहे थे। ठगों ने खाते के जरिए मुंबई की एक महिला से 16 लाख 86 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी की गई थी।

मुंबई पुलिस के सब-इंस्पेक्टर हर्षद हिंगे ने बताया कि पीड़िता विनीता मुंबई के मलाड वेस्ट बियानी इलाके में रहती है। उससे कुछ समय पहले साइबर ठगों ने उसके खाते से फ्रॉड कर 16 लाख 86 हजार रुपये उड़ा लिए थे। इसकी शिकायत पर मुंबई ईस्ट साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ था। जांच के दौरान पता चला कि ठगों ने ठगी की रकम का एक हिस्सा मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र के बंजारा ढाणी उदयपुरा निवासी जितेंद्र बंजारा (30) पुत्र नारायण बंजारा के एयरटेल पेमेंट बैंक खाते में ट्रांसफर की है।

जांच अधिकारी हर्षद हिंगे ने बताया कि आरोपी ने अपना खाता साइबर ठगों को बेच दिया था। मुंबई पुलिस की टीम को जैसे ही खाते में एक लाख 69 हजार रुपये आने की सूचना मिली, तुरंत एक्शन लिया। रकम कुछ ही देर में दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दी गई थी, लेकिन पुलिस ने लोकल मेहंदीपुर बालाजी पुलिस की मदद से जितेंद्र बंजारा को दबोच लिया।

गोदाम में दो बार चोरी की कोशिश, पहली घटना पर केस न होने से व्यापारी ने खुद लगाई निगरानी; आरोपी को पकड़ा

कोटा, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटा जिले में दो अलग-अलग आपराधिक घटनाएं सामने आईं। पहली घटना वल्लभबाड़ी स्थित एक क्रोकरी व्यापारी के गोदाम की है, जहां चोर पहली बार चोरी करने में सफल रहा, लेकिन दूसरी बार चोरी की कोशिश के दौरान व्यापारी द्वारा लगाई गई निजी निगरानी की वजह से रंगेहाथ पकड़ लिया गया। दूसरी घटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर की है, जहां पत्नी के इलाज के लिए आए एक बुजुर्ग की जेब कट गई।

व्यापारी हरीश रावतानी ने बताया कि उनका क्रोकरी का गोदाम एफिल टावर के सामने वल्लभ बाड़ी में स्थित है। कुछ दिन पहले एक चोर खाली प्लॉट से होकर गोदाम में घुसा और दो बोरों में क्रोकरी का सामान चुराकर ले गया। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई थी। शिकायत गुमानपुरा थाने में देने के बावजूद पुलिस ने केस दर्ज नहीं की, जिससे व्यापारी नाराज हो गए।

व्यापारी ने बताया कि पुलिस कार्रवाई न होने के कारण उन्होंने स्वयं गोदाम के आसपास कुछ लोगों को निगरानी पर लगा दिया। उसी दौरान चोर दोबारा चोरी करने लौटा और उसे रंगेहाथों पकड़ लिया गया। बाद में उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। व्यापारी का आरोप है कि पुलिस ने न तो केस दर्ज की और न ही बरामद माल की जानकारी दी। इस मामले को लेकर व्यापारियों ने रोष जताया और कहा कि वे IG और SP को ज्ञापन सौंपेंगे।

दूसरी घटना कोटा मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर की है। पीपल्दा निवासी बुजुर्ग इन्द्र कुमार अपनी पत्नी का मोतियाबिंद का उपचार करवाने अस्पताल आए थे। पर्ची कटवाने की लाइन में लगे रहने के दौरान उनकी जेब में रखे 1500 रुपये और दस्तावेज चोरी हो गए। बाहर आने पर उन्हें चोरी की जानकारी मिली। उन्होंने इसकी शिकायत अस्पताल चौकी पर दी है। पुलिस अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की तलाश कर रही है।

जनता से किए हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध : पोंगुलेटी

संकटग्रस्त राज्य को मात्र दो वर्षों में विकास की दिशा में अग्रसर किया

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, हाउसिंग और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार ने हर वर्ग को समान महत्व देते हुए विकास और कल्याण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। चुनावों में किए गए प्रत्येक वादे को ईमानदारी से निभाया गया है।

उन्होंने कहा कि विकास और कल्याण के क्षेत्र में तेलंगाना आज देश के लिए मार्गदर्शक बन गया है। दो साल के शासन को जनता की पूर्ण स्वीकृति प्राप्त हुई है, कैंटोनमेंट और जुबली हिल्स उपचुनावों के नतीजे इसका प्रमाण हैं। रविवार को मीडिया प्रतिनिधियों से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने दो वर्षों की उपलब्धियाँ साझा कीं। मंत्री ने कहा कि हमारे शासन के दो वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और हम तीसरे वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। भले ही यह अवधि कम है, परंतु सरकार की उपलब्धियाँ असाधारण हैं। पिछली सरकार ने अपने स्वार्थपूर्ण निर्णयों से समृद्ध राज्य को आर्थिक संकट में धकेल दिया था, लेकिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सिर्फ दो वर्षों में ही राज्य को विकास और कल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के गठन के समय राज्य की स्थिति अस्त-व्यस्त थी, किंतु अब पारदर्शी और जनहितैषी प्रशासन स्थापित किया गया है। कई ऐसी विकास और कल्याण योजनाएँ लागू की गईं जिन्हें पहले कभी कल्पना भी नहीं की गई थी। सन्न बिय्यम और इंदिरा आवास जैसी योजनाएँ अब देशभर में मिसाल बन चुकी हैं।

सरकार ने सत्ता में आते ही छह गारंटियों के क्रियान्वयन की शुरुआत कर दी थी। उनमें से चार गारंटियाँ पूर्ण रूप से लागू की जा चुकी हैं और शेष दो का आंशिक लाभ दिया जा रहा है। वित्तीय चुनौतियों के कारण इन्हें पूर्ण रूप से लागू नहीं किया जा सका, फिर भी सरकार उन्हें पूरी तरह लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके अतिरिक्त कई नई जनकल्याणकारी योजनाएँ भी शुरू की गई हैं। कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। आर्थिक विकास के मामले में तेलंगाना अब देश में अग्रणी है। राज्य सरकार तेलंगाना राइजिंग 2047 विज़न को लेकर आगे बढ़ रही है। लक्ष्य है कि 2035 तक तेलंगाना को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाया जाए। उन्होंने कहा कि एक ओर विश्व स्तरीय विकास लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, तो दूसरी ओर गरीबों की आकांक्षाएँ पूरी करने के लिए कल्याण योजनाओं को सशक्त रूप से लागू किया जा रहा है। पारदर्शिता, आधुनिकता और मानवीय संवेदनाओं के साथ सरकार ने दो वर्षों में ही तेलंगाना को देश में रोल मॉडल के रूप में स्थापित किया है।

प्रोफेसर महिपाल रेड्डी आईएनएसए के फेलो चुने गए

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिट्स पिलानी, हैदराबाद कैंपस के रसायन विज्ञान विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एमेरिटस और सीएसआईआर-आईआईसीटी के पूर्व मुख्य वैज्ञानिक प्रोफेसर बेनजाराम महिपाल रेड्डी को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली का फेलो चुना गया है। 1935 में स्थापित आईएनएसए उन वैज्ञानिकों को फेलो बनाती है जिन्होंने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में बड़ा योगदान दिया हो। प्रोफेसर रेड्डी सिद्दीपेट जिले के चिंतामदका गांव के रहने वाले हैं और उन्होंने अपनी पढ़ाई सरकारी स्कूलों में की। इसके बाद उन्होंने बीएससी उस्मानिया विश्वविद्यालय से, एमएससी काकतीय विश्वविद्यालय से और पीएचडी सीएसआईआर-आईआईसीटी से पूरी की। प्रोफेसर रेड्डी ने अब तक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में 345 शोध लेख प्रकाशित किए हैं।

एससीसीएल ने दो नई सहायक कंपनियों के नाम आरक्षित किए

पेद्दापल्ली, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने हरित ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों में व्यावसायिक विस्तार के तहत दो नई सहायक कंपनियों के नाम आरक्षित किए हैं। सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों के संचालन के लिए सिंगरेनी ग्रीन एनर्जी कंपनी लिमिटेड (एसजीईसीएल) का नाम आरक्षित किया गया है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खनिजों, विशेषकर दुर्लभ मृदा तत्वों के खनन के लिए सिंगरेनी ग्लोबल लिमिटेड (एसजीएल) के नाम का आरक्षण किया गया है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत कंपनी रजिस्ट्रार ने पिछले महीने प्रस्तुत आवेदन के बाद हाल ही में इन नामों के आरक्षण की मंजूरी दी है। एससीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम की पहल से यह प्रक्रिया पूरी हुई। केंद्रीय कोयला मंत्रालय के अवर सचिव प्रदीप राज नयन ने एससीसीएल की इस पहल को स्वीकार करते हुए सुझाव दिया कि इन कंपनियों को लाभप्रद रूप से संचालित किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 13 वर्षों से केवल एससीसीएल के नाम से काम करने वाली कंपनी अब दो सहायक कंपनियों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार कर रही है, जो तेलंगाना के लिए गर्व की बात है।

ग्रेटर हैदराबाद में भी बाबरी मस्जिद मेमोरियल बनाने का ऐलान

तहरीक मुस्लिम शब्बन के प्रेसिडेंट बोले- बाबर के नाम से परेशान नहीं होना चाहिए

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तहरीक मुस्लिम शब्बन ने ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद मेमोरियल और वेलफेयर इंस्टीट्यूशन बनाने के प्लान का ऐलान किया है। यह फैसला मस्जिद गिराए जाने की 33वीं बरसी के बाद लिया गया। संस्था के प्रेसिडेंट मुश्ताक मलिक ने कहा हम जल्द ही ऐलान करेंगे कि यह कैसे और कितने समय में बनाया जाएगा। मलिक ने कहा कि बाबर के नाम से किसी को परेशान नहीं होना चाहिए, उन्होंने दावा किया कि यह मुद्दा पॉलिटिकल प्रोपेगैंडा है।

इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के सस्पेंड एमएलए हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की नींव रखी है। कबीर ने दावा किया कि वह कुछ भी गैर-कानूनी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कोई भी मंदिर बना सकता है, कोई भी चर्च बना सकता है। मैं मस्जिद बनाऊंगा।

तहरीक मुस्लिम शब्बन के प्रेसिडेंट ने आरोप लगाया कि अगर हम तुलसीदास की रामायण देखें, तो वह बाबरी मस्जिद बनने के 60 साल बाद लिखी गई थी। उस रामायण में इस बात का कोई जिक्र नहीं है कि राम मंदिर तोड़ा गया था।

उन्होंने कहा- बाबर के बाद हुमायूं का राज आया, और उसके बाद अकबर का। अकबर के महल में रस्में और प्रार्थनाएं होती थीं। जोधाबाई अकबर के महल में थीं। रस्में, प्रार्थनाएं और हवन होते थे। उस समय तुलसीदास भी जिंदा थे। अकबर के समय में, तुलसीदास अकबर से बात कर सकते थे। मान सिंह उस समय आर्मी चीफ थे। वह उनसे पूछ सकते थे।

ऐसी बात तुलसी दास की रामायण में नहीं आती है। मलिक ने यह भी आरोप लगाया कि यह देश को बांटने के लिए पॉलिटिकल प्रोपेगैंडा है। इससे हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और दलितों के बीच जो भाईचारा था, वह टूट गया है, और नफरत के बीज बोए गए हैं।

हुमायूं कबीर, जिन्होंने बाबरी जैसी मस्जिद की नींव रखी है। उन्होंने कहा- हमें बताया गया है कि हम बाबरी मस्जिद नहीं बना सकते। ऐसा कहीं लिखा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसला दिया था जिसमें कहा गया था कि हिंदू लोगों ने बाबरी मस्जिद गिराई थी। हिंदुओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, यहां मंदिर बनाने का फैसला किया गया था। अब हम सागरदिघी में किसी को राम मंदिर की नींव रखते हुए देख रहे हैं। लेकिन संविधान हमें मस्जिद बनाने की इजाजत देता है। कबीर ने आगे कहा कि मस्जिद के लिए 300 करोड़ का बजट दिया गया है, जिसमें एक हॉस्पिटल, गेस्टहाउस और मीटिंग हॉल भी शामिल होगा। उन्होंने प्रोजेक्ट के लिए अपना वादा दोहराया और कहा कि यह मुसलमानों का वादा है, बाबरी मस्जिद बनेगी।

बीजेपी के नेशनल जनरल सेक्रेटरी तरुण चुग ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखने के बाद तृणमूल कांग्रेस के सस्पेंड एमएलए हुमायूं कबीर पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी सरकार राजनीतिक फायदे के लिए धार्मिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रही है।

चुग ने ऐतिहासिक और धार्मिक भावनाओं का हवाला देते हुए कहा- वही बाबर जो देश की संस्कृति को खत्म करने के मकसद से भारत आया था, उसे गुरु नानक साहिब ने अत्याचारी कहकर बुरा-भला कहा था।

उसने गंगा, यमुना और सरयू नदियों को हिंदू खून से लाल कर दिया था। भारत उसके नाम पर कोई भी स्मारक या चीज कभी स्वीकार नहीं करेगा।

जीएचएमसी में 27 यूएलबी का विलय तेज

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी में 27 नगरपालिकाओं (यूएलबी) के विलय की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने शुक्रवार को बताया कि बिल्डनाउ ऐप में तत्काल पंजीकरण और तत्काल अनुमोदन के लिए आवश्यक संशोधन किए गए हैं और यह अब इन 27 यूएलबी के संपत्ति मालिकों के लिए लाइव कर दिया गया है।

आयुक्त ने कहा कि अब सभी आवेदन बिल्डनाउ ऐप में तत्काल पंजीकरण और अनुमोदन के तहत प्रस्तुत किए जा सकते हैं और नए नामित जीएचएमसी सर्किलों (पुराने 27 यूएलबी) द्वारा संसाधित किए जाएंगे। इसके अलावा, विलय से पहले जो आवेदन जमा किए गए थे, उन पर भी नए सर्किल द्वारा कार्रवाई की जाएगी। इससे विलय प्रक्रिया और संपत्ति अनुमोदन कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है।

2014 में बढ़ाया गया था होमगार्डों का वेतन

होमगार्डों के मुद्दों पर हरीश राव का कांग्रेस सरकार पर निशाना

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में होमगार्डों के साथ हो रहे व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पूर्व मंत्री और बीआरएस नेता टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार को चुनाव से पहले किए गए वादों को पूरा न करने के लिए आड़े हाथों लिया। होमगार्ड्स राइजिंग डे पर जारी बयान में हरीश राव ने राज्य के 15,000 से अधिक होमगार्ड्स को शुभकामनाएं दीं और सार्वजनिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, ट्रैफिक नियंत्रण और कानून-व्यवस्था में उनके अहम योगदान को याद किया।

राव ने पिछली बीआरएस सरकार के दौरान होमगार्डों के लिए किए गए सुधारों को गिनाया। उन्होंने बताया कि 2014 में होमगार्डों का वेतन 9,000 रुपये से बढ़ाकर 27,600 रुपये किया गया था। ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को 30 प्रतिशत जोखिम भत्ता दिया गया और महिला

होमगार्डों के लिए मातृत्व अवकाश शुरू किया गया। आकस्मिक मृत्यु पर 5 लाख रुपये का बीमा भुगतान भी लागू किया गया था। साथ ही इवेंट मैनेजमेंट भत्ता 5,000 से बढ़ाकर 10,000 रुपये किया गया। राव के अनुसार, बीआरएस सरकार सालाना 600 करोड़ रुपये से ज़्यादा खर्च कर होमगार्ड परिवारों को सम्मानजनक जीवन देने की कोशिश कर रही थी।

इसी बीच, उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना की कि सत्ता में आने के बाद होमगार्डों के लिए सिर्फ़ 79 रुपये की दैनिक बढ़ोतरी की गई, जिससे उनका वेतन 921 रुपये से बढ़कर 1,000 रुपये हुआ। राव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने चुनाव से पहले कई वादे किए, लेकिन न तो वे पूरे हुए और न ही होमगार्डों की समस्याओं का समाधान किया गया।

उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में 60 से अधिक होमगार्डों की मृत्यु हुई, पर प्राकृतिक मृत्यु के मामलों में 5 लाख रुपये का मुआवजा अब तक नहीं दिया गया। स्वास्थ्य कार्ड जारी करने का वादा भी अधूरा है, जिससे होमगार्डों को इलाज में कठिनाई हो रही है। वर्दी भत्ता चार वर्षों से लंबित है और अनुकंपा नियुक्ति जैसे कई मुद्दे भी अनसुलझे हैं। राव ने कहा कि इन सारी समस्याओं के बावजूद होमगार्ड अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए जनता को आवश्यक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

टीएफआई : भारत की पहली वैज्ञानिक पर्यटन रैंकिंग प्रणाली, तेलंगाना में प्रस्तावित

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जल्द ही देश का पहला ऐसा राज्य बन सकता है, जिसके पास अपना स्वयं का टूरिज़्म फ्रेंडली इंडेक्स (टीएफआई) होगा। एक वैज्ञानिक, डेटा-आधारित रैंकिंग प्रणाली जो पर्यटन स्थलों को उसी तरह रैंक करेगी जैसे बाज़ार के लिए सेंसेक्स, कॉलेजों के लिए एनआईआरएफ, शहरों के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण और वित्तीय विश्वसनीयता के लिए सीआईबीआईएल स्कोर बनाए जाते हैं। यह प्रस्ताव स्टार्टअप इकोसिस्टम लीडर और टीईडी लाइसेंसी विवेक वर्मा ने देश की पहली विकेंड टूरिज़्म इकॉनमी विकसित करने पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम एफटीटीसीआई की पर्यटन समित द्वारा नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टूरिज़्म एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट में आयोजित किया गया। विवेक वर्मा ने इस संबंध में विस्तृत कॉन्सेप्ट पेपर एफटीटीसीआई नेतृत्व प्रकाश अम्मनबोलु (अध्यक्ष), डी. रामचंद्रम (सह-अध्यक्ष), आर. रवि कुमार (अध्यक्ष), केके माहेश्वरी (वरिष्ठ उपाध्यक्ष) और श्रीनिवास गरिमेला (उपाध्यक्ष)को सौंपा है। उन्होंने अनुरोध किया कि इस प्रस्ताव को औपचारिक रूप से तेलंगाना सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। एफटीटीसीआई की पर्यटन समिति ने कहा कि हम इस प्रस्ताव का अध्ययन कर रहे हैं। जल्द ही इसे औपचारिक रूप से सरकार को भेजा जाएगा।

ग्रामीण इलाकों में बढ़ी अवैध शराब दुकानें

आदिलाबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय निकाय चुनाव प्रचार के बीच आदिलाबाद जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कथित तौर पर अवैध शराब दुकानों, जिन्हें बेल्ट की दुकानें कहा जाता है, की संख्या बढ़ने लगी है।

पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के कई गांवों में ऐसी दुकानें खुली हुई हैं जहां शराब अधिकतम खुदरा मूल्य से करीब 20 प्रतिशत अधिक दाम पर खुलेआम बेची जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, अधिकृत शराब दुकानें केवल कस्बों और मंडल मुख्यालयों में होने के कारण कई लोग इन अनधिकृत दुकानों पर निर्भर हैं। बताया जाता है कि संचालक लाइसेंसी दुकानों से चोरी-छिपे शराब खरीदते हैं और कथित रूप से पुलिस को हर महीने रिश्वत देकर कार्रवाई से बचते हैं।

चुनावी माहौल में ऐसी दुकानों की संख्या और बढ़ने की जानकारी मिल रही है। पंचायत चुनाव के कुछ उम्मीदवार मतदाताओं को खुश करने के लिए पार्टियां आयोजित कर रहे हैं और इन दुकानों से शराब खरीद रहे हैं, ताकि लोगों का समर्थन हासिल कर सकें। पुलिस ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के चलते बेल्ट दुकानें चलाने वालों को राजस्व अधिकारियों के सामने पेश किया जा रहा है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों या शराब और पैसे के ज़रिए मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध शराब के परिवहन को रोकने के लिए जांच चौकियां भी स्थापित की गई हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे चेरलापल्ली के लिए विशेष ट्रेनें चलाएगा

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) चेरलापल्ली - येलहंका-चेरलापल्ली और चेरलापल्ली-शालीमार - चेरलापल्ली के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। तदनुसार, ट्रेन संख्या 07187 चेरलापल्ली - येलहंका 8 दिसंबर को रात 10 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 11.45 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 07188 येलहंका - चेरलापल्ली 9 दिसंबर को दोपहर 1 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 4.30 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 07148 चेरलापल्ली - शालीमार 8 दिसंबर को रात 9.35 बजे रवाना होगी और अगले दिन रात 11.50 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 07149 शालीमार - चेरलापल्ली 10 दिसंबर को दोपहर 12.10 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 4 बजे पहुंचेगी।

चेरलापल्ली - येलहंका - चेरलापल्ली विशेष ट्रेनें काचीगुडा, शादनगर, जडचार्ला, महबूबनगर, गडवाल, कुरनूल सिटी, धोने, गूटी, अनंतपुर, धर्मावरम जंक्शन, श्री सत्य साई प्रशांतिनिलयम और हिंदुपुर स्टेशनों पर रुकेंगी। इन ट्रेनों में एसी III टियर, एसी III टियर इकोनॉमी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे शामिल होंगे। चेरलापल्ली - शालीमार - चेरलापल्ली विशेष ट्रेनें गुंटूर जंक्शन, विजयवाड़ा जंक्शन, एलुरु, राजमुंदरी,

यदाद्री भुवनागिरी युवक का माली में अपहरण

परिवार ने सरकार से मदद मांगी

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के यदाद्री भुवनागिरी जिले के 23 वर्षीय एन प्रवीण को माली में विद्रोहियों ने अपहरण कर लिया है। प्रवीण बोरवेल ड्रिलिंग कंपनी में पर्यवेक्षक के रूप में काम करता था। उसके परिवार ने केंद्र और राज्य सरकारों से उसकी रिहाई के लिए मदद का अनुरोध किया है। पिता जंगैया के अनुसार, कंपनी ने परिवार को बताया कि प्रवीण को काम से लौटते समय विद्रोहियों ने अगवा किया था। घटना को दो हफ़्ते हो गए हैं और परिवार के सदस्य गहरे संकट में हैं। प्रवीण के भाई नवीन ने कहा कि परिवार बहुत परेशान है और सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की अपील की।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी हाल ही में मिली है। दूतावास अधिकारियों को सूचित कर पुष्टि का इंतज़ार किया जा रहा है और परिवार की मदद की जा रही है। इससे पहले, आंध्र प्रदेश के एक 26 वर्षीय युवक का भी माली में लापता होने का मामला सामने आया था। पुलिस का अनुमान है कि काम से लौटते समय उसे भी विद्रोहियों ने अगवा किया होगा।

मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति का चेक वितरित किया गया

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरी विशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं राम मनोहर लोहिया समता ट्रस्ट द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के चेक बंजारा हिल्स स्थित खाजा मेंशन में दिये गये।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आयोजित छात्रवृत्ति चेक वितरण कार्यक्रम में पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता शरद बी.पित्ती ने कहा कि पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल के द्वारा विभिन्न सेवा के समय समय पर सेवा कार्यक्रम किये जाते हैं। इसके लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयास कर रहा है। शरद बी.पित्ती ने बताया कि बत्तिनी गौड़ द्वारा दमा रोग के निवारण के लिए दिये जाने वाले मछली प्रसादम के दौरान मेगा कैंप 5 दिनों के लिए लगा कर 70000 से अधिक लोगों को निशुल्क भोजन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा निशुल्क मेगा, चिकित्सा शिविर शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाते हैं। शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से शिविर में आने वाले दिव्यांग को कृत्रिम अंग की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। साथ ही कृत्रिम अंग का वितरण भी किया जाता है जो भी कैंप में आता है। शरद पित्ती ने कहा कि गत वर्ष नवंबर में पित्ती इंजीनियरिंग से जनरल वार्ड छत्रपति संभाजी नगर (औरंगाबाद) में हेग्रवार अस्पताल में पीडियाट्रिक ओपीडी को रिनोवेट करवाया गया जिसमें प्रीमैच्योर शिशु केयर की गई। जो प्रीमैच्योर बेबी होते हैं उनके लिए खर्च बहुत अधिक होता है इसलिए माता पिता आशा छोड देते हैं, लेकिन ट्रस्ट ने आगे आकर समय से पूर्व पैदा होने वाले शिशुओं को बचाने के लिए व्यवस्था की है जिसमें 76 शिशुओं को बचाया गया। इस पर 21 लाख रुपये खर्च किये गये। ट्रस्ट इसके लिए 24 लाख रुपये की राशि वार्षिक खर्च के लिए दी जा रही है।

शरद बी.पित्ती ने कहा कि ट्रस्ट के बड़े प्रोजेक्ट के अंतर्गत मेधावी छात्रों व जरूरतमंद को जिन्होंने 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं उनको छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर को दी जाती है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 600 से अधिक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इनमें कई ऐसे छात्र हैं जिन्होंने 95 प्रतिशत से लेकर शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए जिनका इस कार्यक्रम में सम्मान किया गया। अंत में उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए जीवन में आगे बढकर अच्छा कार्य करने की प्रेरणा दी।

अवसर पर अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि हर साल ट्रस्ट विभिन्न सेवा कार्य में लगभग 5 करोड रुपये खर्च किये जाते हैं यह पूरा खर्च पित्ती परिवार की ओर से आता है जो बाहर से डोनेशन नहीं लेते हैं। जीवन में जब आप आगे बढो और अच्छा अर्न करने लगे कमाने लगें तो अपने परिवार समाज के लिए कुछ करना है जब भी इस स्टेज पर पायें अपने व परिवार की ड्यूटी को पूरी करने के बाद समाज के लिए कुछ कर पायें जीवन में एक विद्यार्थी को जरूर पढायें। सभी से यह आशा करते हैं कि जो यह पित्ती ट्रस्ट और राम मनोहर लोहिया ट्रस्ट ने मदद की श्रृंखला बनाई है उस कडी से सभी जुडती है तो मेधावी छात्रों को दो हाथों से नहीं हजारों हाथों से मदद मिलेगी। आज संकल्प लें कि बड़े होंगे पैरों पर खडे होकर परिवार अपने लिए बाद सोसायटी के लिए अपने जैसे किसी विद्यार्थी को मदद करें।

अवसर पर ट्रस्टी विजय कुमार ने सभी का आभार प्रकट किया। अवसर पर मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के चेक प्रदान किये गये। अवसर पर रतन गुप्ता, अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, कैलाश केडिया, सुरेन्द्र अग्रवाल, दीपक गुप्ता, निखिल रानासरिया, उर्मिला अग्रवाल, गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

भारतीय सेना ने सिक्किम में ऑन-साइट 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग शुरू की

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय सेना ने आईआईटी हैदराबाद के सहयोग से सिक्किम के अग्रिम क्षेत्रों में बंकरों, संतरी चौकियों और सुरक्षात्मक संरचनाओं के त्वरित निर्माण के लिए ऑन-साइट 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक का संचालन शुरू कर दिया है।

बयान में कहा गया है कि यह स्वदेशी रोबोटिक 3डी कंक्रीट प्रिंटर वाहन-पोर्टेबल है और रोबोटिक आर्म, सर्कुलर मिक्सर, पिस्टन पंप और जनरेटर से सुसज्जित है, जो पहाड़ी इलाकों में तेजी से संचालन के लिए अनुकूलित है।

बंडलागुडा स्थित सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन समाज बन्धुओं के सानिध्य में आयोजित श्री आईमाताजी मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम, बोलियाँ एवं जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए भंवर सीरवी, मंच संचालक शैतानसिंह राजपुरोहित। कार्यक्रम का लाभ लेते हुए अध्यक्ष वेनाराम चोयल, सचिव प्रकाश सेपटा, कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार, पदाधिकारी, सदस्यगण व समाज बन्धु। तीसरे दिवस प्रात: वेला में कलश यात्रा, हवन-यज्ञ एवं रात्रि जागरण का कार्यक्रम होगा।

कार डिवाइडर से टकराई, दो दोस्तों की मौत

+हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह लालागुडा में एक कार चालक की गाड़ी सड़क के डिवाइडर से टकरा गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीड़ितों की पहचान मलकाजगिरी निवासी हर्षित रेड्डी और चेंगिचेरला निवासी उनके मित्र शिव मणि के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, हर्षित, शिव मणि और उनके दो अन्य दोस्त केसरा से तरनाका के एक होटल में नाश्ता करने के लिए जा रहे थे। रास्ते में तेज़ गति के कारण चालक ने गाड़ी पर नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर से टकरा गई। चारों घायल हो गए, जिसमें हर्षित और शिव मणि की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

डी-मार्ट डिस्काउंट के बहाने 75 वर्षीय व्यक्ति से 1.09 लाख रुपये की ठगी

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हब्सीगुडा निवासी 75 वर्षीय एक व्यक्ति को डी-मार्ट पर विशेष डिस्काउंट का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने 1.09 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को फेसबुक पर विज्ञापन दिखा और उसने ऑनलाइन फॉर्म पर अपना संपर्क विवरण भर दिया। इसके बाद उसे व्हाट्सएप पर एक एपीके फ़ाइल भेजी गई। जब उसने उस फ़ाइल पर क्लिक किया, तो उसका फ़ोन हैक हो गया और धोखेबाज़ों ने बैंक खातों तक पहुँच बना ली, जिससे 1.09 लाख रुपये निकाल लिए गए। साइबर क्राइम पुलिस ने जनता से सतर्क रहने की अपील की है और किसी भी व्हाट्सएप या अन्य संचार चैनलों से भेजी गई एपीके फ़ाइल खोलने से बचने की सलाह दी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जिसने जिताया था भारत को वर्ल्ड कप *अब उसने थामा नामीबिया टीम का साथ*

टी20 वर्ल्ड कप में कहीं खेल न कर दें

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की विश्व कप विजेता टीम के मुख्य कोच रहे गैरी कर्स्टन को नामीबिया की राष्ट्रीय पुरुष टीम का सलाहकार नियुक्त किया गया है और वह अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में मुख्य कोच क्रेग विलियम्स के साथ काम करेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का यह टूर्नामेंट अगले साल फरवरी और मार्च में भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

गैरी कर्स्टन ने अपने बयान में क्या कहा?

कर्स्टन ने क्रिकेट नामीबिया के एक बयान में कहा, 'क्रिकेट नामीबिया के साथ काम करना वास्तव में सौभाग्य की बात है। उनका नया अत्याधुनिक क्रिकेट स्टेडियम इस बात का प्रमाण है कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि उनकी राष्ट्रीय टीमें विश्व के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करें।'

उन्होंने कहा, 'नामीबिया की सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और मैं अगले साल फरवरी में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए उनकी तैयारी में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।'

भारत को 2011 में जिताया था वनडे वर्ल्ड कप

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज कर्स्टन ने 2004 में संन्यास लेने के बाद कोचिंग की शुरुआत की और 2007 में उन्हें भारत का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। उनके कार्यकाल में भारत ने 2011 का एकदिवसीय विश्व कप जीता था।

बाद में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच और दुनिया भर की कई टी20 फ्रैंचाइजी लीग की टीमों के साथ काम किया। उन्होंने 2024 में पाकिस्तान की पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया।

गैरी कर्स्टन का इंटरनेशनल करियर

58 साल के गैरी कर्स्टन ने साउथ अफ्रीका के लिए अपने करियर में 101 टेस्ट और 185 वनडे मुकाबले खेले हैं। कर्स्टन ने टेस्ट में 45.3 की औसत से बल्लेबाजी करते हुए 7289 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 21 शतक और 54 अर्धशतक ठोके। वहीं वनडे में 41 की औसत से 6798 रन बनाए। वनडे में कर्स्टन ने 13 शतक और 45 अर्धशतक ठोके।

निशानेबाज सुरुचि सिंह ने जीता स्वर्ण

संयम को मिला रजत; मनु भाकर पदक जीतने से चूकीं

दोहा, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रतिभाशाली निशानेबाज सुरुचि सिंह ने एक और शानदार प्रदर्शन हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी साथी संयम ने रजत पदक हासिल किया जिससे भारत ने सत्र के आखिर में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के पहले दिन शानदार शुरुआत की। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने निराश किया और वह पदक हासिल करने से चूक गईं।

फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं मनु

10 मीटर राइफल निशानेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सुरुचि ने फाइनल में 245.1 का शानदार स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए दिन चमका दिया। वहीं पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन संयम ने 243.3 के स्कोर के साथ देश के लिए रजत पदक पक्का किया। मनु भाकर फाइनल में पहुंची लेकिन 179.2 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। इस साल की शुरुआत में लगातार चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने के बाद सुरुचि सितंबर-अक्तूबर में विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर थीं। वह शानदार फॉर्म में थीं और उन्होंने 586 के कुल स्कोर के साथ 12 निशानेबाजों के एलीट ग्रुप में क्वालिफिकेशन दौर में दूसरा स्थान हासिल किया।

भाकर (578) छठे स्थान पर रहीं, जबकि 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन संयम (573) क्वालिफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद मुश्किल से फाइनल में पहुंच पाईं। हालांकि फाइनल में 21 साल की संयम बिल्कुल अलग रंग में दिखीं। वह फाइनल के बड़े हिस्से में सबसे आगे रहीं लेकिन एलिमिनेशन दौर में चार बार 9.5 का स्कोर से शीर्ष स्थान सुरुचि को गंवा बैठीं।

रुद्रांक्ष, बबूता और इलावेनिल ने किया निराश

भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल और पेरिस ओलंपिक फाइनल तक पहुंचे अर्जुन बबूता पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में क्रमशः चौथे और छठे स्थान पर रहे। इलावेनिल वलारिवन भी महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पिछड़ गईं। वह क्वालिफिकेशन दौर में नौवें स्थान पर रहीं और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना पाईं।

गंभीर ने टेस्ट में अलग कोच की मांग खारिज की

बोले- दूसरे के काम में दखलअंदाजी न करें

मुंबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने विशाखापट्टनम में खेले गए तीसरे वनडे में साउथ अफ्रीका को हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम किया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में 2-0 से हारी टेस्ट सीरीज के बाद उठी आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी।

गंभीर ने कहा कि टेस्ट हार के बाद कई तरह की बातें कही गईं, जिनमें कुछ ऐसे लोग भी शामिल थे जिनका क्रिकेट से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने स्प्लिट कोचिंग (अलग-अलग फॉर्मेट के लिए अलग कोच) की उठी मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सभी को अपने-अपने क्षेत्र में ही रहना चाहिए और बिना समझे दूसरों के काम में दखल नहीं देना चाहिए।

दरअसल, भारत की टेस्ट सीरीज हार के बाद IPL फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर पार्थ जिंदल ने टेस्ट टीम के चयन पर सवाल उठाए थे और सुझाव दिया था कि भारत को रेड-बॉल क्रिकेट के लिए अलग कोच नियुक्त करना चाहिए।

पहले टेस्ट में गिल के चोट को हार की वजह बताई

गंभीर ने कहा कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम मुश्किल हालात में खेली थी। पहले टेस्ट में हम बिना अपने कप्तान के खेले। शुभमन गिल पहले ही दिन चोट के कारण बाहर हो गए और दोनों पारियों में बल्लेबाजी नहीं कर पाए। हम यह मैच सिर्फ 30 रन से हारे। इस बात का जिक्र किसी ने नहीं किया।

रोहित-विराट की तारीफ

प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने रोहित-विराट के प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा,'वो दोनों भारत के लिए लंबे समय से ऐसा प्रदर्शन करते आ रहे हैं और उम्मीद है कि दोनों ही सफेद गेंद के फॉर्मेट में आने वाले भविष्य में और भी ज्यादा ऐसा ही करते रहेंगे।'

करीब 9 महीने तक इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहने के बाद विराट और रोहित ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज से वापसी की थी। वहां 3 मैच की सीरीज में रोहित ने सबसे ज्यादा 203 रन बनाते हुए प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता था, जबकि कोहली ने लगातार 2 मैच में शून्य पर आउट होने के बाद आखिरी मैच में 74 रन बनाए थे। वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा 302 रन बनाकर विराट ने ये सीरीज के बेस्ट प्लेयर का अवॉर्ड जीता, जबकि रोहित ने भी 2 अर्धशतक लगाए।

रोहित के 20 हजार इंटरनेशनल रन घर पर 5000 रन भी बनाए

विशाखापट्टनम, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने तीसरे वनडे में साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर सीरीज 2-1 से जीत ली। विशाखापट्टनम में पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 270 रन बनाए, जिसके जवाब में टीम इंडिया ने सिर्फ एक विकेट गंवाकर 40वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। यशस्वी जायसवाल ने शानदार शतक जमाया, जबकि विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अर्धशतक लगाए। रोहित शर्मा इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे किए और साथ ही भारत में खेलते हुए 5 हजार वनडे रन भी पूरे कर लिए। उधर, विराट कोहली ने इस सीरीज में 12 छक्के लगाकर एक नया रिकॉर्ड भी बना दिया। रोहित शर्मा के इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे हो गए हैं। वे ऐसा करने वाले भारत के चौथे बल्लेबाज बने। उनसे पहले सिर्फ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ इस उपलब्धि को हासिल कर पाए थे।

रोहित शर्मा ने भारत में खेलते हुए अपने 5000 वनडे रन पूरे कर लिए। इस माइलस्टोन के साथ वे घरेलू सरजमीं पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब टॉप-5 में शामिल हो गए हैं। रोहित शर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अब तक 64 छक्के जड़े हैं और इस तरह उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली है। अब दोनों के नाम इस मामले में सबसे ज्यादा छक्के दर्ज हो चुके हैं। रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर वनडे में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने के मामले में वेस्टइंडीज के क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। रोहित ने सिर्फ 190 इनिंग्स में 79 बार 50+ स्कोर बनाया है, जबकि गेल ने 274 इनिंग्स में 78 बार यह उपलब्धि हासिल की थी। इस सूची में सबसे ऊपर भारत के ही सचिन तेंदुलकर हैं, जिनके नाम 120 बार 50+ स्कोर दर्ज हैं।

टीम इंडिया पर भद्दा कमेंट करने वाले साउथ अफ्रीकी कोच ने मानी गलती, दी सफाई

खेल डेस्क, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की. इस सीरीज की पहले एक बड़ा विवाद देखने को मिला था. दरअसल, दोनों टीमों के बीच खेले गए गुवाहाटी टेस्ट मैच के दौरान साउथ अफ्रीका के कोच शुकरी कोनराड ने एक विवादित बयान दिया था. उन्होंने टीम इंडिया के लिए 'ग्रोवेल' शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसका इस्तेमाल नस्लीय संदर्भों से जुड़ा हुआ माना जाता है. ऐसे में शुकरी कोनराड ने अपने इस बयान पर सफाई दी है और कहा है कि उनका इरादा कभी किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था, लेकिन वह मानते हैं कि बेहतर शब्द चुन सकते थे. हालांकि, उन्होंने इस बयान के लिए माफी नहीं मांगी.

दरअसल, गुवाहाटी टेस्ट मैच के चौथे दिन साउथ अफ्रीका ने उम्मीद से ज्यादा देर तक बल्लेबाजी की थी और भारत के सामने जीत के लिए 549 रनों का टारगेट रखा था. जिसके पीछे की वजह बताते हुए कोनराड ने चौथे दिन के खेल खत्म होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा था, 'हम चाहते थे कि भारतीय टीम मैदान पर ज्यादा से ज्यादा समय बिताए. हम चाहते थे कि वे घुटनों के बल आ जाएं. हम उन्हें मैच से पूरी तरह बाहर करना चाहते थे.'

शुकरी कोनराड ने अपने इस बयान में 'ग्रोवेल' शब्द का इस्तेमाल किया था, जिस पर जमकर बवाल मचा. ये वही शब्द है जिसको लेकर साल 1976 में पहली बार विवाद देखने को मिला था. तब इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर टोनी ग्रेग ने वेस्टइंडीज के खिलाफ इस शब्द का इस्तेमाल किया गया था. क्योंकि ग्रोवेल शब्द का अर्थ है- जमीन पर मुंह के बल लेटकर रेंगना होता है. क्रिकेट के इतिहास में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल संवेदनशील रहा है, जिसके चलते 11 दिनों बाद विशाखापट्टनम में कॉनराड ने इस मुद्दे पर सफाई दी.

बदल गई इंडिया बनाम साउथ अफ्रीका टी-20 सीरीज की टाइमिंग!

मुंबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया साउथ अफ्रीका से पांच मैचों की टी-20 सीरीज में भिड़ने के लिए तैयार है. हालांकि, टी-20 सीरीज के मैचों की टाइमिंग में थोड़ा बदलाव किया गया है. हार्दिक पांड्या बल्ले और गेंद से धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से फिट हो चुके हैं.

टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद टीम इंडिया ने वनडे में जोरदार पलटवार किया. एकदिवसीय सीरीज को भारतीय टीम ने 2-1 से अपने नाम किया. अब बारी है टी-20 क्रिकेट के रोमांच की. पांच मैचों की टी-20 सीरीज की शुरुआत 9 दिसंबर से होने जा रही है.

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने इस साल क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में कमाल का प्रदर्शन करके दिखाया है.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी टीम ने जोरदार खेल दिखाया था. सूर्या एंड कंपनी अपनी इसी लय को प्रोटियाज टीम के खिलाफ भी बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी. हालांकि, टी-20 सीरीज के मैचों की टाइमिंग में थोड़ा बदलाव किया गया है.

टी-20 सीरीज की टाइमिंग में बदलाव

दरअसल, भारत की सरजमीं पर होने वाले सभी टी-20 मैचों का आगाज आमतौर पर शाम 7 बजकर 30 मिनट पर होता है. हालांकि, इस सीरीज में थोड़ा बदलाव किया गया है. इस सीरीज के सभी मैच आधे घंटे पहले शुरू होंगे. यानी शाम 7 बजे मैच की पहली बॉल फेंकी जाएगी.

वहीं, टॉस का सिक्का शाम 6 बजकर 30 मिनट पर उछलेगा. वनडे की तरह टी-20 में भी रनों का अंबार लगने की पूरी उम्मीद की जा रही है. दरअसल, एकदिवसीय सीरीज में ओस ने काफी बड़ा रोल प्ले किया था, जो टी-20 में भी देखने को मिलेगा.

हार्दिक-गिल धमाल मचाने के लिए तैयार

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज में हार्दिक पांड्या धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. हार्दिक अपनी इंजरी से उबर चुके हैं और उन्होंने हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से खूब महफिल लूटी थी. हार्दिक ने अकेले दम पर बड़ौदा को जीत दिलाई थी.

हार्दिक के साथ-साथ शुभमन गिल भी फिट हो चुके हैं. गिल अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करते हुए दिखाई देंगे. वहीं, वनडे में ब्रेक के बाद जसप्रीत बुमराह भी टी-20 सीरीज में अपनी घातक गेंदबाजी से कहर बरपाते हुए दिखाई देंगे.

इंटर मियामी ने अपना पहला एमएलएस खिताब जीता

वैंकूवर वाइटकैप्स को 3–1 से हराया, मेसी ने दो असिस्ट किए

खेल डेस्क, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। इंटर मियामी ने अपना पहला मेजर लीग सॉकर खिताब जीत लिया। टीम ने शनिवार रात खेले फाइनल में वैंकूवर वाइटकैप्स को 3–1 से हराया। मैच की शुरुआत इंटर मियामी के लिए अच्छी रही, क्योंकि शुरुआती मिनटों (8वें मिनट) में ही वैंकूवर की गलती से एक ओन-गोल मिला और मियामी 1-0 से आगे हो गई।

दूसरे हाफ में वैंकूवर ने वापसी की कोशिश की और 60वें मिनट में बराबरी का गोल कर दिया। लेकिन इसके बाद मैच पूरी तरह इंटर मियामी और मेसी के कंट्रोल में चला गया। मेसी ने शानदार खेल दिखाते हुए दो बेहतरीन असिस्ट किए। पहला 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल के गोल में और दूसरा स्टॉपेज टाइम (90+6) में अलेनडे के गोल में। इन दो मौकों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। फाइनल

में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मेसी को मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर चुना गया।

मेसी के करियर की यह 48वीं ट्रॉफी है। उन्होंने अर्जेंटीना के साथ 6 खिताब, बार्सिलोना के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 35 टाइटल, पीएसजी के साथ 3 खिताब, और अब इंटर मियामी के साथ 4 ट्रॉफियां अपने नाम की हैं।

बेकहम ने मेसी की तारीफ की

इंटर मियामी के को-ओनर डेविड बेकहम टीम की जीत के बाद मैदान पर जश्न मनाते दिखे। उन्होंने कहा, वैंकूवर ने बेहतरीन खेल दिखाया और कई मौकों पर मियामी पर दबाव भी बनाया। बराबरी का गोल करने के बाद वे मैच में हावी होते दिख रहे थे।

बेकहम ने मेसी की तारीफ करते हुए कहा कि जब भी गेंद मेसी के पास जाती है, वह कुछ ना कुछ कमाल कर ही देते हैं और मौके बना देते हैं। उन्होंने कहा कि टीम पूरे साल एकजुट रही और इसी का नतीजा है कि वे चैंपियन बने।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेकहम ने इस खिताब तक के सफर के बारे में भी बात की। बेकहम ने कहा कि कई रातें चिंता में बीतीं, लेकिन उन्हें हमेशा मियामी और इस क्लब की सफलता पर भरोसा था। हम शुरू से ही अपने फैंस से वादा करते आए हैं कि हम उन्हें बेहतरीन खिलाड़ी और अच्छे नतीजे देंगे। उन्होंने कहा कि अगला साल नई शुरुआत होगी, लेकिन आज की रात टीम और फैंस पूरी तरह जश्न मनाएंगे।

एमएलएस की सबसे सफल टीम LA गैलेक्सी है, जिसने 2024 तक रिकॉर्ड छह एमएलएस कप खिताब जीते हैं। चार खिताब के साथ DC यूनाइटेड के साथ दूसरे नंबर पर है। कोलंबस क्रू ने तीन टाइटल जीते हैं।

पहले कैच, फिर क्लीन बोल्ड, लेकिन आउट नहीं हुई एलिस पेरी, ठोका तूफानी शतक

सिडनी, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। महिला बिग बैश लीग 2025 में एक रोमांचक मैच खेला गया. सिडनी सिक्सर्स और एडिलेड स्ट्राइकर्स की टीमों के बीच हुई टक्कर का नतीजा 1 रन के फासले से तय हुआ. सिडनी सिक्सर्स ने आखिरी गेंद पर बाजी मारी. इस मैच में सिडनी सिक्सर्स के लिए स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी सबसे बड़ी मैच विनर साबित हुईं. उन्होंने इस मुकाबले में एक तूफानी शतक ठोका, जिसमें किस्मत का बड़ा योगदान रहा. वह 2 बार आउट होने से बाल-बाल बचीं और अपने बिग बैश लीग के करियर में तीसरी बार शतक ठोक दिया.

सिडनी सिक्सर्स ने मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और बोर्ड पर एक बड़ा स्कोर बनाया. वह 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाने में कामयाब रही. इस दौरान एलिस पेरी ने 71 गेंदों पर 111 रनों की यादगार पारी खेली. उनकी इस पारी में 16 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. जिसमें पहले विकेट के लिए सोफिया डंकले के साथ 141 रनों की साझेदारी भी शामिल रही. इस पारी के दौरान एलिस पेरी को 2 बार जीवनदान मिला, जिसने हर किसी को हैरान कर लिया.

एलिस पेरी को पहला जीवनदान तब मिला, जब वह 65 रन पर खेल रही थी. दरअसल, उन्होंने एक बड़ा शॉट खेलने के लिए गेंद को हवा में मारा, लेकिन एडिलेड स्ट्राइकर्स की युवा खिलाड़ी एलेनोर लारोसा ने कमाल की फुर्ती दिखाते हुए हवा में छलांग लगाकर कैच लपक दिया. जिसके बाद पूरी टीम विकेट का जश्न मनाने लगी, लेकिन तभी अंपायर ने इसे नो बॉल करार दिया, क्योंकि गेंदबाजी के दौरान बॉलर का पैर लाइन के बाहर था. जिसके चलते एलिस पेरी आउट होने बच गईं.

इसके बाद 91 रन के स्कोर पर भी एलिस पेरी को जीवनदान मिला. इस बार गेंद उनके बल्ले का किनारा लेते हुए विकेट से टकरा गई, लेकिन किस्मत ने उनका साथ दिया और बेल्स नहीं गिरी. ऐसा काफी कम ही देखने को मिलता है कि गेंद स्टंप्स से टकराए और बेल्स ना गिरे, लेकिन एलिस पेरी के साथ ऐसा ही हुआ और वह दूसरी बार आउट होने से बच गईं, जिसके बाज उन्होंने 65 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर लिया.

1 रन से जीती सिडनी सिक्सर्स

एडिलेड स्ट्राइकर्स ने 174 रनों के टारगेट के जवाब में 20 ओवर के बाद 7 विकेट के नुकसान पर 172 रन ही बनाए, जिसके चलते उसे 1 रन से हार का सामना करना पड़ा. एडिलेड स्ट्राइकर्स को मैच की आखिरी गेंद पर जीत के लिए 3 रन बनाने थे, लेकिन वह 1 रन ही बटोर सकी, जिसके चलते सिडनी सिक्सर्स ने इस रोमांचक मैच में बाजी मार ली.

डिप्टी सीएम ने उप्पल स्टेडियम का किया दौरा

राचकोंडा सीपी के साथ मेसी फ्रेंडली फुटबॉल मैच की तैयारियों का निरीक्षण

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल स्टेडियम में 13 दिसंबर को आयोजित होने वाले लियोनेल मेसी फ्रेंडली फुटबॉल मैच की तैयारियों का उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने व्यापक रूप से निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ मंत्री डी. श्रीधर बाबू, एडिशनल डीजी विजय कुमार, राचाकोंडा कमिश्नर सुधीर बाबू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के बाद मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मेसी के मैच के लिए देशभर से हज़ारों फुटबॉल प्रशंसक हैदराबाद पहुंचने वाले हैं, इसलिए सभी व्यवस्थाएँ चाक-चौबंद रहनी चाहिए। उन्होंने सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण, दर्शकों की सुविधा और तकनीकी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि भारी भीड़ को देखते हुए दर्शक निर्धारित समय से पहले ही स्टेडियम पहुँचकर अपनी-अपनी सीटों पर बैठ जाएँ, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने यह भी बताया कि खेल प्रेमियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की गई हैं।

अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री को स्टेडियम में जारी व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों तथा यातायात योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मेसी मैच के लिए दर्शकों के आगमन और प्रस्थान मार्गों के साथ-साथ मुख्यमंत्री, मंत्रियों और अन्य वीआईपी के विशेष मार्गों की भी उपमुख्यमंत्री ने समीक्षा की। उन्होंने उपस्थित दर्शकों की संभावित संख्या, प्रवेश और निकास द्वारों की व्यवस्था, पार्किंग सुविधाएँ तथा मेट्रो और आरटीसी द्वारा प्रशंसकों के लिए उपलब्ध करवाई जा रही परिवहन सेवाओं पर भी अधिकारियों से जानकारी हासिल की। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मैच के दिन सभी व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से संचालित हों और देशभर से आने वाले दर्शकों को बेहतरीन अनुभव मिले।

हरीश राव ने विधानसभा संचालन में खामियों पर जताई चिंता

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस नेता और विधायक टी. हरीश राव ने रविवार को राज्य विधानसभा के पिछले दो वर्षों के प्रबंधन में गंभीर खामियों की ओर ध्यान दिलाते हुए चेतावनी दी कि तेलंगाना में संवैधानिक मानदंडों और विधानसभा नियमों का उल्लंघन हो रहा है।

खुले पत्र में राव ने विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार को बधाई दी, लेकिन सत्र के दिनों की कमी, प्रश्नकाल और शून्यकाल का असंगत संचालन, अतारांकित प्रश्नों की अनदेखी, सदन समितियों का न होना और उपसभापति की नियुक्ति में देरी जैसी कई खामियों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि दलबदल करने वाले विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे नियमों और संविधान का उल्लंघन हो रहा है। राव ने तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी कि अगर इन खामियों पर ध्यान नहीं दिया गया तो तेलंगाना में लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यक्षमता और प्रतिष्ठा को और नुकसान हो सकता है।

भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

तेलंगाना राइजिंग नहीं, कांग्रेस राज में तेलंगाना सिंकिंग : राव

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के खिलाफ बढ़ते जनाक्रोश को स्वर देते हुए भाजपा ने शनिवार को इंदिरा पार्क में महाधरना आयोजित किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब तक यह 'जनविरोधी शासन' सत्ता से बेदखल नहीं होता, तब तक भाजपा का आंदोलन रुकने वाला नहीं है। भूमि सौदों और रियल एस्टेट लॉबी पर कांग्रेस को घेरते हुए राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार शासन में आते ही सरकारी और किसानों की जमीनों को बेचने और रियल एस्टेट लॉबी को सौंपने की नीति पर चल पड़ी है। लघुचरला क्षेत्र में फ़ार्मा सिटी के नाम पर किसानों की जमीनें 'जबरन' अधिग्रहित करने की कोशिश की गई, लेकिन व्यापक विरोध के बाद सरकार बैकफुट पर आई। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने इंडस्ट्रियल जमीनें निजी हाथों में बेचकर 'घोटाला' किया और कांग्रेस उसी कड़ी को आगे बढ़ा रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर चुनावी वादों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि छह गारंटी और 420 वादों में से एक भी पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि

छात्रों की फ़ीस रिइम्बर्समेंट, कर्मचारियों के वेतन में देरी, युवाओं के रोज़गार और बेरोज़गारी भत्ता आदि मामलों का निस्तारण नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इन सवालों के जवाब न तो सरकार दे रही है और न ही इन वादों पर कोई ठोस कदम उठाया गया है। राव ने कहा कि कांग्रेस शासन कमीशन और कॉन्ट्रैक्टरों की सरकार बन चुका है। तेलंगाना राइजिंग नहीं, तेलंगाना सिंकिंग है।, उनके मुताबिक राज्य में निर्णय लेने की प्रक्रिया कुछ लोगों के हाथों में सिमट गई है और आम जनता हाशिये पर धकेल दी गई है। भाजपा नेता ने कांग्रेस पर धार्मिक तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि हिंदू देवी-देवताओं का अपमान खुलेआम किया जा रहा है। राव ने कहा कि शिक्षा, गृह और विधि जैसे महत्वपूर्ण विभाग मुख्यमंत्री के पास होने के बावजूद कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब साबित हो रही है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बाबरी मस्जिद निर्माण जैसे भड़काऊ बयान देने वालों को कांग्रेस सरकार संरक्षण दे रही है, और यह स्थिति सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करती है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जब केंद्र सरकार देश को नक्सल-मुक्त भारत की दिशा में आगे ले जा रही है, तब तेलंगाना सरकार अर्बन नक्सलियों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने घोषणा की कि भाजपा की सरकार बनते ही इन नेटवर्कों पर पूरा अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दो साल में ही कांग्रेस के खिलाफ भारी विरोध खड़ा हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस का विरोध करने वाले सरपंच प्रत्याशियों को धमकाया जा रहा है, हाउस-अरेस्ट और गिरफ्तारियां की जा रही हैं, जो निरंकुश शासन का संकेत है। इस महाधरना में भाजपा के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

'फ्यूचर सिटी' को विश्व स्तरीय नगरों की श्रेणी में ले जाने की तैयारी

मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने की व्यवस्थाओं की समीक्षा

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, हाउसिंग और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में 8 और 9 दिसंबर को आयोजित होने वाला ग्लोबल समिट तेलंगाना की दिशा और दशा को निर्णायक रूप से बदलने वाला है। रविवार को उन्होंने मीरखानपेट में हो रही तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। मंत्री पोंगुलेटी ने कहा कि यह विश्व-स्तरीय समिट फ्यूचर सिटी को अंतरराष्ट्रीय मानकों वाली आधुनिक नगरी के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि इंदिरम्मा सरकार के दो सालों की उपलब्धियों, तेलंगाना राइजिंग 2047 विज़न और आगे की विकास योजनाओं को गति देने के लिए इस समिट से बड़े पैमाने पर निवेश आने की संभावनाएँ हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि देश-विदेश से लगभग 150 प्रतिष्ठित प्रतिनिधि इस ग्लोबल समिट में भाग लेने वाले हैं। दो दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के लिए व्यापक एवं अत्याधुनिक तैयारियाँ की गई हैं, जिन पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। मंत्री ने कहा कि यह समिट तेलंगाना को नए निवेश, वैश्विक साझेदारियाँ और आधुनिक बुनियादी सुविधाओं के निर्माण की दिशा में एक बड़ा मंच साबित होगा।

पद्मशाली विद्यार्थी वसतिगृह समिति की नए कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण

टीपीसीसी अध्यक्ष व एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने भाग लिया

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद में पद्मशाली विद्यार्थी वसतिगृह संस्था की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में टीपीसीसी अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया।

उन्होंने नव निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाकर उन्हें बधाई दी।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छात्र समुदाय की उन्नति तथा वसतिगृहों के समग्र विकास के लिए नई समिति सक्रिय भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में सरकारी सलाहकार शब्बीर अली, कॉर्पोरेशन चेयरमैन ईरवतरी अनिल, पद्मशाली समाज के नेता, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि पद्मशाली छात्रों को उच्च शिक्षा में आगे बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर सहयोग प्रदान कर रही है। नए कार्यकारिणी सदस्यों ने वसतिगृह के आधुनिकीकरण एवं छात्र सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इंडिगो की 117 उड़ानें रद्द, यात्रियों को हुई परेशानी

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के आरजीआई हवाई अड्डे पर रविवार को भी यात्रियों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा, क्योंकि इंडिगो एयरलाइंस ने 117 उड़ानें रद्द कर दीं। हवाईअड्डा अधिकारियों के अनुसार, अन्य शहरों से हैदराबाद आने वाली 56 उड़ानें और हैदराबाद से विभिन्न स्थानों के लिए जाने वाली 61 उड़ानें रद्द की गईं। छठे दिन भी इंडिगो के पूछताछ काउंटरों पर यात्रियों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां लोग अपनी उड़ानों की स्थिति जानने के लिए लाइन में खड़े रहे। विकल्प न होने की वजह से कई यात्री प्रस्थान लाउंज में अगली उड़ान का इंतजार करते दिखाई दिए।

शमशाबाद में मतदाताओं को बांटे जाने वाले गैस स्टोव जब्त

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद पुलिस ने शनिवार शाम स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान मतदाताओं के बीच वितरित किए जाने वाले गैस स्टोव जब्त कर लिए। पुलिस ने चौडरगुडा गांव निवासी मंचलम मोहन राव (51) की कार की जांच की, जिसमें वह गैस स्टोव ले जा रहे थे। अधिकारियों के अनुसार, मोहन राव चुनाव के मद्देनज़र ग्रामीणों में बांटने के लिए स्टोव ले जा रहे थे। मामला दर्ज कर पुलिस ने स्टोव को जब्त कर लिया है।

चोर से बरामद मोबाइल चोरी करने पर पुलिसकर्मी गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेहदीपटनम पुलिस ने एक पुलिसकर्मी को उस मोबाइल फोन की चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है, जो कुछ दिन पहले एक चोर से बरामद किया गया था। रिपोर्टों के अनुसार, गिरफ्तार पुलिसकर्मी कुमार मेहदीपटनम पुलिस स्टेशन में ड्राइवर के रूप में कार्यरत था। कुछ दिन पहले एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि मेहदीपटनम रैतू बाज़ार के पास बदमाशों ने उसका लगभग 1.75 लाख रुपये मूल्य का मोबाइल फोन छीन लिया।

सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने चोर को पकड़ा और उससे मोबाइल फोन बरामद कर लिया। लेकिन जांच में सामने आया कि चोर से मिला फोन थाने की मेज़ की दराज़ से गायब था। बाद में जांच में पता चला कि पुलिसकर्मी कुमार ही फोन उठा ले गया था। मामला दर्ज कर आरोपी पुलिसकर्मी को रिमांड पर ले लिया गया है।

रेवंत रेड्डी सरकार कमीशन आधारित सरकार बन गई भाजपा सांसद अरविंद

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद धर्मापुरी अरविंद ने रविवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार कमीशन आधारित सरकार बन गई है। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के नेता टोकन के लिए खुले तौर पर कमीशन वसूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रेवंत सरकार ऐसा व्यवहार कर रही है जो डकैती जैसा प्रतीत होता है। अरविंद ने रेवंत रेड्डी के दो साल के शासन पर चार्जशीट जारी की। इस अवसर पर अरविंद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत का जनता के लिए कोई भला करने का इरादा नहीं है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में 790 किसानों ने आत्महत्या की है और दो लाख रुपये के कर्ज माफी का सही तरीके से क्रियान्वयन नहीं हुआ। अरविंद ने कहा, कहते हैं कि किसानों को केवल चुनाव के समय आश्वासन दिया जाता है। क्या रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री फुटबॉल खेलने आए हैं? केंद्र से आने वाले फंड का सही उपयोग नहीं हो रहा है। सरकारी स्कूलों के छात्रों की भलाई का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। सभी भोजन विषाक्तता के मामले में छात्र अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं।

सरकारी अस्पतालों में 50 प्रतिशत पद खाली हैं। अरविंद ने यह भी दावा किया कि तेलंगाना भाजपा नेताओं में कोई मतभेद नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम सब एक हैं। हमारे बीच एकता है। भाजपा अध्यक्ष रामचंद्र राव मेरे बड़े भाई की तरह हैं और हम उनके नेतृत्व में काम करेंगे। पार्टी राज्य में और मजबूत होगी। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि वे अगले विधानसभा चुनावों में तेलंगाना में सत्ता में आएंगे।

2.36 करोड़ के इनामी 10 नक्सलियों का सरेंडर

बालाघाट में हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटे

बालाघाट, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बालाघाट जिले में नक्सल इतिहास में पहली बार 10 नक्सलियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने अपने हथियार सौंपकर आत्मसमर्पण किया। इसमें 62 लाख रुपये के इनामी हार्डकोर नक्सली सुरेंद्र उर्फ कबीर भी शामिल हैं। सभी 10 नक्सलियों पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में कुल 2 करोड़ 36 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें चार महिला और छह पुरुष नक्सली हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बालाघाट जोन में इस साल अब तक 10 हार्डकोर नक्सली मारे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पित नक्सलियों का पुनर्वास किया जाएगा और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जाएगा। सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने पुलिस को दो एके-47, दो इंसास रायफल, एक एसएलआर, दो एसएसआर, सात बीजीएल सेल और चार वॉकी-टॉकी सौंपे। इस कार्रवाई के पीछे प्रदेश की नक्सल आत्मसमर्पण नीति और सुरक्षा बलों के लगातार अभियान का असर माना जा रहा है।

सार्वजनिक सूचना

रिन्यू विक्रम शक्ति प्राइवेट लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः 138, अंसल चेम्बर्स– 2, भीकाजी कामा प्लेस, दिल्ली – 110066

रिन्यू विक्रम शक्ति प्राइवेट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय 138, अंसल चेम्बर्स–II, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली–110066 पर स्थित है, भारत सरकार से विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत उसे वे सभी अधिकार प्रदान करने हेतु आवेदन करने का इरादा रखता है, जो विद्युत लाइनों या विद्युत संयंत्रों को विद्युत संचारण के लिए स्थापित करने या दूरभाष अथवा तार–संचार से संबंधित आवश्यक समन्वय हेतु आवश्यक हैं–वे सभी अधिकार जो भारतीय तार अधिनियम, 1885 के अंतर्गत टेलीग्राफ प्राधिकरण को टेलीग्राफ लाइनों और खंभों की स्थापना एवं अनुरक्षण के संबंध में प्राप्त हैं। कंपनी ट्रांसमिशन योजनाओं के लिए सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, खड़ा करने (इरेक्शन) तथा अन्य संबंधित कार्यों के साथ–साथ कमीशनिंग, संचालन, अनुरक्षण एवं अन्य आवश्यक निम्नलिखित गतिविधियाँ भी संपादित करेगी।

ट्रांसमिशन योजना का नामः आंध्र प्रदेश के अनंतपुरम और नांदयाल जिलों में रिन्यू विक्रम शक्ति प्राइवेट लिमिटेड को उसकी 1710 मेगावाट हाइब्रिड परियोजना (सौर – 810 मेगावाट, पवन – 900 मेगावाट एवं BESS – 600 मेगावॉट घंटा) के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु ट्रांसमिशन प्रणाली।

योजना के अंतर्गत शामिल कार्यः

क) रिन्यू विक्रम शक्ति प्राइवेट लिमिटेड के जेनरेशन पूलिंग स्टेशन (PSS-1) (गाँवः बेतपल्ले, मंडलः गुत्ति, जिलाः अनंतपुर, आंध्र प्रदेश) से अनंतपुर पीएस (ISTS उपकेंद्र) तक 400 केवी डी/सी लाइन, जो डी/सी टावर पर स्थापित होगी [लाइन की लंबाई लगभग 32 किमी है]

ख) रिन्यू विक्रम शक्ति प्राइवेट लिमिटेड के पूलिंग सब–स्टेशन–2 (PSS-2)(गाँवः पेद्दापोदिल्ला, मंडलः पीपुल्ली, जिलाः नंदयाल, आंध्र प्रदेश) से पूलिंग सब–स्टेशन–1 (PSS-1) तक 400 केवी एस/सी लाइन, जो डी/सी टावर पर स्थापित होगी [लाइन की लंबाई लगभग 20 किमी है]

ग) रीन्यू विक्रम शक्ति प्राइवेट लिमिटेड (गाँवः ममादुर, एडुरुर, मंडलः गुत्ति, जिलाः अनंतपुर, आंध्र प्रदेश) का पूलिंग सब–स्टेशन–3 (PSS-3) – डी/सी टावर पर पूलिंग सब–स्टेशन–1 (PSS-1) 400 केवी एस/सी लाइन [लाइन की लंबाई लगभग 20 किमी है]

योजना के अंतर्गत शामिल ट्रांसमिशन लाइनें आंध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित ग्रामों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर से, आसपास से तथा उनके बीच से होकर गुजरेंगी:

क्र.स.	गांव का नाम	तहसील	जिला
1.	पेद्दापोदिल्ला, चिन्नपोदिल्ला, गड्डमनपल्ली, लंकायपल्ली, एस. रंगापुरम, कलचेटला, एर्रागुंटपल्लि	पीपुल्ली	नंदयाल
2.	लंबाड़ी तांडा, ऊतकल्लु, बेतपल्ले, मिद्दे तांडा, लक्ष्मी तांडा, गुंडला तांडा, बसिनेपल्ले तांडा	गुत्ति	अनंतपुर
3.	रोल्लपाडु तांडा, वै. जी. तांडा, येर्रगुड़ी, जी. येर्रा गुड़ी, कंदमकुंट्ला, बेटा तांडा, गुंडेमरल्ला, उप्परलापल्ली, सबासुपुरम	तुग्गालि	करनूल
4.	मैनपुरम, दोंगलागुट्टा तांडा, संकरबांडा, पाताकोत्ताचेरुवु, अमीनपल्ले, नरसापुरम, बोम्मनपल्ली तांडा, चेरुवु तांडा, ओबुलापुरम, कोंगनपल्ली, मुलकलपेंटा, गुंडला, एन. कोट्टाला, दोसलुडिकी, तिम्मापुरम, दोनिमुक्कला	गुंतकल	अनंतपुर

मार्ग–संरेखण की प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। सामान्य जनता को यह द्वारा सूचित किया जाता है कि प्रस्तावित ट्रांसमिशन प्रणाली के संबंध में अपने सुझाव/आपत्तियाँ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से दो माह के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करें। **अधिक विवरण एवं स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करेः**

नामः श्री अज़ीज काज़ी, **पदनामः** प्रबंधक
कार्यालय का पताः 8/848–सी, रेवेन्यू वार्ड 8, बी सी कॉलोनी गुत्ति, आंध्र प्रदेश – 515401
ईमेल पताः aziz.kazi@renew.com, **फोनः** +91 8910874155

कोहली ने परिवार के साथ सिंहाचलम मंदिर में दर्शन किए

ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर भी साथ थे, इसी साल अयोध्या-वृंदावन भी गए थे

विशाखापट्टनम, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंडियन बैटर विराट कोहली ने अपने परिवार और ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर के साथ रविवार को विशाखापट्टनम स्थित सिंहाचलम मंदिर में दर्शन किए। 2 मिनट 36 सेकंड के वीडियो में विराट कोहली मंदिर में पूजा-पाठ करते नजर आ रहे हैं। उनके साथ सुंदर भी हैं। विराट ने पारंपरिक कप्पस्थम्भम अलिंगनम (पवित्र स्तंभ को गले लगाना) अनुष्ठान में भाग लिया।

मंदिर प्रशासन ने बताया कि कोहली पूरे परिवार के साथ दर्शन करने आए थे, लेकिन फोटो-वीडियो में कहीं भी अनुष्का और बच्चे नजर नहीं आए। विराट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में दो शतकों के सहारे 151.00 की एवरेज से 302 रन बनाए। विराट ने तीसरे वनडे में नाबाद 66 रनों की पारी खेली। इस मैच को भारत ने 9 विकेट से जीता।

पुजारियों ने वेद आशीर्वाद पाठ किया :

दर्शन के बाद पुजारियों ने नादस्वरम की ध्वनि के साथ वेद आशीर्वाद का पाठ किया। पुजारियों ने खिलाड़ियों को मंदिर का पवित्र वस्त्र दिया और देवस्थानम की ओर से उन्हें भगवान का चित्र और प्रसाद भेंट किया। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा 25 मई को अयोध्या गए थे। दोनों ने सुबह 7 बजे रामलला के दर्शन किए। दोनों गर्भगृह में करीब 10 मिनट रहे। हालांकि, राम मंदिर में विराट-अनुष्का की तस्वीरें सामने नहीं आई। उसके बाद दोनों ने हनुमानगढ़ी मंदिर में 20 मिनट तक पूजा-अर्चना की। पुजारी ने दोनों को माला पहनाई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.